देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 19 मई 2025 । वर्ष –69 । अंक –183 पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ ऑपरेशन सिंदूर के बाद...
■ विदेश जाएं मोदी का... 04
■ सेना का खर्च बढ़ाना भी हो जाएगा मुश्किल ..
■ हूतियों के जुगाड़ वाले हथियारों से कैसे थर्राए... 09
■ कद्दू की उन्नत खेती, क्या है बुवाई का उचित..
■ चुकंदर की खेती के लाभ और इसके उत्पादन.. 11
■ रोमांचक मुकाबले में...
■ केकेआर प्लेऑफ से ... 10

आईपीएल में आज

TATA IPL

लखनऊ विरुद्ध हैदराबाद
लखनऊ
7.30 बजे से

हैदराबाद में भीषण अग्नि हादसा

8 बच्चों सहित 17 की मौत

हैदराबाद/नई दिल्ली/एजेंसी। हैदराबाद के चारमीनार के पास मौजूद गुलजार हाउस में रविवार (18 मई) की सुबह एक बिल्डिंग में भीषण आग लगने से 17 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों के बच्चे भी शामिल हैं। जिनमें से कई की उम्र महज 1 या 2 साल ही है। मरने वालों में ज्यादा पश्चिम बंगाल से थे और छुट्टियां मनाने हैदराबाद आए थे। इस घटना पर पीएम मोदी से लेकर तमाम नेताओं ने दुख जाहिर किया है। इसके साथ ही राज्य सरकार और केंद्र सरकार ने मुआवजे का ऐलान भी किया है।

हैदराबाद के गुलजार हाउस में लगी आग में ज्यादातर बच्चों की ही मौत हुई है। जिनमें किसी की उम्र 2 साल तो किसी उम्र इससे भी कम है। ये बच्चे अपने परिवार के साथ छुट्टियां मनाने आए थे, लेकिन इस आगजनी घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया है। घटना के समय इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। इनमें से 15 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया गया। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें ष्ठत्रष्ठह हॉस्पिटल, उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल और एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक दर्जन से ज्यादा दमकल की गाड़ियां और 2 घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि, आग के कारणों को लेकर शॉट सर्किट की बात सामने आ रही है।

घटना पर मोदी ने जताया दुख, राहत का ऐलान

इस घटना पर पीएम मोदी ने भी दुख जताया है, मृतकों के परिजनों को मुआवजे का ऐलान किया है। मोदी ने ट्वीट कर लिखा कि हैदराबाद, तेलंगाना में आग लगने की घटना में लोगों की मौत से मैं बेहद दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

दुनिया देखने से पहले ही जिंदगी खत्म

गुलजार हाउस में लगी आज में 8 बच्चों की मौत हुई है। इनमें प्रथम जिसकी उम्र महज डेढ़ साल थी। उसकी भी मौत हो चुकी है। इसके अलावा ईराज (2 साल), अनुयान (3 साल), आरुषि (3), इड्डु (4 साल) ऋषभ (4), प्रियांश (4 साल) और समय जो महज 7 साल का था। इस आग में इन बच्चों की मौत हो गई। यह करुण दृश्य जिसने भी देखा, उसका कलेजा कांप गया, आंसू बह गये। अन्य मृतकों में प्रहलाद (70), मुन्नी (70), राजेन्द्र मोदी (65), सुमित्रा (60), अभिषेक (31), शीतल (35), वर्षा (35), पंकज (36), और रजनी (32),शामिल हैं।

दीवार गिरा कर जैसे-तैसे 13 लोगों को बाहर निकालाः जहीर

चार मीनार के समीप चूड़ियों का कारोबार करने वाले जहीर ने कहा कि आग लगने के बाद घर के अंदर जाना बहुत मुश्किल था। फिर भी हम लोगों ने जैसे-तैसे कर 13 लोगों को बाहर निकाला। धुएं के कारण हम कुछ भी नहीं देख पा रहे थे। अंदर जाने के लिए हमने एक दीवार गिरा दी। ज्यादातर पीड़ित जलकर मर गए और बाकी लोगों के धुएं की वजह से दम घुटने लगे।

संघर्ष-विराम की कोई समाप्ति तारीख नहीं : सेना

सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों की जान में जान आई

-सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, (देशबन्धु)। जम्मू कश्मीर के प्रत्येक नागरिक खासकर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लाखों नागरिकों की जान में जान उस समय आई जब सेना ने इसे प्रति घोषणा करके आश्वस्त किया कि 10 मई को आरंभ हुए सीजफायर की कोई एक्सपायरी डेट नहीं है और अब इस मुद्दे पर पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होनी है। दरअसल सीमांत नागरिकों जहां तक कि नागरिक प्रशासन में भी इसको लेकर भ्रम और असुरक्षा की भावना इसलिए थी क्योंकि देशभर के नेता कहते फिर रहे थे कि आपरेशन सिंदूर को फिलहाल स्थगित किया गया है, इस डर में तड़का पाक यह कह कर लगा रहा था कि 18 मई तक ही सीजफायर जारी है और इसके उपरांत इस पर भारत से बात होनी है।

बेसब्री से कर रहे थे लोग 18 मई का इंतजार

पर आज सुबह भारतीय सेना ने कहा है कि रविवार को भारत और पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच कोई वार्ता निर्धारित नहीं थी। सेना प्रवक्ता ने कहा कि इस धारणा को खारिज करते हुए कि यह विराम अस्थायी था और आज समाप्त हो जाएगा उन्होंने कहा कि जहां तक डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) की बातचीत के दौरान तय किए गए शत्रुतापूर्ण विराम को जारी रखने का सवाल है, इसकी कोई समाप्ति तिथि नहीं है। अधिकारी ने कहा कि रविवार को भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच कोई वार्ता निर्धारित नहीं थी।

हालांकि 12 मई को भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ ने चर्चा की, जिसमें गोलीबारी या किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई से बचने के लिए आपसी समझौते को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बात पर भी सहमति हुई कि दोनों पक्ष सीमाओं और अग्रिम क्षेत्रों से सैनिकों की संख्या में कमी सुनिश्चित करने के लिए तत्काल उपायों पर विचार करें।

सार संक्षेप

आरसीपी सिंह ने अपनी पार्टी का जनसुराज में किया विलय

पटना। जेडीयू से अलग होकर अपनी नई पार्टी बनाने वाले आरसीपी सिंह ने अपनी पार्टी का विलय जनसुराज में कर दिया। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि आरसीपी सिंह के साथ आने से जनसुराज को ताकत मिलेगी। इस दौरान दोनों नेताओं ने जेडीयू और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जोरदार हमला बोला। इस मौके पर जनसुराज पार्टी के चीफ प्रशांत किशोर ने कहा कि हम आरसीपी सिंह को हृदय से धन्यवाद देते हैं। उनके आने से पार्टी को बहुत बड़ा फायदा होगा। उसे सोच को भी फायदा होगा, जो लोग चाहते हैं कि बिहार में अलग राजनीतिक व्यवस्था बने।

विदेश मंत्री जयशंकर आज से तीन देशों की यात्रा पर रहेंगे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर 19 से 24 मई तक नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी की छह दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कार्यक्रम की घोषणा की। यह यात्रा 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की कूटनीतिक गतिविधियों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक संबंधों को मजबूत करना और प्रमुख यूरोपीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाना है। इन देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी, व्यापार, निवेश और आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के तुर्की व अजरबैजान के साथ एमओयू रद्द

चंडीगढ़। राज्यसभा सांसद और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के चांसलर सतनाम सिंह संधू ने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि बताते हुए तुर्की और अज़रबैजान की 23 यूनिवर्सिटियों के साथ शैक्षणिक सहयोग के सभी समझौता ज्ञापन (एमओयू) तत्काल प्रभाव से रद्द करने की घोषणा की। यह निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्की और अजरबैजान द्वारा पाकिस्तान का समर्थन करने के विरोध में लिया गया है। संधू ने कहा, खून और शिक्षा एक साथ नहीं बह सकती। देश के सम्मान से बड़ा हमारे लिए कुछ नहीं है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर epaper.deshbandhump.com वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी की बात

चूहा-सुनती हो-सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों का टोटा बढ़ता जा रहा है।

चुहिया- हां प्रिये- वोट की कमाई में लगे माननीयों को 'भविष्य' की चिंता है कहां?

कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा से ही देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है हमारा प्रदेश : मुख्यमंत्री

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने कहा है कि आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने के लिए सुव्यवस्था स्थापित करना राज्य सरकार का उद्देश्य है। इस मंशा का सफल क्रियान्वयन सरकार के कर्मचारियों पर निर्भर करता है, इस दृष्टि से प्रदेश के कर्मचारी सच्चे कर्म योगी हैं। कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण से ही जनकल्याण और विकास के पथ पर हमारा प्रदेश अग्रसर है। कर्मचारियों की कर्तव्य निष्ठा से जनहित की योजनाओं के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्य में शामिल हुआ है। प्रदेश के कर्मचारी सरकार और जनता के बीच नल और नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ। यादव रवींद्र भवन में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ। यादव द्वारा गत माह लिए गए कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिऐ मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने रविंद्र भवन में उनका अभिनंदन किया। कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अंगवस्त्रम भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ।यादव का तिलक किया। इसके साथ ही उन्हें शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भी भेंट किया। कर्मचारी संघ की ओर से मुख्यमंत्री डॉ।यादव को वृहद आकार की मालाएं पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद मां सरस्वती और

- मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ प्रदान करने की मांग को किया स्वीकृत
- मुख्यमंत्री का कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिऐ मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने किया अभिनंदन

पूर्व वरिष्ठ श्रमिक नेता स्व। दत्तोपंत ठेंगड़ी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक श्री भगवानदास सबनानी, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत श्रीवास्तव तथा महामंत्री श्री जितेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कर्मचारी संघ की ओर से कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना

लश्कर का टॉप कमांडर सैफुल्लाह पाकिस्तान में ढेर

इस्लामाबाद, (एजेंसियां)। आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान में ही एक के बाद एक आतंकियों की हत्या की जा रही है। अब लश्कर–ए–तैयबा के एक और टॉप कमांडर की पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी है। लश्कर–ए–तैयबा और जमात नेता रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह को पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मतली फालकारा चौक इलाके में मार दिया गया। कहा जा रहा है कि यहां अज्ञात हमलावरों ने दिन दहाड़े लश्कर के कमांडर को गोलियों से छलनी कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि रजाउल्ला को पाकिस्तान सरकार ने सुरक्षा भी मुहैया कराई हुई थी। वह रविवार दोपहर को सिंध के मतली स्थित अपने घर से कहीं जाने के लिए बाहर निकला था। एक क्रॉसिंग के पास अज्ञात बंदूकधारियों ने रजाउल्ला की गोली मारकर हत्या कर दी। सैफुल्लाह लंबे समय तक नेपाल में फर्जी पहचान के साथ छिपकर रहा था और अपने नापाक मंसूबों को अंजाम दे रहा था। भारतीय खुफिया एजेंसियों को सैउल्लाह के नेपाल में छिपे होने की जानकारी हुई तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया था।

भारत सरकार का बड़ा फैसला

40000 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन सिंदूर के बीच रक्षा बलों को हथियार और गोला–बारूद खरीदने के लिए लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बड़ी मदद मिलने वाली है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि हाल ही में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने अपनी बैठक में आपातकालीन शक्तियों के तहत अधिग्रहणों को मंजूरी दी। इस बैठक में रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए सेना आपातकालीन शक्तियों के तहत निगरानी ड्रोन, अत्याधुनिक घातक ड्रोन, लंबी दूरी के मारक हथियार, तोपखाने के लिए गोला–बारूद, विभिन्न प्रकार की वायु रक्षा प्रणाली एवं मिसाइल और राकेट जैसे उपकरण खरीदने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

खरीदे जाएंगे ड्रोन और गोला–बारूद

आपातकालीन खरीद शक्तियों की यह पांचवीं किस्त– सेना ने पाकिस्तान में लक्ष्यों पर ब्रह्मोस और स्कैल्प क्रूज मिसाइलों की बौछार की थी। जिन उपकरणों के लिए सौदे हो रहे हैं, उन्हें सुरक्षा बलों को तय समय सीमा के भीतर आपातकालीन शक्तियों के तहत प्राप्त करना होगा। पिछले पांच वर्षों में रक्षा बलों को दी गई आपातकालीन खरीद शक्तियों की यह पांचवीं किस्त है। खरीद का काम रक्षा वित्त शाखा के वित्तीय सलाहकारों की मदद से सेना द्वारा किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय सैन्य बलों के लिए दीर्घकालिक परियोजनाओं पर भी काम कर रहा है और वरिष्ठ अधिकारी इस संबंध में उद्योग जगत के नेतृत्व से मिल रहे हैं।

सोलर डिफेंस एवं एयरोस्पेस पर भी हुआ मंथन– इस बाबत रक्षा मंत्रालय के अधिकारी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और सोलर डिफेंस एवं एयरोस्पेस सहित निजी उद्योग के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठकें कर चुके हैं। आपातकालीन खरीद शक्तियों ने सुरक्षा बलों को सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक उपकरण और गोला–बारूद खरीदने की अनुमति देकर बड़े पैमाने पर मदद की है।

लो लेवल रडार पर भी हुई बात– भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना ने हेरान मार्क–दो ड्रोन आपातकालीन शक्तियों के तहत ही हासिल किया था, जिनका इस्तेमाल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लाइव ऑपरेशन पर नजर रखने के लिए किया >>शेष पृष्ठ 2 पर

JAN JYOTI SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL
अब पाइये चश्मे से छुटकारा
मात्र कुछ सेकेण्ड्स में
Teneo- 2 तकनीक से इलाज
TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित
आज ही विजिट करें
9165108121 janjyotieyehospital.com
1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life
A.P.N. C.B.S.E.
SENIOR SECONDARY SCHOOL
(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26
Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities
Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games
राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट
Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

बैठक में खुलासा अचानक सरकारी स्कूल छोड़ने लगे बच्चे

उ.प्र. में 21, बिहार में 6 लाख विद्यार्थियों ने छोड़े सरकारी स्कूल

नई दिल्ली। सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। वर्ष 2024–25 में 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्राइमरी और अपर प्राइमरी स्तर पर सरकारी स्कूलों में नामांकन में गिरावट ने केंद्र सरकार को चिंतित कर दिया है। इसके कारण शिक्षा मंत्रालय ने संबंधित राज्यों से जांच और सुधार के लिए कार्ययोजनाएं मांगी हैं।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (जिसे पहले मिड डे मील योजना कहा जाता था) सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में कक्षा 8 तक के छात्रों को कवर करता है। तीन दशक पहले शुरू की गई यह योजना सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में प्री–प्राइमरी से कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए एक प्रमुख पोषण सहायता कार्यक्रम है। इसकी लागत केंद्र और राज्यों द्वारा 60–40 के आधार पर शेयर की जाती है, जिसमें केंद्र खाद्यान्न की आपूर्ति करता है। 2023–24 की तुलना में, कर्नाटक में नामांकन में लगभग 2 लाख की गिरावट देखी गई

जबकि असम में 1.68 लाख, तमिलनाडु में 1.65 लाख और दिल्ली में 1.05 लाख की गिरावट आई।

शिक्षा मंत्रालय ने जताई चिंता– शिक्षा मंत्रालय में स्कूल शिक्षा सचिव ने इस पैटर्न पर चिंता व्यक्त की और राज्यों को इसके कारणों >>शेष पृष्ठ 2 पर

23 राज्यों में नामांकन में आई गिरावट

पीएम–पोषण योजना के तहत प्रदर्शन, योजना और बजट पर चर्चा करने के लिए अप्रैल में 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ एमओई द्वारा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के बाद पता चला कि 23 राज्यों में छात्र नामांकन में गिरावट आई है। वहीं आठ राज्यों में 1 लाख से अधिक की गिरावट देखी गई। उत्तर प्रदेश में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं।

देश-विदेश

देहरादून में 6 बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस ने 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं शामिल हैं। सभी देहरादून और हरिद्वार में नाम छिपाकर रह रहे थे। उत्तराखंड के देहरादून जिले में क्लेमेंटटाउन थाना के अंतर्गत 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी की मदद करने के आरोप में एक भारतीय महिला को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी बांग्लादेशी नागरिकों से मिलिट्री इंटेलिजेंस और आईबी पूछताछ कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो आया सामने, सैनिक बोला वो गुस्सा नहीं लावा था

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। भारतीय सेना की पश्चिमी कमान की ओर से जारी वीडियो में सेना के एक जवान ने कहा कि ये शुरुआत पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले से शुरू हुई, जो कि गुस्सा नहीं लावा था।

वीडियो में सेना के जवान ने कहा कि दिमाग में बस एक ही बात थी कि अबकी बार ऐसा जवाब देंगे कि इनकी पीढ़ियां याद रखेंगी, ये बदले की भावना नहीं, न्याय था। 9 मई रात को तकरीबन 9 बजे दुश्मन की फोर्स ने सीजफायर का उल्लंघन किया। इन सभी पोस्ट्स को भारतीय सेना ने मिट्टी में मिला दिया। जवान ने कहा है कि दुश्मन अपनी पोस्ट छोड़कर भागता नजर आया।

वीडियो में भारतीय सेना ने कहा कि पाकिस्तान की ओर से जब सीजफायर का उल्लंघन किया जा रहा था, भारतीय चौकियों के साथ-साथ रिहायशी इलाकों को भी टारगेट किया जा रहा था। इसका वीडियो वेस्टर्न कमांड इंडियन आर्मी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया। इस हफ्ते की शुरुआत में भारतीय सेना की पश्चिमी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने जम्मू क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कई स्थानों का दौरा किया और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की सटीक और दंडात्मक प्रतिक्रिया की सराहना की। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

इसके बाद से ही देश में पाकिस्तान के इस कायराना हरकत से गुस्सा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी थी कि आतंक और आतंक के आकाओं को बख्शा नहीं जाएगा। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के एयरबेस और डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया था। सेना की इस बहादुरी के लिए देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है।

वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को गुजरात के भुज रुद्र माता वायुसेना स्टेशन के दौरे के दौरान पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि जब सही समय आएगा तो हम पूरी फिल्म दुनिया को दिखाएंगे।

न्यूयॉर्क में मैक्सिकन जहाज पुल से टकराया, 2 की मौत, कई घायल

न्यूयॉर्क, (आईएएनएस)। न्यूयॉर्क में उत्सव मनाने जा रहा मैक्सिकन नौसेना का एक विशाल जहाज शनिवार शाम (स्थानीय समयानुसार) को ब्रुकलिन ब्रिज से टकरा गया। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। कथित तौर पर यह जहाज मैक्सिकन सेना का कुआउथेमोक था। इसमें 277 लोग सवार थे। हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 घायल हैं, 4 की हालत गंभीर है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो से पता चलता है कि जहाज का 147 फुट लंबा ऊपरी हिस्सा पुल के नीचे से सुरक्षित रूप से नहीं गुजर सकता था।

ट्रैफिक ज्यादा था, इस वजह से हादसा हुआ। टक्कर जोरदार नहीं थी, नहीं तो कई और लोगों की जान जा सकती थी। हालांकि घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल था। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने प्रेस कांफ्रेंस करके इस घटना की पुष्टि की। अधिकारियों ने मरने वाले दो चालक दल के सदस्यों के नाम जारी नहीं किए हैं। अग्निशमन अधिकारियों ने मोटर चालकों को चेतावनी दी कि वे ब्रुकलिन में न्यू डॉक स्ट्रीट और वॉटर स्ट्रीट के नजदीक ट्रैफिक जाम से जूझ सकते हैं। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट डालते हुए लोगों को इस घटना के संबंध में जानकारी देते हुए चेताया भी है। पोस्ट में बताया गया है, भारी यातायात और महत्वपूर्ण आपातकालीन दल की मौजूदगी के कारण ब्रुकलिन ब्रिज के आसपास के क्षेत्रों का रुख करने से बचना चाहिए। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक इस सूचना के बाद ब्रुकलिन ब्रिज की सभी लेन दोनों दिशाओं में बंद कर दी गई थीं, बाद में इसे जनता के लिए फिर से खोल दिया गया।

यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला, रूस ने एक साथ दागे 273 ड्रोन, हर ओर तबाही

मास्को। रूस ने यूक्रेन पर अपनी अब तक की सबसे बड़ी ड्रोन बमबारी की है। यूक्रेन के अधिकारियों ने बताया कि यह हमला युद्ध की शुरुआत से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला है। हमले के बाद यूक्रेनी शहरों में तबाही के मंजर सामने आए हैं। हमले में कीव क्षेत्र में कम से कम एक महिला की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। इस हमले में रूस ने 273 ड्रोन दागे। यूक्रेन की वायु सेना के अनुसार, रूस ने अधिकतर हमले कीव के केंद्रीय क्षेत्र और देश के पूर्वी हिस्सों ड्निप्रोपेत्रोव्स्क व डोनेस्क क्षेत्रों को निशाना बनाया। इससे पहले फरवरी 2025 में रूस ने 267 ड्रोन हमले किए थे, जो तब का रिकॉर्ड था।

तुर्की में शांति वार्ता विफल- हाल ही में इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन के बीच तीन साल बाद हुई शांति वार्ता विफल रही। दोनों पक्षों ने केवल कैदियों के आदान-प्रदान का समझौता किया, लेकिन युद्ध विराम पर कोई सहमति नहीं बन पाई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से बातचीत करने का ऐलान किया है। रविवार की तड़के चली लगातार हमलों में कीव क्षेत्र के ओबुखिव जिले में 28 वर्षीय एक महिला की मौत हुई जबकि एक 4 साल का बच्चा समेत कम से कम तीन लोग घायल हुए। घायल सभी अस्पताल में भर्ती हैं। इस हमले में कई आवासीय इमारतें भी क्षतिग्रस्त हुईं।

यूक्रेन का दावा- 88 ड्रोन मार गिराए

यूक्रेनी वायु रक्षा बलों ने 88 ड्रोन मार गिराए, जबकि 128 नकली ड्रोन बिना किसी नुकसान पहुंचाए गिर गए। कीव और इसके आसपास के क्षेत्रों में नौ घंटे तक हवाई हमले की चेतावनी जारी रही। यूक्रेन के डिसइन्फॉर्मेशन सेंटर के प्रमुख आंद्रेई कोवालेन्को ने कहा, रूस ने हमेशा वार्ता के समय धमकाने के लिए युद्ध का सहारा लिया है।

पिछले दिन भी रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में एक बस पर हमला हुआ था, जिसमें नौ आम नागरिक मारे गए थे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे जानबूझकर हमला करार देते हुए रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने की मांग की है। रूस ने हालांकि दावा किया था कि उन्होंने एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया था।

19वीं बार फतह कर ली दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट

नई दिल्ली। ब्रिटिश पर्वतारोही गाइड ने रविवार को 19वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की और उन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत पर सबसे अधिक बार चढ़ाई करने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। ब्रिटिश पर्वतारोही, माउंट एवरेस्ट पर सबसे ज्यादा बार चढ़ाई करने वाले ऐसे व्यक्ति हैं, जो शेरपा नहीं हैं। 'हिमालयन गाइड्स नेपाल' के ईश्वरी पौडेल ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के रहने वाले 51 वर्षीय केंटन कूल ने रविवार को कई अन्य पर्वतारोहियों के साथ 8,849 मीटर ऊंची चोटी पर चढ़ाई की और उनका स्वास्थ्य अच्छा है तथा वे शिखर से नीचे उतर रहे हैं।

'हिमालयन गाइड्स नेपाल' ने अभियान में जरूरी सामान मुहैया कराया था। कूल ने पहली बार 2004 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी और तब से वे लगभग हर साल ऐसा करते आ रहे हैं। वह 2014 में एवरेस्ट पर चढ़ने में असमर्थ रहे थे क्योंकि 16 शेरपा गाइडों के हिमस्खलन में मारे जाने के बाद अभियान को रद्द कर दिया गया था।

वर्ष 2015 में जब भूकंप के कारण हिमस्खलन हुआ था, तब 19 लोगों की मौत हो गई थी। कोरोनावायरस महामारी के कारण 2020 में सत्र को रद्द कर दिया गया था। सैकड़ों पर्वतारोही और उनके गाइड वसंत मौसम में चढ़ाई के दौरान पहाड़ पर हैं, जिनमें से कई पहले ही सफल हो चुके हैं, जबकि इस महीने के अंत में चढ़ाई बंद होने से पहले और भी प्रयास करने की उम्मीद है। महीने के अंत में बारिश के मौसम में स्थिति खराब हो जाती है, जिससे चढ़ाई मुश्किल हो जाती है। कूल से ज्यादा बार चोटी पर

भारत ने बांग्लादेश से रेडीमेड गारमेंट्स और प्रोसेस्ड फूड की एंट्री पर लगाया बैन

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। एक महत्वपूर्ण व्यापार नीति बदलाव के तहत भारत ने बांग्लादेश से भूमि बंदरगाहों के माध्यम से देश में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी), प्रोसेस्ड फूड और अन्य वस्तुओं के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने बांग्लादेश से भारत में रेडीमेड गारमेंट्स, प्रोसेस्ड फूड जैसे कुछ सामानों के आयात पर भूमि बंदरगाह प्रतिबंध लगाते हुए एक अधिसूचना जारी की। डीजीएफटी ने अपनी अधिसूचना में कहा, हालांकि, इस तरह के बंदरगाह प्रतिबंध भारत से होकर गुजरने वाले बांग्लादेशी सामानों पर लागू नहीं होंगे, लेकिन नेपाल और भूटान के लिए आने वाले समान पर लागू होंगे।

निर्देश के अनुसार,बांग्लादेश से सभी प्रकार के रेडीमेड गारमेंट्स का आयात किसी भी भूमि बंदरगाह से नहीं किया जाएगा, हालांकि, इसे केवल न्हावा शेवा और कोलकाता बंदरगाहों के माध्यम से अनुमति दी गई है। अन्य प्रतिबंध फल या फल के स्वाद वाले और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों के आयात, प्रोसेस्ड फूड आइटम्स, कपास और सूती धागे का वेस्ट, प्लास्टिक और पीवीसी तैयार माल और लकड़ी के फर्नीचर पर हैं। इन वस्तुओं को असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में किसी भी लैंड कस्टम स्टेशन (एलसीएस) या इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट (आईसीपी) के माध्यम से अनुमति नहीं दी जाएगी । साथ ही पश्चिम बंगाल में एलसीएस चंगराबांधा और फुलबारी से भी अनुमति नहीं होगी। अधिसूचना में आगे लिखा गया है कि बंदरगाह प्रतिबंध बांग्लादेश से मछली, एलपीजी, खाद्य तेल और क्रश्ड स्टोन के आयात पर लागू नहीं होते हैं।

इससे पहले अप्रैल में बांग्लादेश सरकार ने राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) की अधिसूचना के माध्यम से भूमि बंदरगाहों के जरिए भारत से देश में यार्न के आयात पर प्रतिबंध लगाया था। बांग्लादेश के इस फैसले को देखते हुए ही भारत ने यह नया कदम उठाया है। भारत, बांग्लादेश के लिए ट्रांस-शिपमेंट सुविधा को भी समाप्त कर चुका है। भारत चीन के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2022-23 में, बांग्लादेश-भारत व्यापार लगभग 16 बिलियन डॉलर का था। इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, बांग्लादेश ने लगभग 14 बिलियन डॉलर का सामान आयात किया, जबकि भारत को उसका निर्यात 2 बिलियन डॉलर रहा।

भारत-पाक सीजफायर पर बोले डोनाल्ड ट्रंप

मैंने परमाणु जंग रोकी पर मुझे इसका श्रेय नहीं मिलेगा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से दोहराया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर में उनके प्रशासन की अहम भूमिका रही. ट्रंप ने शनिवार को एक इंटरव्यू में कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध जैसी स्थिति को रोकने में अमेरिका को बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिली, लेकिन उन्हें इसका उचित क्रेडिट नहीं दिया गया.

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा?- स्टार समूह के फॉक्स न्यूज को इंटरव्यू देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच गहरी नफरत है. दोनों के बीच तनाव इतना बढ़ गया था कि अगला कदम शायद परमाणु हमले का था. डोनाल्ड ट्रंप ने करीब तीन से चार बार भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने का दावा किया था. हालांकि, शुक्रवार को ट्रंप भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने वाले अपने पहले के बयान से पलट गए है. ट्रंप ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता नहीं करवाई थी, बल्कि सिर्फ शांति स्थापित करने में मदद की थी. इससे पहले डोनाल्ड ट्रंप सीजफायर के लिए खुद को श्रेय दे रहे थे।

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम उन्होंने व्यापार को हथियार बनाकर करवाया. भारत के विदेश मंत्रालय ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा, अमेरिका से सैन्य स्थिति पर बात हुई, व्यापार का मुद्दा बातचीत में कभी नहीं उठा।

In The Court of XVI, Civil Judge Class-I, District Court, Jabalpur presiding Officer:
फरहान मसूद कुरैशी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0000389/2025)
के.सी. देवानी...........वादी
Vs
प्रकाश हिरानी.....प्रतिवादी
Process Id-/2025
पेशी दि.:-16/06/2025

प्रेषिती-(1) आम जनता पता- जबलपुर मध्यप्रदेश
यह कि प्रार्थी के.सी. देवानी ने अपके विरूद्ध सिविल सूट ए के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 15 मई 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी- उपस्थिति एवं प्रकाशन हेतु नोटिस के साथ दावा वास्ते पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 21/03/2002 के आधार पर स्वयं घोषणा हेतु वाद मूल्यांकन 1000 रूपये एवं वसीयतनामा दिनांक 21/05/2019 के आधार पर स्वत्व घोषणा हेतु वाद मूल्यांकन 1000 रूपए न्याय शुल्क चस्पा की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(फरहान एम. कुरैशी)
सोलहवें सिविल न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 477

In The Court of XV, Civil Judge Class-II, District Court, Jabalpur presiding Officer:
रितिका विजय कुमार श्रीवास्तव
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु)
(RCS A/ 0000902/2018)
श्री दिलीप तिवारी...........वादी
Vs
श्री जसपाल सिंह चड्डा.....प्रतिवादी
Process Id-/2025
पेशी दि.:-20/06/2025

प्रेषिती-(1) गगनदीप सिंग पिता गुलजीत सिंग पता- निवासी 89 ए नर्मदा रोड जबलपुर म.प्र.
यह कि प्रार्थी श्री दिलीप तिवारी ने आपके विरूद्ध सिविल सूट वाद वास्ते विक्रय पत्र शून्य घोषित करने व प्रतिवादीगण का नामांतरण निरस्त करने तथा स्वत्व घोषणा एवं कब्जा वापसी हेतु के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/ हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 16 मई 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायालय की मुद्रा
टिप्पणी- प्रकाशन नोटिस के साथ वाद वास्ते विक्रय पत्र शून्य घोषित करने व प्रतिवादीगण का नामांतरण निरस्त करने तथा स्वत्व घोषणा एवं कब्जा हेतु की छायाप्रति संलग्न है।
कृपया ध्यान दें- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।
(रितिका विजय कुमार श्रीवास्तव)
पन्द्रहवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 476

तुर्किये की साजिश

इस्लामी ग्रुप ने जारी किया ग्रेटर बांग्लादेश का नक्शा

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्किए और पाकिस्तान की दोस्ती पूरी दुनिया ने देख ली। तुर्किए खुलकर आतंकवाद के समर्थक देश के साथ आकर खड़ा हो गया। यही नहीं, पाकिस्तान ने जिन ड्रोन्स से भारत पर हमला किया, वो भी तुर्किए ने ही पाक को खैरात में दिए थे। तुर्किए की इस हरकत के बाद भारत ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। हालांकि, तुर्किए अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है।

बांग्लादेश का नया नक्शा

द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, तुर्किए समर्थित इस ह्वह्र ने 'महान बांग्लादेश' के नक्शे में भारत के कई पूर्वी और उत्तर पूर्वी राज्यों को शामिल किया है। इस लिस्ट मेंम्यांमार का अराकान राज्य, बिहार, झारखंड, ओडिशा समेत उत्तर पूर्वी भारत का पूरा हिस्सा मौजूद है।

यूनिवर्सिटी हॉल में लगा नक्शा

रपोर्ट के अनुसार यह नक्शा बांग्लादेश की राजधानी ढाका के विश्वविद्यालय में देखने को मिला है। विश्वविद्यालय के हॉल में महान बांग्लादेश का यह नक्शा लगाया गया

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

नाम सुधार

मैं अफशा अन्जुम पिता फतेह खान, निवासी म.नं. 1026, लोकमान्य बालगंगाधर तिलक वार्ड, नया मोहल्ला जबलपुर की निवासी हूं। यह कि मैं इस पते की स्थायी निवासी हूं। मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम अफशा अन्जुम (Afsha Anjum) दर्ज है, जो कि हिन्दी में सही है, लेकिन अंग्रेजी में त्रुटिवश मेरा नाम (Afshan Anjum) दर्ज हो गया है, जो कि गलत है। मेरे समस्त शैक्षणिक एवं अन्य शासकीय दस्तावेजों में भी मेरा सही नाम अफशा अन्जुम (Afsha Anjum) दर्ज है। अतः उपरोक्त त्रुटि सुधार की जाकर मेरे पासपोर्ट में मेरा अंग्रेजी में सही नाम (Afsha Anjum) दर्ज किया जाए।
गलत नामः (Afshan Anjum)
सही नाम - (Afsha Anjum)
र.नं. 478

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कर्मचारियों की..... का लाभ प्रदान करने की मांग स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के समान करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 9 वर्षों से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग को भी पूरा किया गया है। इसके साथ ही अधिकारियों- कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश में स्थानांतरण नीति का क्रियान्वयन किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान का वादा किया था। क्रमबद्ध रूप से सभी समस्याओं का निराकरण किया गया है। रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विशेष अभियान संचालित हैं। पुलिस में सभी पद भरे गए हैं। इसके साथ ही सभी जिलों में बैंड की पुलिस बैंड की स्वीकृति प्रदान की गई है। रिक्त हुए पदों को प्रतिवर्ष लोक सेवा आयोग की परीक्षा आयोजित कर भरने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा रही है। शासकीय कर्मचारियों की सुविधा के लिए शासकीय आवास की व्यवस्था प्राथमिकता पर की जा रही है। प्रदेश में लोक परिवहन के लिए बस सेवा भी आरंभ होने जा रही है

मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि न्यू मार्केट में बने 3000 नवीन आवासों का लोकार्पण कर कर्मचारियों को आवंटित किया गया। यह कर्मचारियों के जीवन को अधिक आरामदायक बनाने का एक प्रयास है। इसी प्रकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बीमा कवर का लाभ देने की स्वीकृति दी गई। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर स्वास्थ्य बीमा का सुरक्षा कवच अधिकांश देशवासियों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कर्मचारियों की स्वास्थ्य बीमा संबंधी मांग स्वीकृत करने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। राज्य सरकार रोजगार परक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को भी 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा निर्धारित चारों श्रेणियों, युवा- महिला- किसान- गरीब की बेहतरी के लिए प्रदेश में अनेकों गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में बिजली, पानी, सड़क और अधोसंरचना की स्थिति कई राज्यों से बेहतर है। मुख्यमंत्री डॉ। यादव ने अभिनंदन के लिए कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि सरकार और कर्मचारी प्रदेशवासियों के जीवन की बेहतरी के लिए एक टीम की तरह लगातार काम करते रहेंगे।

उ.प्र.में ....की पहचान करने और 30 जून तक रिपोर्ट पेश करने की सलाह दी है। यह गिरावट पहली बार पिछले साल के अंत में 2023-24 के लिए ष्ठढ्ढस्श्व+ रिपोर्ट में सामने आई थी, जिसमें 2018-19 से 2021-22 के औसत की तुलना में कुल स्कूल नामांकन (सरकारी और निजी) में लगभग 1.5 करोड़ की गिरावट की ओर इशारा किया गया था। पीएम-पोषण से पता चलता है कि यह पैटर्न 2024-25 में भी जारी रहेगा, जिससे सरकार चिंतित है।

शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने (जो नाम नहीं बताना चाहते थे) दो संभावित कारणों की ओर इशारा किया। पहला डेटा-कलेक्शन मेथोडोलॉजी में बदलाव है। स्कूल वाइस रिपोर्टिंग (केवल कुल संख्या) से छात्र वाइस रिपोर्टिंग (नाम, पता, माता-पिता के नाम और आधार विवरण) में बदलाव शामिल है। वहीं दूसरा कारण अधिकारियों ने नोट किया कि कई राज्यों ने सुझाव दिया है कि कोविड के बाद के वर्षों में नामांकन सरकारी से निजी स्कूलों में जा सकता है। नामांकन में गिरावट के साथ-साथ, पीएम-पोषण बैठकों ने कम योजना कवरेज को भी चिन्हित किया। दिल्ली में 2023-24 की तुलना में 2024-25 में मिड डे मील का लाभ उठाने वाले छात्रों की संख्या में 97,000 की कमी आई है, जिसमें केवल 60 प्रतिशत बालवाटिका (पूर्व-प्राथमिक), 69 प्रतिशत प्राथमिक और 62 प्रतिशत उच्च-प्राथमिक छात्र ही शामिल हैं। ये राष्ट्रीय औसत से नीचे है। शिक्षा मंत्रालय ने दिल्ली से इन आंकड़ों को सुधारने के लिए प्रयास करने को कहा है।

मील कवरेज में भी गिरावट

उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। जबकि राजस्थान में 3.27 लाख और पश्चिम बंगाल में 8.04 लाख छात्रों की कमी आई। अधिकारियों ने कहा कि कुछ राज्यों ने छात्रों द्वारा अपना टिफिन लाने की सूचना दी है। सभी को भोजन की गुणवत्ता की जांच करने और सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

40000 करोड़गया था। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को ऑपरेशन के दौरान ड्रोन का पता लगाने के लिए 10 और लो लेवल रडार का आर्डर मिलने की उम्मीद है।

छह रडार के लिए ऑर्डर के अतिरिक्त होगा

अधिकारी ने कहा कि यह छह रडार के लिए ऑर्डर के अतिरिक्त होगा। ड्रोन निर्माण में लगी कई भारतीय कंपनियों को भी तीनों सेनाओं से ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। भारत सरकार बजटीय आवंटन में सेनाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त धनराशि देने पर भी विचार कर सकती है।

देश-प्रदेश

उवाच

विदेश जा रहे ससंदीय दल में एक भी कश्मीरी पंडित नहीं : तन्खा

नईदिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में दुनिया भर के देशों को जानकारी देने के लिए बनाए गए सात डेलीगेशन में शामिल सदस्यों पर कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने सवाल उठाए हैं। विवेक तन्खा ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार की ओर से बनाए गए डेलीगेशन में कुछ अपवादों को छोड़कर अपने पसंदीदा लोगों को शामिल किया गया है। तन्खा ने X पर पोस्ट कर कहा, यहां मुद्दा जम्मू-कश्मीर है लेकिन सात प्रतिनिधिमंडलों में से किसी में भी एक भी कश्मीरी पंडित नहीं है। ऐसा लगता है कि इस प्रजाति को भुला दिया गया है।

भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बनेंगे 9 द्वार, मुख्यमंत्री ने भोज-नर्मदा द्वार का किया भूमि पूजन, बोले-

भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ना जरूरी

भोपाल नगर निगम ने नीमच में स्थापित किया 10 मेगावाट का सौर ऊर्जा संयंत्र

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्तमान और भावी पीढ़ी को अपने गौरवशाली अतीत से जोड़ना और उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक चेतना को जानने का सजीव अवसर प्रदान करना आवश्यक है। प्रदेश के नगरों के मुख्य प्रवेश मार्गों पर महापुरूषों की स्मृति में बन रहे सांस्कृतिक द्वार इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर युवा पीढ़ी के उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए, राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। राजा भोज सहित अन्य महापुरूषों के गौरवशाली इतिहास को पाठ्यक्रमों में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री यादव भोपाल में नर्मदापुरम मार्ग पर समरधा में निर्मित होने वाले भोज-नर्मदा द्वार के भूमि-पूजन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित 10 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का इस कार्यक्रम से वर्चुअली लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, खेल युवक कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा और विधायक भगवान दास सबनानी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल प्रदेश की राजधानी है। यहां प्रदेश के विभिन्न अंचलों की संस्कृति और इतिहास को अभिव्यक्ति प्रदान की जाएगी। भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर निर्मित होने वाले 9 द्वारों पर माँ नर्मदा के तट पर विद्यमान प्रमुख तीर्थों सहित सभी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संदर्भ उकेरे जाएंगे। उज्जैन में निर्मित महामृत्युंजय द्वार, विभिन्न काल में उज्जैन के इतिहास और प्रमुख घटनाओं को अभिव्यक्त करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पाकिस्तान के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर में भारत की जीत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहन कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विश्व के सामने ऑपरेशन सिंदूर में आंतकियों के विरूद्ध की गई कार्रवाई को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रकटीकरण किया है। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ-साथ आत्मनिर्भर नगर निगम व नगर पालिका के सपने को साकार करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना, आत्मनिर्भता की ओर एक प्रभावी कदम है। भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि 5 करोड़ रुपए की लागत से भोज-नर्मदा द्वार का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित किए जा रहे सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग भोपाल की जल प्रदाय व्यवस्था के संचालन में किया जाएगा। कार्यक्रम को विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी संबोधित किया।

महाराष्ट्र व गोवा बार काउंसिल के समारोह में पहुंचे थे

प्रोटोकॉल टूटने से मुख्य न्यायाधीश हुए नाराज

- बोले- महाराष्ट्र के बड़े अधिकारी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते
- संवैधानिक संस्थाओं के आपसी सम्मान का भी विषय

मुबई, एजेंसी। महाराष्ट्र और गोवा बार काउंसिल की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय वकील सम्मेलन में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई का भव्य सत्कार समारोह संपन्न हुआ। इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई ने भावुक होते हुए कहा कि वे सभी के प्रेम और सम्मान से अभिभूत हैं। लेकिन उन्होंने प्रोटोकॉल टूटने पर नाराजगी भी जताई।

उन्होंने कहा, पिछले 40 वर्षों से उन्हें जिस प्रकार का स्नेह मिला है, वह आज के समारोह में अपने चरम पर था और यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय बन गया है। मुख्य न्यायाधीश का चार्ज लेने के बाद वह पहली बार महाराष्ट्र पहुंचे थे। इस दौरान सीजेआई ने राज्य के शीर्ष अधिकारियों की अनुपस्थिति को लेकर महाराष्ट्र के प्रोटोकॉल पर नाराजगी जताई।

समारोह में उन्होंने महाराष्ट्र के लोकतंत्र, प्रशासन और न्यायिक व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा, यह राज्य न केवल न्यायिक रूप से सशक्त है बल्कि समावेशी भी है। उन्होंने राज्य के शीर्ष अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, जब भारत के मुख्य न्यायाधीश पहली बार राज्य की यात्रा पर आते हैं और राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक व मुंबई पुलिस आयुक्त उपस्थित नहीं होते तो यह केवल प्रोटोकॉल का नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं के आपसी सम्मान का विषय है।

अपने संघर्षों को किया याद

मुख्य न्यायाधीश ने अपने जीवन के संघर्षों को साझा करते हुए कहा कि उन्होंने अमरावती की झोपड़पट्टी में रहकर नगर निगम के स्कूल से शिक्षा प्राप्त की। वकील बनना उनका सपना नहीं था, उन्हें वास्तुकला में रुचि थी, पर उनके पिता जो अंबेडकर आंदोलन से जुड़े थे, कानून की पढ़ाई करना चाहते थे। वे स्वयं परीक्षा नहीं दे सके, लेकिन उन्होंने चाहा कि उनका बेटा इस मार्ग को अपनाए और वही सपना उन्होंने आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा, संविधान के प्रति उनका प्रेम बचपन से ही विकसित हुआ, क्योंकि उनके पिता संविधान को अत्यधिक मानते थे।

इसरो का ईओएस-09 मिशन हुआ फेल

इसरो प्रमुख बोले 'हम वापसी करेंगे'

श्रीहरिकोटा, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का ईओएस-09 मिशन तीसरे चरण में चूक गया। इसकी जानकारी इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने दी। इसे पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी-सी61) से लॉन्च किया गया था, जो कुछ ही मिनटों में असफल हो गया।

आधिकारिक एक्स पोस्ट में बताया गया कि रविवार को 101वां प्रक्षेपण प्रयास किया गया, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में तकनीकी खामी पेश आई जिससे वो चूक गया। इसरो प्रमुख डॉ. वी. नारायणन ने जानकारी दी कि पीएसएलवी के चार चरणों में से पहले दो चरणों का प्रदर्शन सामान्य रहा, लेकिन तीसरे चरण में तकनीकी खामी के कारण मिशन को पूरा नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा, 'हम विश्लेषण के बाद वापसी करेंगे'। इसरो ने एक्स पर लिखा, पीएसएलवी-सी61 का प्रदर्शन दूसरे चरण तक सामान्य रहा। तीसरे चरण में एक तकनीकी ऑब्जर्वेशन के कारण मिशन पूरा नहीं हो पाया। इसरो ने रविवार सुबह 5:59 बजे ईओएस-09 को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया था। ईओएस-09 को सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा में स्थापित किया जाना था, लेकिन तकनीकी खामियों के चलते सैटेलाइट को उसकी निर्धारित कक्षा में नहीं पहुंचाया जा सका।

मायावती ने भतीजे पर फिर जताया विश्वास, समन्वयक बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है। मायावती ने आकाश आनंद पर भरोसा जताते हुए, फिर बसपा का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है। मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसको लेकर एक बयान भी जारी किया है। इस बयान में बताया गया है कि बसपा अध्यक्ष मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी का मुख्य नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाया है, साथ ही उन्हें देश में पार्टी के आगे के कार्यक्रम भी दिए गए। उम्मीद है कि इस बार वह पार्टी और मूवमेंट के हित में, हर प्रकार की सावधानी बरतते हुए, पार्टी को मजबूत बनाने में अपना सराहनीय योगदान देंगे।

देवी अहिल्या बाई को समर्पित होगी मंत्रिपरिषद की बैठक, इंदौर के राजवाड़ा में कल होगा आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार देवी अहिल्या बाई माता होलकर का 300वां जयंती वर्ष पूरे हर्षोल्लास से मना रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन, स्वावलंबन, आत्म-निर्भरता और महिला कल्याण की मिसाल लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के पुण्य सम्मान में मध्यप्रदेश सरकार की मंत्रि-परिषद की बैठक 20 मई को इंदौर शहर के राजवाड़ा में होगी। यह पहली बार होगा, जब मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक राजवाड़ा जैसे ऐतिहासिक स्थल पर होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को मीडिया के लिए जारी संदेश में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में मंत्रि-परिषद की बैठक देवी अहिल्या बाई होलकर के

20 से 31 तक होंगे विविध आयोजन

गौरवपूर्ण जीवन और उनके योगदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने का एक पुण्य अवसर होगा। उन्होंने कहा कि राजवाड़ा भवन का निर्माण कार्य मल्हार राव होलकर द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसे लोकमाता अहिल्या बाई माता ने पूर्ण कराया था, उसी स्थल पर अब मंत्रि-परिषद की बैठक आयोजित कर उन्हें नमन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजवाड़ा में होने वाली मंत्रि-परिषद की बैठक में राज्य की जनता के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 20 मई से 31 मई तक पूरे राज्य में अलग-अलग सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 19 मई को इंदौर में एक मंचीय कार्यक्रम होगा, जिसमें लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर के जीवन के विविध पहलुओं को एक लघु नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। यह अद्भुत प्रस्तुति नागपुर, महाराष्ट्र से आये सुधड़ कलाकारों द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की जन्म जयंती को और अधिक स्मरणीय बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा 31 मई को भोपाल में भी एक बड़ा आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा कि देवी अहिल्या बाई होल्कर, न केवल सुशासन, स्वावलम्बन और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक थीं, बल्कि उन्होंने विधवा पुनर्विवाह और कई जनकल्याणकारी

शहीद स्थल सिंहपुर में हुआ श्रीराम महायज्ञ

शहीदों का बलिदान अविस्मरणीय : डॉ. सिंह

भोपाल, देशबन्धु। छतरपुर जिले के बुन्देलखण्ड जलियांवाला बाग सिंहपुर शहीद स्थल पर आयोजित श्रीराम महायज्ञ में शामिल हो कर डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव मप्र विधान सभा द्वारा शहीदों की स्मृति में आहुतियाँ दी गई। उनके साथ निर्मोही अखाड़ा जान राय टोरिया अजानभुज सरकार के महंत श्रृंगारी महराज सहित साधु संत एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे।

विधान सभा प्रमुख सचिव डॉ सिंह ने सबसे पहले शहीद स्मारक पहुँचकर शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि

शहीदों की आत्मा की शांति व क्षेत्र के कल्याणार्थ चरणपादुका शहीद स्थल पर यह पवित्र आयोजन देश भक्ति एवं आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम है।

उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान अतुलनीय है चाहे वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का हो या अभी ऑपरेशन सिंदूर में हमारे सेना के वीर जवानों का हो। समय समय पर देश के लिए बलिदान की आवश्यकता रहती है।

डॉ. सिंह ने कहा कि अगर पूजे न गए शहीद तो ये पंथ कौन अपनायेगा.. शहीदों की स्मृति में ऐसे आयोजन समाज और युवापीढ़ी को प्रेरणा के लिए आवश्यक है। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन छतरपुर के

मेघालय में पाक का समर्थन करने के आरोप में 2 गिरफ्तार

शिलांग, एजेंसी। मेघालय के उत्तरी गारो हिल्स जिले में पाकिस्तान का समर्थन करने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को बाजेंगडोबा थाने के अंतर्गत चोरेबोलबोक गांव के सिलग्रिंग डी. संगमा और चंबिलदम गांव के अस्बाथ बी. मारक को गिरफ्तार किया गया। उत्तरी गारो हिल्स जिले के जिला पुलिस के प्रमुख स्वप्निल पवार ने बताया कि दोनों व्यक्तियों को सोशल मीडिया पर गारो भाषा में धार्मिक घृणा से भरा संदेश फैलाते और भारत के खिलाफ नारे लगाते तथा पाकिस्तान द्वारा भारत पर हमलों का समर्थन करते और भड़काते देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सिलग्रिंग डी. संगमा का वीडियो हाल ही में फेसबुक और व्हाट्सएप जैसे प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ था। उन्होंने कहा कि वीडियो की सामग्री भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ है, खासकर मौजूदा स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस सिलसिले में पुलिस ने धारा 152/197 (1) (डी) बीएनएस, 2023 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

ज्योति मल्होत्रा को एसेट के रूप में कर रहे थे तैयार, पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तान में थी

हिसार। हरियाणा के हिसार की रहने वाली ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हिसार के पुलिस अधीक्षक (एसपी) शशांक कुमार सावन ने रविवार को इस मामले में नई

जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा, कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को रिक्रूट करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें केंद्रीय एजेंसियों से इनपुट मिला था और हमने हिसार की रहने वाली ज्योति मल्होत्रा ?? को गिरफ्तार किया। वो पीआईओएस के संपर्क में थी। वह कई बार पाकिस्तान और एक बार चीन जा चुकी है। हमने उसे 5 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है। उससे पूछताछ चल रही है। हम उसके वित्तीय विवरणों का विश्लेषण कर रहे हैं। संघर्ष (भारत-पाकिस्तान) के दौरान वो पीआईओएस के संपर्क में थी।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ज्योति मल्होत्रा को एक एसेट के तौर पर तैयार किया जा रहा था। वह दूसरे यूट्यूब इंफ्लुएंसर्स के संपर्क में थी। पीआईओएस से भी उसके संपर्क थे। उन्होंने कहा, ज्योति स्पॉन्सर्ड ट्रिप्स पर पाकिस्तान जाती थी। पहलगाम हमले से पहले वह पाकिस्तान में थी। इसे लेकर जांच चल रही है ताकि कोई संबंध स्थापित किया जा सके, अगर हो तो। हम इसकी भी जांच कर रहे हैं, क्योंकि हमारे पास सुराग हैं कि दूसरे लोग भी उसके साथ शामिल थे।

उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भी हैं जिनमें वह चीन जाने के लिए वीजा की मांग कर रही है। युद्ध जैसी स्थिति के समय कई सारी ऐसी जानकारियां होती हैं जो आपको बहुत छोटी लगेंगी मगर उन्हें शेयर नहीं किया जाना चाहिए।

स्टालिन ने गैर-भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों को लिखा पत्र राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से पूछे सवालों का विरोध करें

राष्ट्रपति मुर्मु ने सुप्रीम कोर्ट से पूछे थे 14 सवाल

चेन्नई, 18 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर (सभी गैर-भाजपा शासित राज्य) के 8 राज्यों के मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखी। इसमें उन्होंने राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से मांगे गए संदर्भ का विरोध करने की अपील की है।

स्टालिन ने लिखा- हम सभी जानते हैं कि जब किसी मुद्दे पर कोर्ट के आधिकारिक फैसले से पहले ही निर्णय लिया जा चुका हो, तब सुप्रीम कोर्ट के सलाह देने के क्षेत्राधिकार का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। फिर भी भाजपा सरकार ने राष्ट्रपति पर संदर्भ मांगने के लिए जोर दिया है, जो उनके भयानक इरादे बताता है। इसके बावजूद भाजपा सरकार ने संदर्भ मांगने पर जोर दिया है, जो उनके भयावह इरादे की ओर इशारा करता है। मैं गैर-भाजपा शासित सभी राज्यों से अपील करता हूं कि राष्ट्रपति द्वारा सुप्रीम कोर्ट में भेजे गए संदर्भ का विरोध करें।'

समय सीमा तय करने पर सवाल उठाए थे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सुप्रीम कोर्ट के प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए समय सीमा तय करने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने केंद्र सरकार की सलाह पर 13 मई 2025 को संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे थे। एक वीडियो में राष्ट्रपति ने कहा था कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को अपने आदेश में कहा था कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अनिल माधव दवे को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माँ नर्मदा के अनन्य सेवक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नदी का घर पहुंच कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. अनिल माधव दवे के कार्यों और व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए कहा कि स्व. दवे ने अपनी कर्तव्य-परायणता के साथ पूरा जीवन जनसेवा को समर्पित कर दिया। उन्होंने सदैव नदियों, वनों और पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए नए प्रतिमान स्थापित किए। उनका सम्पूर्ण जीवन सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए अथाह ऊर्जा का स्रोत है। स्व. अनिल माधव दवे पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी नि:स्वार्थ सेवाओं और विशेष रूप से नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने 'नमामि देवि नर्मदे' यात्रा जैसी अनेक पहलों के माध्यम से जनजागरण किया और पूरे समाज को प्रकृति के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी।

विजयवर्गीय ने डिजिटल लाइब्रेरी का किया लोकार्पण, कहा-

पत्रकारों का तीर्थस्थल है माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि किसी शहर के संग्रहालय और शिक्षण संस्थान धरोहर के समान हैं इनका समृद्ध होना समाज के गौरव को बढ़ाता है। उन्होंने माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय के गौरवशाली इतिहास की प्रशंसा की। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि आधुनिक युग में नौजवान पीढ़ी के लिये डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधा बहुत उपयोगी रहेगी। मंत्री श्री विजयवर्गीय रविवार को भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के मौके पर डिजिटल लाइब्रेरी के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में संग्रहालय की स्थापना से लेकर अब तक के सफर में सहयोग करने वाली संस्थाओं और हस्तियों का सम्मान किया गया।

उन्होंने कहा कि सप्रे संग्रहालय की शुरुआत एक छोटे स्वरूप में हुई थी। लगभग पिछले 4 दशकों में इस संस्थान ने अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित कर ली है। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री सुरेश पचौरी ने अपने उदबोधन में कहा कि विजयदत्त श्रीधर ने अपनी लगन से भोपाल शहर को एक अमूल्य धरोहर दी है, जिसका लाभ लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों को निरंतर मिलता रहेगा। पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री पचौरी ने भारतीय स्टेट बैंक के सीएसआर फंड से दी जाने वाली मदद को सराहनीय बताया। संस्थान के संस्थापक सदस्य विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान पुस्तकालय सेवा के 3 प्रारूप में कार्यरत है। पत्रकार एवं पाठक वर्ष 1984 से इसका लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक की सामाजिक सेवा बैंकिंग के अंतर्गत सीएसआर मद से उपलब्ध धन राशि से सप्रे संग्रहालय के 20 लाख दुर्लभ दस्तावेजों और पुराने जर्जर पृष्ठों का डिजिटलीकरण हुआ है। समारोह में सहयोग देने वाली संस्थाओं के साथ शिवकुमार अवस्थी, स्व. सुरेश शर्मा, स्व. शौकत रमूजी के उल्लेखनीय योगदान के लिये उनके परिजनों को सम्मानित किया गया।

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 19 मई 2025

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

ऑपरेशन सिंदूर के बाद उपजे हालात

ऑपरेशन सिंदूर सेना के पराक्रम की एक और बड़ी मिसाल और देश की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन के बाद अमेरिका, इंग्लैंड, तुर्किए, कतर, अजरबैजान, चीन इन तमाम देशों का जो रुख रहा, वह भारत के लिए सुखद नहीं है, लेकिन कम से कम अब हमें यह पता चल गया है कि जिन्हें हम अपना दोस्त या शुभचिंतक देश मानते थे, वे असल में पाकिस्तान के करीबी निकले। भविष्य में विदेश नीति के तहत फैसले लेने में इस सबक को याद रखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान का आतंकवाद समर्थित चेहरा भी सामने आया और यह भी पता चल गया कि कश्मीर मसले का अंतरराष्ट्रीयकरण करवाने के लिए वह किस तरह मौके तलाशता है। इधर घरेलू मोर्चे पर भी ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुछ कड़वी हकीकतें सामने आई हैं, जिन्हें अब नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनका सामना कर अपनी गलती समझना चाहिए।

देश में सत्तारुढ़ भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर के फौरन बाद नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए कई जगहों पर पोस्टर लगवाए, 13 मई से भाजपा देशव्यापी तिरंगा यात्रा भी निकाल रही है, जिसमें सेना के पराक्रम के साथ-साथ नरेन्द्र मोदी की शौर्यगाथा भी सुनाई दे रही है। इधर विपक्ष संसद के विशेष सत्र की मांग बुलाता रह गया, लेकिन मोदी सरकार ने उसका जवाब नहीं दिया और अब सात प्रतिनिधिमंडल बनाए गए हैं, जिनमें सभी दलों के नेता शामिल हैं। ये प्रतिनिधिमंडल अलग-अलग देशों में जाकर बताएंगे कि चरमपंथ पर भारत का क्या रुख है और ऑपरेशन सिंदूर क्यों सही था। संक्षेप में मोदी सरकार का पक्ष रखने सभी दलों के लोग जाएंगे, विपक्ष के भी। पिछले कार्यकाल तक नरेन्द्र मोदी विपक्षमुक्त भारत की बात कहते थे, सरकार से सवाल पूछने पर सौ से ज्यादा विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन दुनिया को बताना है कि भारत में कितना मजबूत लोकतंत्र है, तो अब विपक्ष के सांसदों को भी दल का हिस्सा बनाया गया है। भाजपा ने इसमें कांग्रेस से शशि थरूर को शामिल कर एक सियासी चाल भी चली है। कांग्रेस से जब प्रतिनिधिमंडल के लिए नाम मांगे गए थे, तो उसने आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, डॉ. सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार के नाम थे, लेकिन इनकी जगह शशि थरूर को भाजपा ने रखा। अभी 2 मई को केरल में श्री थरूर ने प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था, तब श्री मोदी ने कहा था कि आज बहुतों की नींद हराम होगी। उस वाक्य के आगे कहानी और कितनी बाकी थी, यह अब दिख रहा है। खैर अब यह शशि थरूर के विवेक पर निर्भर है कि वे अपने दल के साथ संकट के वक्त यह खिलवाड़ होने देते हैं या फिर उस शख्स के साथ खड़े होते हैं, जिसने उनकी पत्नी के लिए 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड जैसा अभद्र बयान दिया था। वैसे इस प्रतिनिधिमंडल को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि इतने बरसों में श्री मोदी जनता के पैसों पर कई देशों की यात्रा करते रहे, मोदी-मोदी के नारे लगते रहे, लेकिन जरूरत पड़ी तो अफगानिस्तान के सिवा कोई देश भारत के साथ खुलकर नहीं खड़ा नहीं हुआ। अब उसी जनता के पैसों पर सांसद विदेशों में जाएंगे, लेकिन क्या इससे भारत का पक्ष मजबूत हो पाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सेना की वाहवाही तो हो रही है, लेकिन इसकी जानकारी देने के लिए कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का सामने आना भी चर्चा का एक अलग ही मुद्दा बन गया। देश में अधिकतर लोगों ने इसकी तारीफ ही की और लड़कियों की सेना में बढ़ती धमक पर खुशी जाहिर की। लेकिन मध्यप्रदेश में केबिनेट मंत्री विजय शाह और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के अप्रिय बयानों ने बता दिया कि निम्न स्तर की राजनीति के लिए भी सेना को भी नहीं बख्शा जा रहा है। विजय शाह का मामला तो अदालत में है, लेकिन अब तक भाजपा का रवैया उन्हें बचाने वाला दिख रहा है। वहीं अशोका विश्वविद्यालय में शिक्षक अली खान महमूदाबाद ने अपनी फेसबुक पोस्ट में ऑपरेशन सिंदूर पर महिला अफसरों कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के द्वारा मीडिया ब्रीफिंग को अहम बताया था लेकिन यह भी लिखा था कि अगर यह जमीन पर हकीकत में नहीं बदला तो यह 'पाखंड' होगा। इस पोस्ट को हरियाणा के महिला आयोग ने भारतीय सेना में महिलाओं का अपमान माना और यह कहा कि इससे सांप्रदायिक विद्वेष बढ़ेगा। आयोग ने महमूदाबाद को दिए नोटिस में उनकी इस टिप्पणी को सैन्य कार्रवाइयों को बदनाम करने की कोशिश बताया था। अब हरियाणा पुलिस ने महमूदाबाद को गिरफ्तार कर लिया है। अब यह सोचने वाली बात है कि एक फेसबुक पोस्ट पर शिक्षक को गिरफ्तार किया गया, लेकिन सरकार में मंत्री पद पर बैठे लोग ऐसी कार्रवाइयों से क्यों बचे हुए हैं।

इधर पाकिस्तान से बढ़ रहे तनाव के बीच एक सनसनीखेज खबर आई कि हरियाणा की एक यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को जासूसी करने और संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बताया गया कि ज्योति पाकिस्तानी उच्चायोग के किसी कर्मी से संपर्क में थी और यह भी कि वह दो साल पहले पाकिस्तान गई थी। इस मामले की गहन और ईमानदार जांच होनी चाहिए, लेकिन सोशल मीडिया पर ज्योति के खिलाफ बयानों की भरमार हो गई है और मीडिया ने भी ज्योति के पुराने पोस्ट, ट्रैवल ब्लॉग आदि दिखाकर अपना ट्रायल शुरु कर दिया है। ऐसा ही रिया चक्रवर्ती के साथ किया गया था। खैर, ज्योति पर जासूसी का आरोप लगा है तो साथ ही उन तथ्यों की भी पड़ताल होनी चाहिए कि आखिर किसके दम पर जासूसी हो रही थी। सेना, विदेश मंत्रालय, गृहमंत्रालय, रक्षा मंत्रालय ऐसे ही महकमों में से कहीं कोई दरार बनी हुई होगी, तभी तो जासूसी का मौका बना। सत्ता प्रतिष्ठान में कौन लोग हैं जो इस किस्म की गद्दारी कर रहे हैं। पांच साल पहले पुलवामा के बाद डीसीपी देविंदर सिंह का नाम भी इसी तरह सामने आया था, फिर क्या कार्रवाई हुई, किस तरह जांच आगे बढ़ी, कुछ पता नहीं। सवाल यह भी है कि पहलगाम हमले के बाद अब जो चौकसी दिखाई जा रही है, क्या वह आगे इसी तरह कायम रहेगी, क्योंकि जासूस केवल आतंकी हमलों के वक्त नहीं बल्कि उसके पहले और बाद में भी सक्रिय रहते हैं।

विदेश जाएं मोदी का जयगान करें थरूर, मगर कांग्रेस छोड़कर!

कांग्रेस मुक्त भारत भी चाहिए और विदेशों में कांग्रेस का ऐसा सांसद भी जो वहां मोदी मोदी कर सके! कभी ऐसा ही कश्मीर में गुलाम नबी आजाद ने किया था। वहां भारत की बात करने के बदले मोदी मोदी का राग अलापा था। नहीं चल पाया। और भाजपा को फिर उनकी कोई और उपयोगिता नहीं दिखी। खतम कर दिया ऐसा कि आज जम्मू-कश्मीर में उनका कोई नाम लेने वाला भी नहीं है।

ऐसे ही इस समय शशि थरूर केरल में उपयोगी दिख रहे हैं जहां अगले साल विधानसभा चुनाव है। जहां असली लोकप्रिय मेट्रो मेन ई श्रीधरन को पिछले चुनाव में बीजेपी एक्सपोज कर चुकी है विधानसभा हरवा कर। इस बार हवा हवाई लोकप्रिय शशि थरूर की असलियत सामने ला दी जाएगी। मगर उससे पहले उनके नाम पर कांग्रेस को विचलित करने की राजनीति शुरू कर दी। कांग्रेस जो पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद से सरकार को पूरा सहयोग देती आ रही थी। कोई राजनीतिक सवाल नहीं कर रही थी उसे आरोप प्रत्यारोप की राजनीति में घसीटने के लिए भाजपा ने विदेशों में जाने वाले भारतीय सांसदों के प्रतिनिधि मंडल में अपनी तरफ से शामिल कर लिया। यह वैसा ही है जैसे एनडीए सरकार में नीतीश या चन्द्रबाबू नायडु द्वारा बनवाए गए मंत्रियों को हटाकर बीजेपी अपनी मर्जी से उनकी पार्टी के किसी को बुलाकर शपथ दिलवा दे।

घर में परिवार के मुखिया के नाम निमंत्रण जाता है। अगर एक का है तो वह डिसाइड करता है कि परिवार से कौन जाएगा। ऐसा तो आज तक नहीं सुना कि बुलाने वाला परिवार के किसी एक खास सदस्य को बुला ले। मगर मोदी अपनी इमेज बचाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने अपनी पार्टी में योग्य और प्रभावशाली लोगों को खतम कर दिया। जसवंत सिंह, यशवंत सिन्हा, अरुण शौरी, आडवानी, मुरली मनोहर जोशी और ऐसे ही तमाम राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय मामलों के जानकार लोगों को किनारे कर दिया। जाहिर है कि इस समय जब मोदी को विदेशों में अपनी इमेज बनाने की जरूरत है तब रमेश विधुड़ी, कपिल मिश्रा या निशिकांत दुबे और इन जैसे बहुत सारे लोग जो 11 सालों में बनाए हैं काम नहीं आएंगे।

उन्हें पढ़े-लिखे लोग ही चाहिए जो उन्होंने अपनी पार्टी से खतम कर दिए। प्रधानमंत्री मोदी को शायद अहसास हो गया होगा कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कैसे लोगों का प्रभाव पड़ता है। वे खुद 11 सालों में 72 देश हो आए हैं। कई देशों में कई कई बार। इसे वे खुद भी और गोदी मीडिया भी बड़ी शान से बताते थे कि फलानी जगह पहली बार फलानी जगह इतनी बार। बहुत पहले हर शहर में यह चलता था कि फलाने बाम्बे रिटर्न हैं। और वे बाम्बे अब मुम्बई की फिल्मी दुनिया से असफल वापस लौटने वाले बड़ी शान से वहां के किस्से सुनाते थे।

मगर अभी पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बाद मोदी के सारे विदेशी दौरों, संबंधों, गले मिलने, माई डियर फ्रेंड ट्रंप कहने की कलई खुल गई। एक देश भी भारत के साथ नहीं आया। क्या विदेश संबंध बनाए इन दौरों ने?

शकील अख्तर

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघ्रर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं।

हमारे स्वाभाविक मित्र पड़ोसी राज्य नेपाल और भूटान भी साथ खड़े नहीं हुए। जनता इन सब चीजों को समझ रही है। थोड़ा-थोड़ा बोल भी रही है। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी की इमेज में जबर्दस्त गिरावट आई है और फिर जब हमारी सेनाएं पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को कड़ा सबक सिखा रही थी तब अचानक किए संघर्षविराम से मोदी की छवि और गिर गई।

अब जो विदेशों में सांसदों के प्रतिनिधिमंडल भेजे जा रहे हैं तो उनका मुख्य उद्देश्य मोदी की छवि को वापस चमकाना है। और यह काम अगर कांग्रेस का एक सांसद शशि थरूर करेगा तो मोदी को लगता है कि उसका ज्यादा प्रभाव पड़ेगा।

यह समय है देश का पक्ष विदेशों में सही तौर पर रखने का। पाकिस्तान की असलियत दुनिया को दिखाने का। यह बताने का कि हमें और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं रख सकते जैसा प्रेसिडेन्ट ट्रंप ने संघ्रर्षविराम की अचानक घोषणा करते हुए किया था और उसके बाद लगातार कर रहे हैं। पाकिस्तान आतंकवाद की मदद कर रहा है। हम उसके शिकार हैं। पहलगाम में निर्दोष 26 पर्यटक मारे गए। किसी भी हालत में भारत और पाकिस्तान को समान नहीं कहा जा सकता। दुनिया को यह बताने की जरूरत है।

कांग्रेस ने इसीलिए केन्द्र सरकार द्वारा मांगे गए नामों को यह देखते हुए दिया कि कौन भारत के पक्ष को ज्यादा मजबूती के साथ रख सकता है। चार नाम मांगे थे। वह चार नाम दिए आनंद शर्मा जो विदेश राज्य मंत्री रहे। राज्य सभा के उपनेता रहे। अनुभवी। गौरव गगोई अभी लोकसभा में विपक्ष के उपनेता हैं। मुस्लिम किस तरह पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए सांसद नासिर हुसैन और इसी तरह सिख किस तरह आतंकवाद के खिलाफ है यह बताने के लिए पंजाब से लोकसभा सांसद अमरिन्दर सिंह राजा वारिंग के नाम दिए। लेकिन मोदी को वहां अपना नाम चमकाने वाला चाहिए था। अच्छी अंग्रेजी में। नहीं तो वे मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को विदेश भेज देते जो कह रहे हैं कि पूरा देश, पूरी सेना प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक है। मगर उन्हें यही बात थोड़ा इस तरीके से चाहिए कि विदेशों में यह मैसेज जाए कि भारत में एक ही नेता है मोदी और देश में यह आए कि विदेशों में तो मोदी की धूम मची हुई है यहां कौन मोदी के नेतृत्व पर सवाल खड़ा कर रहा है।

थरूर से उन्हें उम्मीदें हैं और थरूर इसे जरूर पूरा करेंगे। वहां वे मोदी के नेतृत्व के कसीदे काढ़ेंगे। थरूर को कभी भी अपने मातृ संस्थान की चिन्ता नहीं। कांग्रेस में जब आम राय से मल्लिकार्जुन खरगे को कांग्रेस उम्मीदवार के लिए खड़ा किया गया था तो शशि थरूर ने खुद को ज्यादा योग्य बताते हुए उनकी उम्मीदवारी को चैलेंज किया था। पूरा चुनाव कैमरों के सामने पूरी पारदर्शिता से हुआ। मगर फिर भी हारने के बाद थरूर ने चुनाव प्रक्रिया पर आरोप लगाए।

उसके बाद भी कांग्रेस ने उन्हें 2024 में तिरुवनन्तपुरम से फिर टिकट दिया। जिताया। मगर उसके बाद भी लगातार वे कांग्रेस के खिलाफ बोलते रहे। कई बार चेतावनियां दीं। मगर उनका मोदी प्रेम (जो वास्तव में सत्ता प्रेम है) कम नहीं हुआ और अब तो वे खुले रूप से कांग्रेस से विद्रोह करके विदेश जाने को तैयार हैं। 2009 से कांग्रेस उन्हें लगातार सांसद बना रही है। मंत्री भी बनाया। कहना तो उन्हें यह चाहिए था कि पार्टी अगर मुझे नामिनेट करेगी तब ही मैं जाऊंगा। मगर वे अपनी पार्टी जिसने उन्हें पहचान दी, उस समय मजबूती से साथ खड़ी रही जब पत्नी सुनंदा पुष्कर की मृत्यु के समय भाजपा उन पर तरह-तरह के आरोप लगा रही थी। मोदी ने 50 करोड़ की गर्लफ्रेंड कहा। हर समय साथ दिया मगर इस समय जब मोदी अपनी छवि सुधारने के लिए कांग्रेस में असंतोष बताने की कोशिश कर रहे हैं थरुर का उनके साथ जाना बहुत बड़ा विश्वासघात कहलाएगा।

हालांकि इसके लक्षण तो तभी दिख गए थे जब ये यूपीए सरकार में मंत्री थे और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने अपने सभी मंत्रियों से जहाज में बिजनेस क्लास के बदले समान्य क्षेणी में यात्रा करने के लिए बोला था। थरूर ने इसे मानने के बदले सामान्य श्रेणी को कैटल क्लास (जानवरों का बाड़ा) कहा था। आम आदमी जिसकी बात कांग्रेस करती थी उसका सबसे बड़ा मजाक, अपमान।

हमने तो उस समय भी लिखा, बाद में भी लिखते रहे कांग्रेस को अपने अंदर के ऐसे लोगों ने ही ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। मगर अब कांग्रेस बुरी स्थिति में फंस गई है। दल बदल कानून के अन्तर्गत कांग्रेस अगर उन्हें निकालती है तो उनकी संसद सदस्यता बनी रहेगी। और थरूर यही चाहते हैं।

उनमें इतनी नैतिकता नहीं है कि खुद कांग्रेस से त्यागपत्र दें (उसमें उनकी संसद सदस्यता खत्म हो जाएगी) और फिर भाजपा के टिकट से चुनाव लड़ें। लोकसभा या विधानसभा जो चाहें। करना तो उन्हें यह चाहिए। बातें तो बड़ी-बड़ी कर रहे हैं। मिसाल भी रखना चाहिए। इस्तीफा देने का साहस दिखाना चाहिए। कांग्रेस और लोकसभा सदस्यता दोनों से।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

आ रहे हैं घर सभी जद में...

भारतीय समाज में धर्म और जाति की जो महीन और अदृश्य दरारें थीं, बीते कुछ सालों में वे खाई में तब्दील हो चुकी हैं। उन्हें पाटने के उपाय अभी तक सोचे नहीं जा सके हैं और उधर नई दरारें भाषा, खान-पान और प्रांत के नाम पर पैदा करने का काम शुरू हो गया है। दो साल पहले मुंबई के एक उपनगर की बहुमंजिला इमारत में एक मराठी महिला को फ्लैट देने से मना कर दिया था, जिस पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना को दखल देना पड़ा। उस इमारत के अधिकांश रहवासी गुजराती हैं और वे नहीं चाहते थे कि कोई गैर गुजराती वहां आये। ऐसा ही मामला हाल में फिर हुआ जब मुंबई के ही एक और उपनगर में एक गुजराती शख्स ने अपने मराठी पड़ोसी के खान-पान को लेकर पूरे महाराष्ट्रीय समुदाय को गंदा कह दिया। इस पर अच्छा-खासा विवाद खड़ा हो गया, जो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के हस्तक्षेप के बाद शांत हुआ।

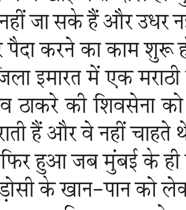

पलाश सुरजन

इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से 'अनेकता में एकता' हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की ज़रूरत होती है।

मुंबई में मराठी में ही बात करने, दुकानों-कंपनियों के बोर्ड मराठी में ही लगाने पर इस कदर ज़ोर दिया जा रहा है कि हिन्दी या किसी और भाषा में बात करने वालों के साथ बहस और मारपीट तक होने लगी है। पिछले महीने डोम्बिवली इलाके में 'एक्स्क्यूज़ मी' कहने पर दो महिलाओं को पीट दिया गया। अपने आपको मराठियों का सबसे बड़ा हितचिंतक बताने वाली शिवसेना (यूबीटी) ने मांग की कि रेस्तरां और खाने-पीने के ठियों पर पर मेन्यू कार्ड मराठी भाषा में हों तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने बैंकों में सभी डिस्प्ले बोर्ड मराठी में लगवाने और कर्मचारियों से सिर्फ मराठी बोलने के लिए दबाव बनाया और ऐसा न करने पर उन्हें अंजाम भुगतने की धमकियां दीं। एक-दो जगह तो उन पर हमले भी किये गये। इससे परेशान बैंक कर्मचारियों के संगठन ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को चिट्ठी लिखकर सुरक्षा देने की मांग की। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने पवई इलाके में एक चौकीदार को भी इसलिए मारा क्योंकि उसे मराठी नहीं आती। इसी तरह एक सुपर बाज़ार में एक ग्राहक ने वहां के कर्मचारी से मराठी में बात करने के लिए कहा। कर्मचारी के यह कहने पर कि वह केवल हिन्दी में बात कर सकता है, तो ग्राहक ने मनसे से शिकायत कर दी। इसके बाद मनसे के एक नेता ने अपने समर्थकों के साथ सुपर बाज़ार पहुंचकर कर्मचारी की पिटाई कर दी। मुंबई जैसे बहुभाषी महानगर में मराठी ही बोलने के दुराग्रह का एक और उदाहरण सामने आया है। भांडुप इलाके में एक दंपति ने पिज़्ज़ा का ऑनलाइन ऑर्डर दिया और जब डिलीवरी ब्वॉय उनके पास पहुंचा तो उन्होंने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया, कि उसे मराठी बोलना नहीं आता। डिलीवरी ब्वॉय से दंपति ने कहा कि पैसे चाहिये तो मराठी बोलनी पड़ेगी। हमारे यहां ऐसा ही है। ऐसा नहीं है कि मराठी बनाम अन्य भाषा विवाद केवल मुंबई तक सीमित है। इसी साल फरवरी में बेलगावी में लोगों ने मराठी में बात न करने पर कर्नाटक सड़क परिवहन निगम के बस कंडक्टर की पिटाई कर दी थी। इस घटना का असर महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच संचालित बस सेवा पर भी हुआ और आम यात्रियों को तकलीफ़ उठानी पड़ी। बेलगावी को लेकर कर्नाटक और महाराष्ट्र का झगड़ा कोई 6 दशक पुराना है और यह घटना जिस जगह हुई, वह महाराष्ट्र का सीमावर्ती इलाका है। इसी बेलगावी जिले के जांबोटी में मराठी न बोलने पर कर्नाटक रक्षणा वेदिके के एक नेता की भी पिटाई की गई। दूसरी तरफ कन्नड़ कट्टरपंथी भी कुछ कम नहीं निकले। बीते महीने उन्होंने बेंगलुरु में कन्नड़ न बोलने के कारण भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।

बेंगलुरु के ही एक वायरल वीडियो में कोई उत्तर भारतीय शख्स एक ऑटो रिक्शा वाले से यह कहते हुए दिखता है, कि 'अगर आप बेंगलुरु में रहना चाहते हैं तो हिन्दी में बात करें।' इस पर ऑटो चालक ने जवाब दिया कि 'आप बेंगलुरु में हैं, कन्नड़ में बात करें। मैं हिन्दी में बात नहीं करूंगा।' इस विवाद से कन्नड़ भाषियों में आक्रोश भड़का तो उस शख्स ने सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांग ली। इस महीने की शुरुआत में मालदा के 40 प्रवासी मजदूर ओडिशा से काम छोड़कर वापस आ गये। उन्होंने बताया कि संबलपुर के कुछ स्थानीय निवासियों ने उन्हें धमकाया, उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की। मज़दूरों ने आरोप लगाया कि उन पर इसलिए हमला किया गया क्योंकि 'वे बंगाल से थे।' गौरतलब है कि पिछले साल ऐसे ही मामलों को लेकर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी को फोन कर कड़ा ऐतराज़ जताया था।

प. बंगाल के निवासियों की पीड़ा यह भी है कि दूसरे प्रांतों के लोग वहां आकर उनकी संस्कृति और परंपराओं को नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं। इस प्रदेश में दुर्गा पूजा ही प्रमुख त्योहार रही है, लेकिन बीते एक दशक से रामनवमी का ज़ोर बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही सांप्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं। 'द हिन्दू' की एक ख़बर के अनुसार, शिक्षाविदों और नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने राज्य में 'हिन्दू त्योहारों को हथियार बनाने' पर सवाल उठाये हैं और चिंता जताई है। पश्चिम बंगाल में संघर्ष और सह-अस्तित्व के मुद्दों पर काम करने वाले संगठन-'आमरा एक सचेतन प्रयास' ने 2016 से 2023 की अवधि में प्रदेश में रामनवमी के दौरान पनपे सांप्रदायिक तनाव पर एक रिपोर्ट तैयार की है जिसमें आसनसोल-रानीगंज, हावड़ा और रिशरा में परस्पर टकराव की कई घटनाओं का ज़िक्र किया गया है। रिपोर्ट यह भी कहती है कि 'तृणमूल कांग्रेस ऐसे जुलूस आयोजित करने या उन्हें सहायता देने और में भाजपा और उसके हिन्दूवादी सहयोगियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही है।' महीने भर पहले दिल्ली के चितरंजन पार्क में कुछ लोगों ने एक मंदिर के बगल में मछली की बिक्री पर यह कहते हुए आपत्ति जताई थी कि इससे उनकी भावनाएं आहत हो रही हैं। इस इलाके में बड़ी संख्या में बांग्लाभाषी लोगों की रिहाइश है, वहां मछली बाज़ार होना अस्वाभाविक तो नहीं हो सकता। दूसरी बात यह कि यह बाज़ार कोई निजी नहीं, बल्कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया गया है। फिर वह मंदिर भी उसी बाज़ार के दुकानदारों का बनवाया हुआ है। साल 2023 में अहमदाबाद में पूर्वोत्तर की खाद्य सामग्री बेचने वाली एक दुकान के दो कर्मचारियों पर एक भीड़ द्वारा हमला कर दिया गया था। भीड़ का मानना था कि उस दुकान से मांसाहारी पदार्थ बेचे जाते हैं, जबकि कर्मचारियों का कहना था कि वे पूर्वोत्तर की कुछ खास किस्म की सब्जियां और चावल वगैरह ही बेचते हैं। दोनों कर्मचारी नागालैंड के मूल निवासी थे तो वहां के भाजपा अध्यक्ष और राज्य मंत्री तेमजेन इमना अलोंग ने इस घटना की निंदा की थी और निराशा भी व्यक्त की थी।

फ़िलहाल, राहत की बात है कि भारी विरोध के चलते मनसे ने अपना आंदोलन रोक दिया है। हालांकि गैर मराठीभाषी लोगों के प्रति अवमानना का उसका भाव तो खत्म होने से रहा। उधर शिवसेना (उद्धव गुट) ने भी कहा है कि वह गैर महाराष्ट्रीय लोगों को प्यार से मराठी सिखायेगी। देखना होगा कि मनसे कब तक इस मुद्दे पर शांत रहती है, मराठी सिखाने के क्या इंतज़ाम शिवसेना करती है और कितने लोग उसके प्रस्ताव को स्वीकार करते हैं। याद रहे कि हाल ही में 'संघ' के वरिष्ठ नेता भैयाजी जोशी ने कहा था कि मुंबई में रहने के लिए मराठी आना ज़रूरी नहीं है। इस बयान पर हुए विवाद के बाद उन्हें माफ़ी मांगनी पड़ी थी। कुल मिलाकर यह कहना गलत नहीं होगा कि नफ़रत और हिंसा की जो आग अल्पसंख्यकों के खिलाफ़ भड़काई गई थी, वह अब बिना भेदभाव सबको अपनी चपेट में लेने लगी है।

और इस आग में केवल कुछ बैंक कर्मचारी, डिलीवरी ब्वॉय, ऑटो चालक, बस कंडक्टर, वायुसेना के अधिकारी, मछली व्यापारी या प्रवासी मजदूर ही नहीं झुलस रहे हैं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विविधता को भारी आघात पहुंच रहा है। कई सदियों से 'अनेकता में एकता' हमारे देश की विशिष्ट पहचान रही है, उसे बनाये रखने के लिए सुविचारित दृष्टि, दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की ज़रूरत होती है। किसी प्रांत में जाकर कुछ देर के लिये वहां की वेशभूषा धारण कर लेना, लोकनर्तकों के साथ कदमताल कर लेना, भाषण में दो-चार वाक्य वहां की भाषा में बोल देना पर्याप्त नहीं है और न ही 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत', 'बंटेंगे तो कटेंगे' या 'एक हैं तो सेफ़ हैं' जैसे सियासी नारों से कुछ होना जाना है। धर्म, भाषा, खानपान और पहनावे के नाम पर अगर एकरूपता का बुलडोज़र चलाया जायेगा, तो यह देश ही नहीं बचेगा।

ललित सुरजन की कलम से

मोदीजी और उनके मंत्री

'यह स्पष्ट है कि मोदीजी ने अपने मंत्रिमंडल का गठन करते समय यथाशक्य संतुलन साधने की कोशिश की थी। एक ओर उन्होंने पार्टी के कई अनुभवी एवं वरिष्ठ सहयोगियों को सरकार में शामिल किया तो दूसरी ओर अनेक नए चेहरों को भी स्थान मिला। अनुभवहीन सदस्यों को मंत्री बनाना एक व्यवहारिक आवश्यकता भी थी क्योंकि अधिकतर सांसद पहिली बार चुनकर आए थे। सरकार में क्षेत्रीय भावनाओं का भी ध्यान रखा गया है तथा एनडीए के घटक दलों को भी आनुपातिक प्रतिनिधित्व दिया ही गया है। प्रारंभ में एक गड़बड़ी तब हुई थी जब अरुण जेटली को वित्त एवं प्रतिरक्षा दो भारी-भरकम विभाग एक साथ सौंप दिए गए थे। कालांतर में इस स्थिति को दुरुस्त करने का उपक्रम तो हुआ किंतु आभास होता है कि श्री मोदी को श्री जेटली से बढ़कर भरोसा अन्य किसी पर नहीं है। मंत्रिमंडल को अधिक पुरअसर बनाने का एक प्रयत्न बीच में हुआ जब मनोहर पार्रीकर व सुरेश प्रभु क्रमश-प्रतिरक्षा एवं रेलवे मंत्री के रूप में लाए गए। ये दोनों उज्जवल छवि के धनी रहे हैं और अभी भी उम्मीद की जाती है कि ये कसौटी पर खरे उतरेंगे।'

(देशबन्धु में 4 जून 2015 को प्रकाशित)

गुरवाणी विचार

सहस्त्र खटे लाख को उठि धावै

सुख के मांगै सभु को, दुख न मांगै कोय।
सुखै को दुख अगला मन मुख बूझ न होय।।

गुरवाणी की इन पंक्तियों द्वारा गुरदेव हमें समझा रहे हैं कि इस संसार में जो भी जीव आया है और चाहता है कि उसे सदा सुख ही सुख की प्राप्ति होती रहे पर दुख की कोई कामना नहीं करता परंतु सुख चाहने वाले को भी कई बार दुख ही दुख का सामना करना पड़ जाता है। यह देखकर भी व्यक्ति की समझ में फिर भी नहीं आता। ऐसे मनुष्य को मनमुख ही कहा जाएगा। याद रहे दुख और सुख हमें हमारे द्वारा किए गए पूर्व जनमों के कर्मों और इस जनम में किए गए कर्म के अनुसार मिलते है। सुख हमें तभी सदा प्राप्त होगा जब हम प्रभु का नाम सिमरन कर परमात्मा की प्राप्ति कर लेगें। तब हमें सदा सुघ ही सुख की प्राप्ति हो पाएगी। अगर कभी दुख भी मिलेगा तो भी प्रभु आज्ञा मान कर उस वक्त को प्रभु सिमरन में गुजारना है-

जो सुख को चाहे सदा सरण राम की लेहि।

काल और माया की अंधियारी रात में संसार में अज्ञान का घना अंधकार फैला हुआ है इसी कारण आम संसारी मनुष्यों के हृदय में अज्ञान का गहन अंधकार छाया हुआ है इसीलिए वह दुखी परेशान रहता है। चाहता तो सदा सुख ही सुख, आनंद ही आनंद मिलता रहे। सारे जीवन में उसे सदा सफलताएं ही मिलती रहे जिससे उसका जीवन सुखी रहे। वह प्रयत्न करता रहता है, काम, धंधा भी मन लगाकर करता है कि इतना तो धन अर्जित कर ले कि उसे कभी दुख न हो। इसीलिए गुरवाणी में पग पग पर समझाया गया है- बंदे खोज दिल हर रोज न फिर परेशानि माहि।

दुख की यही दशा है कारण सब सांसारिक मोह माया के जाल में फंसे हुए हैं। धन किस तरह अधिक से अधिक कमाया जाये। इसके लिए वह झूठ एवं बेईमानी ठगी का सहारा लेता रहता है। इंसान दस हजार कमाए तो लाख की इच्छा करता है फिर करोड़ों कमाने की सोचता है-

सहस्त्र खटे लाख को उठि धावै। तृपत न आवै माया पाछै पावै।।

इस तरह इंसान की तृष्णा कभी खत्म नहीं होती और वह मायावी पदार्थों में गलतान रहकर प्रभु परमात्मा को बिसार बैठा है इसीलिए दुख ही दुख पाता रहता है। याद रहे हम जो भी धन, जायदाद संचित कर रहे हैं वह हमारे साथ जाने वाला नहीं है। यह कच्चा धन है जो यहीं रह जाने वाला है यहां तक कि यह जो हमारी काया है वह भी साथ जाने वाली नहीं है जिसे हम हर वक्त सजाते रहते हैं। शरीर से जैसे ही प्राण अलग हुए इस निर्जीव शरीर को अग्नि में भेंट कर दिया जाता है या दफना दिया जाता है। साथ में हमारे वही धन जाएगा जो हमने प्रभु नाम सिमरन कर संचित किया होगा। प्रभु नाम सिमरन की कृपा से हम इस संसार में सुखपूर्वक जीवनयापन कर पाएंगे। इस तरह भवसागर से प्रभु सिमरन द्वारा प्राप्त धन अपनी जीवन नौका को सुचारू रूप से पार लगाकर प्रभु लोक में स्थान को प्राप्त कर सकेंगे। प्रभु की सांची दरगार में स्थान प्राप्त हो जाने पर फिर हमें सदा आनंद ही आनंद की प्राप्ति होती रहेगी। प्रभु का सांचा दरगाह जिसे भक्त रविदास जी ने बेगमपुर का नाम दिया है जहां पर किसी प्रकार गम की चिंता नहीं है। अत:-

हलति सुख पलति सुख सदा सिमरनो नाम हरि का लीजै सदा।

इसीलिए हर इंसान को चाहिए कि वह संसार में आकर मानव जीवन प्राप्त कर सांसारिक मोह,माया का मार्ग त्याग कर प्रभु सिमरन बंदगी में अपना मन लगा लेवें। प्रभु परमात्मा को पाने के लिए हमें कहीं वन, कंदराओं में भटकने की जरूरत नहीं है। हम गृहस्थ में रहकर हाथ-पांव से काम कर अपने परिवार का उदर पोषण भी करते रहना है और नेक कमाई से दसबंध निकाल कर दीन दुखियों की सेवा भी करनी है।

जिन खोजा तिन पाइआं गहरे पानी पैठ। मैं बपुरी खोजन गई रही किनारे बैठ।।

सारे वनस्पति में अग्नि है, दूध में घी है पर हमें जुगत लगाकर ही इसकी प्राप्ति हो पाती है उसी तरह प्रभु सिमरन भक्ति में मन लगाकर उसकी प्राप्ति करनी है तभी हमें दुखों से निजात मिल पाएगी।

सिमरो सिमर सिमर सुख पावो। कल कलेश तनि महि मिटावहो।।

-इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

आतंकवाद पर सर्वदलीय एकता की आवश्यकता

आपरेशन सिंदूर के बाद आतंकवाद पर केंद्र सरकार कोई ढील देना नहीं चाहती है। विश्व में तेजी से पैर पसार रहे आतंकवाद पर केंद्र की नीति स्पष्ट है। जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर रहे हमारे सैनिक और सरकार के हाथ मजबूत करने के लिए पाकिस्तान को बेनकाब करने की मुहिम तेज कर दी है। आतंकवाद ने नाक में दम कर दिया है। दुनिया मे गिनती के देश पाकिस्तान को आतंकवाद पर मदद के लिए आ सकते है,परन्तु 99 प्रतिशत देश आतंकवाद के खिलाफ है। निर्दोषों का लहू बहाने में पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवाद सक्रिय भूमिका में है। भारत पाकिस्तान के आतंकी जुड़ाव को प्रमाणिकता के साथ अन्य मित्र देशों के सामने रखेगा। दरअसल, ब्रिटेन और अमेरिका जाने वाले दल खुलकर आतंकवाद पर समझाइश भी देंगे। यह हमेशा बात जेहन में रखने की है कि आतंकवाद विश्व में तेजी से बढ़ रहा है। इसका खात्मा करना जरूरी है। सरकार सख्त कदम उठा रही है। कांग्रेस का सर्वदलीय बैठक बुलाने की विपक्ष की सधी हुई कूटनीति और राजनीति भी है। आतंकवाद पर सभी दलों को एकजुटता दिखानी चाहिए। इस पर बहस करना फ़िज़ूल है। आतंकवाद सामाजिक और राजनीतिक हानि का सूचक है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर का नाम सार्वजनिक होने के बाद कांग्रेस की हलचल तेज हो गई है। थरूर के नाम से कांग्रेस को न तो निगलते बन रहा है और न उगलते। सत्ता दल तुष्टिकरण का महल खड़ा कर वोटबैंक की राजनीति छोड़ कर देश को आतंकवाद के खात्मे पर ध्यान देना चाहिए। संवेदनशीलता का ध्यान रखते हुए कुवैत,अरब बहरीन व अल्जीरिया जैसे मुस्लिम देशों में भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर को प्रतिनिधित्व दिया गया है। पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकवाद पर मुस्लिम समाज और मुस्लिम देशों को कोई एतराज नहीं है। पाकिस्तान का नाम आते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने विरोध जताते हुए शशि थरूर का नाम पर एतराज जताते हुए यह कहा कि किसकी सिफारिश पर शशि थरूर का नाम लिया है। कांग्रेस ने तो सिफारिश नही की है। देश के सभी राजनैतिक दलों को एकजुट होने की आवश्यकता है आपसी मतभेद का किनारे कर, अंदरूनी दोषारोपण छोड़कर देश की स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कांग्रेस ने आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस को पूछे बिना उनकी पार्टी के नाम की घोषणा कर दी है। प्रतिपक्ष का पूरा दायित्व बनता है कि देश पर आपत्ति आने पर सरकार के हाथ मजबूत करे। सत्तापक्ष को भी विपक्षी दलों को विश्वास में लेकर आपसी सलाह से कार्य करना चाहिए। आतंकवाद को जड़ से साफ करने के लिए विश्व समुदाय को साथ में लेकर चलना ही होगा। भारत उभरती हुई शक्ति है लिहाजा,सरकार का साथ देने और आतंकवाद की कमर तोड़ने के लिए एकजुट होना होगा। ओवैसी और निशिकांत एक ही दल के हैं और विदेश में पाकिस्तान को बेनकाब करने और आतंकवाद को वैश्विक समस्या बताने के लिए विदेशी दौरा करेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए ओवैसी तैयार हैं। हमें नहीं भूलना चाहिए कि देश सबका है आतंकवादी दहशतगर्दी फैलाकर विश्व में अशांति फैलाने के लिए बेताब है। लेकिन मुट्ठी में ताकत है लिहाजा,इसे खोलने के लिए ताकत लगानी पड़ती है।

कांतिलाल मांडोत, सूरत

व्यापार से पहले देश, तुर्कीए से आने वाले फल खा रहे पशु

पाकिस्तान की मदद करने वाले तुर्कीए से नाराज फल व्यापारी संघ का निर्णय

जबलपुर, देशबन्धु। नगर के फल व्यापारियों ने अब तुर्कीए से आने वाले फलों का बहिष्कार कर दिया है, बचे मॉल को जानवरों को खिलाने का काम किया गया। यहां पर सेव एप्पल आता है, उसका पूरी तरह बहिष्कार कर दिया गया है। सरकार के निर्णय से सहमत होते हुये

तर्कीए से आने वाले फलों के अलावा अन्य तरह की सामग्री का प्रतिबंध शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में प्रतिबद्धता के साथ तुर्कीए के फलों को नहीं बेंचने का निर्णय फल व्यापारी संघ ने किया है। जबलपुर से आस पास के जिलो में थोक में फलों का व्यापार किया जाता है।

यहां यह बात ध्यान देने वाली है कि पिछले दिनों भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव पूर्ण माहौल के दौरान पाकिस्तान की मदद तुर्की ने की थी, वहां पर सैनिक साजों समान भेजकर एक तरह से भारत के खिलाफ तुर्की खड़ा हो गया था। इसका विरोध अब सड़कों पर देखने को मिलने लगा है। जबलपुर के अलावा आस-पास के जिलों में तुर्की से आने वाले फलों का बहिष्कार हर दिन बढ़ रहा है।

कृषि उपज मंडी स्थित फल व्यापारियों ने देश के साथ खड़ा होने का निर्णय करते हुये इस देश से आने वाले फलों को बेंचना बंद कर दिया है। जो फल गोदामों में हैं, उन्हें बिक्री करने के बजाय सड़क पर डालकर जानवरों को खिलाया जा रहा है। इसी से समझा जा सकता है कि देश के दुश्मन देश की मदद करने वाले तुर्कीए से सभी तरह के आर्थिक संबंध खत्म करने के लिये फल व्यापारी भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

इनका कहना है

न्यू फल व्यापारी संघ के अध्यक्ष अशरफ भाई ने कहा है कि भारत सरकार ने शानदार निर्णय लिया है, हम लोगों ने तुर्कीए से आने वाले फलों को बेंचने से मना कर दिया है, जो देश के साथ गद्दारी करेगा उसके साथ व्यापार नहीं करेंगे, उसके साथ कारोबार नहीं करेंगे, तर्कीए का मॉल किसी भी कीमत में नहीं बेचा जायेगा। यह निर्णय पूरी तरह एकजुटता के साथ लिया गया है।

न्यू फल व्यापारी संघ के सचिव राजेंद्र पटैल ने कहा कि व्यापार का बहिष्कार करते हैं, क्योंकि तुर्कीए ने जो काम किया है, वह देश के साथ दुश्मनी निभाना वाला कदम है। हम सभी के लिये पहले देश है, उसके बाद व्यापार है। इसलिये हम लोग समीपस्थ दुकानदारों तक इसी तरह का संदेश दे पहुंचा रहे हैं।

केंद्रीय जीएसटी आयुक्तालय, द्वारा साइकिल मैराथन का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। केंद्रीय जीएसटी आयुक्तालय, जबलपुर द्वारा स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई), एसटीसी जबलपुर के सहयोग से एक सफल साइकिल मैराथन (साइक्लोथॉन) का आयोजन किया गया। यह आयोजन फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत संपन्न हुआ।

कार्यक्रम जीएसटी भवन, जबलपुर में आयोजित किया गया, जिसमें व्यापार समुदाय, टैक्स बार एसोसिएशन, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, जीएसटी अधिकारियों, तथा एसएआई अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस साइक्लोथॉन का उद्देश्य था स्वस्थ, सक्रिय और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना, साथ ही भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के आठ वर्षों की सफलता का उत्सव मनाना। जीएसटी भारत की कर प्रणाली में एक ऐतिहासिक सुधार रहा है, जिसने विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत कर, पारदर्शिता, सरलता, और प्रभावशीलता को बढ़ावा दिया है।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6 बजे हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने फिट इंडिया पोर्टल पर पंजीकरण किया और साइक्लोथॉन के लिए एकत्रित हुए। वातावरण में जोश, ऊर्जा और एकता का संचार था, जिसमें प्रतिभागियों ने फिटनेस और राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। कार्यक्रम में कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।

जबलपुर, देशबन्धु। मेडीकल सुपरस्पेशलिटी का नाब की टीम ने निरीक्षण किया, जिसमें डा. मीरा एस आचरेकर मुंबई, डा. अशोक कुमार राणा, डा. मनीष कुमार न्यू दिल्ली रहे। इस दौरान डीन डा. नवनीत सक्सेना, डा. अवधेश प्रताप सिह, डॉ. अरविंद शर्मा, डॉ. जितेन्द्र गुप्ता, डॉ. रश्मि परिहार मौजूद थे।

भारत सरकार की तरफ से पैरवी करेंगे अधिवक्ता आशीष पाण्डेय

जबलपुर, देशबन्धु। भारत सरकार ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर में अपनी तरफ से पैरवी करने के लिए आशीष पाण्डेय को अधिवक्ता नियुक्त किया है। पांडे को शुभचिंतकों ने बधाई प्रेषित की है।

मूक पशु-पक्षी की सेवा करना हमारा कर्तव्य - अशोक रोहाणी

जबलपुर, देशबन्धु। केंट विधायक अशोक रोहाणी ने रांझी में मूक पशु-पक्षी हेतु पीने के पानी हेतु नाद एवं पक्षी के पानी एवं अन्न हेतु सकोरा एवं पक्षियों के भोजन हेतु भोजन पात्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर श्री रोहाणी ने कहा कि मूक पशु-पक्षियों की सेवा करना हमारा दायित्व है, मूक पशु-पक्षी जो बोल नहीं सकते, हमारा कर्तव्य है कि हम उनके भोजन एवं पानी की व्यवस्था करें। सकोरा भोजन पात्र एवं नाद उपलब्ध कराने हेतु परसराम मूलचंदानी एवं सचिन जैन सहारा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

यह कार्य करने के लिए मुख्य रूप से सचिन जैन सहारा, परसराम मूलचंदानी, श्रीमती संतोषी ठाकुर, पुष्पराज सिंह, कैलाश रजक हेमराज सराठे, सुधीर बेन, आलोक मित्रा, बबलू लालपुरी, श्रीमती निशा, राजेश श्रीवास्तव एवं अन्य का सहयोग रहा।

अधिवक्ताओं ने देवड़ा को ज्ञापन सौंपा

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश शासन के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से अधिवक्ता सुदीप सिंह सैनी (सदस्य, जिला अधिवक्ता संघ कार्यकारिणी) एवं साथी अधिवक्तागण अंकित यादव, आनंद मोहन चौधरी, रूप सिंह परमार, परमिंदर लंबा, सुनील जयसवाल, प्रतीक सैनी, स्वप्निल यादव, प्रवीण सेन तथा राहुल देव बर्मन द्वारा शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर पुष्पगुच्छ एवं शॉल भेंट कर उप मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया गया। भेंट के दौरान अधिवक्ताओं की सुरक्षा हेतु एडवोकेट प्रोटेक्शन बिल के शीघ्र क्रियान्वयन तथा अधिवक्ताओं को पांच लाख तक के नि:शुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान किए जाने एवं ऐडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट मध्यप्रदेश को शीघ्र लागू करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया। उप मुख्यमंत्री जी ने उक्त प्रस्तावों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

वहीं दूसरी तरफ़ प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर में निलेश यादव को अतिरिक्त महाधिवक्ता बनाए जाने पर अधिवक्ता सुदीप सिंह सैनी (जिला अधिवक्ता संघ कार्यकारिणी सदस्य), एडवोकेट प्रभात यादव,गुरप्रीत सिंह जी एडवोकेट,परमिंदर सिंह लांबा एडवोकेट, हिमांशु सोनकर अधिवक्ता द्वारा पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य एवं सफल कार्यकाल की ईश्वर से कामना की।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर भाजपा करेगी ऐतिहासिक आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 जयंती के उपलक्ष्य में उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जन जन तक पहुंचाने हेतु 21 मई से 31 मई तक श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे इस हेतु एक अतिमहत्वपूर्ण बैठक भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने बताया लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की 300वीं जयंती भाजपा मनाने जा रही है जिसमें 21 मई से महिला प्रतिनिधि सम्मेलन के कार्यक्रम प्रारंभ होंगे जो उनकी जयंती 31 मई तक आयोजित होंगे, 22 मई को रंगोली प्रतियोगिता, कवि सम्मेलन, बुद्धिजीवी सम्मेलन, महिला मैराथन,देवी अहिल्याबाई होलकर कृतित्व पर संगोष्ठी का आयोजन होगा, 27 मई को बालिका

21 मई से 31 मई तक होंगे विभिन्न श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम

सम्मान एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, 28 मई को मंदिर मठ एवं घाटों के सफाई अभियान, 29 मई को नृत्य नाटिका, 30 मई को भाषण प्रतियोगिता एवं 31 मई को देवी अहिल्या बाई जयंती के दिन शौर्य यात्रा आयोजित की जाएगी।

बैठक को राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि ने संबोधित किया।

इनकी रही उपस्थिति-बैठक में प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, जीएस ठाकुर, सदानंद गोडबोले, महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव, राममूर्ति मिश्रा, रूपा राव मंचासीन थे।

देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर आयोजित 10 दिवसीय कार्यक्रम की तैयारी हेतु बैठक में प्रत्येक कार्यक्रम के प्रभारी, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे।

महाकौशल रीजनल क्रिकेट एसोसिएशन को मध्य प्रदेश क्रिकेट बोर्ड की मान्यता मिली

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर, सचिव संजीव राव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित पंडित साथ ही एमपीसीए के पदाधिकारियों, सदस्यों का आभार जताया गया। रविवार को महाकोशल क्रिकेट एसो. के पदाधिकारियों ने पत्रकार वार्ता में जरूरी जानकारी दी।

राजर्षि परमानदं भाई- चंदू सरवटे को समर्पित-बताया गया कि भारतीय क्रिकेट के गौरव स्वर्गीय चंदू सरवटे मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मंत्री पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी स्व. राजर्षि परमानंद भाई पटेल को समर्पित करते हैं, जबलपुर की धरती में विदेशी टीम वेस्ट इंडीज का पहला मैच स्वर्गीय परमानंद भाई पटेल के प्रयास से ही संभव हुआ था, महाकौशल रीजन क्रिकेट एसोसिएशन, जिसका प्रमुख उद्देश्य जबलपुर संभाग में उपलब्ध प्रतिभावान क्रिकेट खिलाड़ियों को प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है, संगठन मध्य प्रदेश फर्म्स एवं सोसाइटी एक्ट 1973 के प्रावधानों के तहत पंजीकृत है, कि जबलपुर संभाग में प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट टैलेंट मौजूद है, अपनी प्रतिभा का पूर्ण इस्तेमाल कर प्रदेश एवं देश के क्रिकेट क्षितिज में अपना, प्रदेश और संभाग का नाम रोशन कर सके, एमपीसीए ने भी उस संस्था की संबद्धता समाप्त कर दी थी और संभाग में क्रिकेट गतिविधियों का संचालन करने के लिए एक पैनल का गठन किया था। इस स्थिति को देखते हुए हमारी संस्था ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन में आवेदन देकर यह अनुरोध किया था कि हमें संभाग में क्रिकेट गतिविधियों के संचालन की जिम्मेदारी दी जाए।

पुरूष-महिलाओं के लिये चयन समिति बनेगी- आवेदन को स्वीकार कर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने 30 अप्रैल 2025 को महाकौशल रीजन क्रिकेट एसोसिएशन को संबद्धता प्रदान की है, इस हेतु महाकौशल क्रिकेट एसोसिएशन अगले क्रिकेट सत्र के पहले सीनियर जूनियर स्तर पर चयन समिति का निर्माण करेगा जिसमें पुरुष और महिलाओं के लिए चयन समिति होंगी, संगठन के अध्यक्ष सिद्धार्थ पटेल, सचिव सुरेश वर्मा एवं सह सचिव अचल सिंह गौर ने बताया कि अगले सत्र के पूर्व संगठन को क्लब एवं जिला स्तर पर विस्तारित कर लिया जाएगा।

ग्लोबल यूथ फेस्ट 2.0 के अंतिम दिन युवाओं ने मचाई धूम

जबलपुर, देशबन्धु। यूथ फेस्ट 2.0 के अंतिम दिन रविवार को ग्लोबल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कालेज के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। विद्यार्थियों की प्रतिभा का प्रदर्शन देख दर्शक भी उत्साह और उमंग से झूम उठे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान की स्तुति से की गई। रैम्प वॉक में इंडो-वेस्टर्न लुक देखने को मिला, जिसमें कई कैटेगरी में पुरस्कार दिए गए। जिसमें बेस्ट स्माइल, बेस्ट वॉक, बेस्ट कॉस्ट्यूम, मिस्टर और मिस ग्लोबल का पुरस्कार प्रतिभागियों ने अपने नाम किया। शाम का मुख्य आकर्षण शावा शावा बैंड और डीजे रहा, जिसने कार्यक्रम में शमा बांध दिया। बैंड और डीजे की धुन पर विद्यार्थी झूम उठे और खूब ठुमके लगाए। दर्शक भी झूमते, नाचने नजर आए। विभिन्न स्पर्धाओं में विजयी प्रतिभागियों को चेयरमैन सौरभ बड़ेरिया, संस्थापक शंभू दयाल बड़ेरिया, श्रीमती आशा बड़ेरिया द्वारा सम्मानित किया गया। तीन दिवसीय यूथ फेस्ट में संस्था के निदेशक डॉ. राजीव खत्री, रजिस्ट्रार प्रो. पूर्णानंद दुबे, एचआर हेड डॉ. निहारिका यादव, प्रो. वंदना पाठक, डॉ. प्रतीक मिश्रा, डॉ. सुनील पटेल, प्रो. मनीष तिवारी आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तीन दिवसीय आयोजन ने छोड़ी अमिट छाप

तीन दिवसीय ग्लोबल यूथ फेस्ट ने युवाओं और दर्शकों पर अमिट छाप छोड़ी। कार्यकम स्थल पर मौजूद हजारों युवाओं ने कहा कि अगले वर्ष ग्लोबल यूथ फेस्ट का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

शावा-शावा बैंड के कलाकारों ने मन मोहा

ग्लोबल यूथ फेस्ट 2.0 के समापन पर शावा शावा बैंड के कलाकारों ने थिरकने पर मजबूर कर दिया। बैंड ग्रुप के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक धुन बजाई। डीजे की प्रस्तुति पर हर आयु वर्ग के लोग झूमते, नाचते रहे। तीन दिन चले यूथ फेस्ट में कला के हर रंग देखने मिले। पहले दिन शुक्रवार को युवाओं ने ग्रुप डांस, फैशन शो में बॉलीवुड का तड़का लगाया और तकनीकी खेलों में दिमागी कसरत की। वहीं दूसरे दिन शनिवार को धर्म, संस्कृति और देशभक्ति की अलख जगाई। तीसरा दिन यानि रविवार जोश-जुनून से सराबोर संगीत का रहा।

विजयी प्रतिभागी

मिस्टर ग्लोबल - तनय कोचर
मिस ग्लोबल - आरची यादव
मिस्टर ईव - जाग्रत बेलवंशी
मिस ईव - राशि यादव
बेस्ट वॉक - सिद्धांत यागिनक
बेस्ट वॉक - शिल्पी चक्रवर्ती
बेस्ट कास्ट्यूम - परा खान
बेस्ट कास्ट्यूम-रिमझिम गुप्ता
मिस्टर टैलेंटेड - सुजल थापा
मिस्टर टैलेंटेड - जिया साहू
बेस्ट स्माइल - साहिल
बेस्ट स्माइल - चैतन्य सिंहा
मिस्टर फोटोजेनिक-सुवीन जैन
मिस फोटोजेनिक - अनुश्री

राज्य स्तरीय ओपन स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनक्लाइन चयन ट्राइल 25 मई को

जबलपुर, देशबन्धु। स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एसोसिएशन एवं नेताजी सुभाष क्लब के तत्वाधान में 25 मई को मप्र स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग एवं इनकलाइन बैंच प्रेस ओपन चयन ट्राइल प्रतियोगिता ओम सांई बारात घर, सैनिक सोसायटी मदन महल जबलपुर में आयोजित की जाएगी। स्ट्रेंग्थ लिफ्टिंग संघ के सचिव श्रीमती सावित्री यादव ने बताया कि इस ओपन चयन ट्राइल प्रतियोगिता में स ब जूनियर जूनियर, सीनियर, मास्टर एवं डिसेबिल्ड महिला एवं पुरुष खिलाड़ी हिस्सा ले सकते हैं। उन्हें अपना रजिस्ट्रेशन 22 मई 2025 तक एवं अपना आयु प्रमाण पत्र आधार कार्ड लाना अनिवार्य है। चयनित खिलाड़ी नागपुर में 7 से 9 जून तक होने वाली वेस्ट जोन नेशनल चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे।

प्रदेश संघ के सभी एफिलेटिड यूनिट को सूचित किया जा चुका है। चयन ट्राइल वजन ग्रुप के अनुसार होगी। जबलपुर के खिलाड़ियों का वजन गोल्ड जिम कटंगा में शाम 6 बजे से 8 बजे तक 22 मई 2025 को लिया जाएगा जानकारी हेतु आयोजक सचिव हर्ष गोस्वामी मो नं.9111341510 मोहम्मद नाईस खान मो न.9300657700 से संपर्क कर सकते है।

चेक बाउंस मामले में 6 माह का कारावास

जबलपुर, देशबन्धु। जमीन के सौदे में पैसा लेने के बाद सौदा रद्द होने पर पैसा वापस करने की स्थिति में अभियुक्त सत्येंद्र विश्वकर्मा द्वारा चेक जारी किया गया था, जो कि बाउंस हो गया, अभियुक्त सत्येंद्र विश्वकर्मा व उसके पिता अभियुक्त मदन विश्वकर्मा के विरुद्ध परिवादी रविंद्र कुमार मेहता द्वारा चेक बाउंस का केस सन 2022 में दायर किया गया था।

जिसके पश्चात अभियुक्तगण के विरुद्ध राखी साहू न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जबलपुर म.प्र. के द्वारा अंतिम आदेश दिनांक 13.05.2025 को पारित किया गया जिसमें अभियुक्त मदन विश्वकर्मा का चेक न होने के कारण उसे दोषमुक्त किया और अभियुक्त सत्येंद्र विश्वकर्मा को 06 माह के कारावास के साथ 5,90,000/- (पांच लाख नब्बे हजार रुपये) का प्रतिकर परिवादी को अदा करने का आदेश पारित किया गया तथा प्रतिकर अदा करने के व्यतिक्रम में अभियुक्त को तीन माह का पृथक से कारावास भुगतने का आदेश पारित किया गया।

परिवादी कि ओर से विशेष तर्क के साथ अधिवक्ता शिवम गुप्ता, अधिवक्ता ए.के.भगत एवं अन्य ने पैरवी कि है।

छायाचित्र प्रदर्शनी 22 मई तक नि:शुल्क:

जबलपुर, देशबन्धु। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय म.प्र भोपाल के तत्वावधान में आज 18 मई 2025 विश्व संग्रहालय दिवस मनाया गया। इस उपलक्ष्य में %कृषि संस्कृति में बलराम विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का उदघाटन कुलगुरू रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय श्री राजेश वर्मा द्वारा प्रातः 11:00 बजे कला वीथिका रानी दुर्गावती संग्रहालय जबलपुर में किया गया। उपसंचालक, पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय ने बताया कि छायाचित्र प्रदर्शनी आज से 22 मई तक प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक आम दर्शको के लिये नि:शुल्क रहेगी।

महात्मा ज्योतिराव फुले एवं सावित्रीबाई फुले के जीवन पर फिल्म का प्रदर्शन

जबलपुर, देशबन्धु। यह फिल्म सामाजिक समरसता, शिक्षा, और समानता के मूल्यों पर आधारित है, जो कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों के अनुरूप है। इस विशेष प्रदर्शन का उद्देश्य कांग्रेसज द्वारा आम जनमानस को समाज सुधारकों के विचारों से प्रेरित करना है। शो टाइम 22 मई शाम 4.00 से 6.30 बजे तक समदड़िया मॉल, सिविक सेंटर में किया जायेगा। उक्त जानकारी कांग्रेस के शहर जिला अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने दी।

सी रॉक होटल में संत रामपाल जी महाराज का सत्संग आयोजित

भक्तों ने सुना संत रामपाल जी महाराज का प्रेरणादायक सत्संग

जबलपुर, देशबन्धु। रॉक होटल में संत रामपाल जी महाराज जी का अनमोल सत्संग आयोजित किया गया जिसमें शामिल हुए तीन तहसीलों के अनुयायी सभी भक्तजनों ने पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ सुना सत्संग। संत रामपाल जी ने सत्संग में वेदों में वर्णित राम और दशरथ पुत्र राम में अंतर स्पष्ट किया।

महाराज जी ने स्पष्ट किया कि ब्रह्मा जी स्वयं इस बात से अपरिचित है कि उनकी उत्पत्ति कैसे हुई? वह विष्णु जी को सारी सृष्टि की उत्पत्ति करता मानते थे। उन्होंने देखा कि देवेश्वर होते हुए भी वह विष्णु जी हमेशा ध्यान में बैठे रहते थे, यही सवाल ब्रह्मा जी ने विष्णु जी से किया तब विष्णु जी ने बताया कि वे देवी दुर्गा जी का ध्यान करते हैं अर्थात इससे स्पष्ट होता है कि तीनों देवता (रजोगुण)ब्रह्मा,(सतोगुण) विष्णु तथा (तमोगुण) शिव जी पूर्ण परमात्मा नहीं है इनकी भी जन्म मृत्यु होती है श्री देवी दुर्गा जी कहतीं है कि परमात्मा कोई और है जिसका मंत्र? है। संत रामपाल जी महाराज जी ने श्री देवी महापुराण के सातवें स्कंध से प्रमाणित किया कि देवी दुर्गा जी भी पूर्ण परमात्मा नहीं है पूर्ण परमात्मा कोई और है महाराज जी ने यह भी प्रमाणित किया किया की गीता अध्याय 8 श्लोक 13 से गीता ज्ञान दाता स्वयं कहते हैं कि नाम का जाप करने से ब्रह्म लोग प्राप्त होता है और ब्रह्म लोक में गए हुए प्राणी भी पुनरावृत्ति में आते हैं अर्थात इससे भी पूर्ण मोक्ष संभव नहीं है।

गीता ज्ञान दाता ब्रह्म ने गीता अध्याय 18 शोक 62 से 66 में अपने से अन्य समर्थ सच्चिदानंद घन ब्रह्म यानी परम अक्षर ब्रह्म की शरण में जाने को कहा है तथा गीता अध्याय 17 शोक 23 में उसकी भक्ति साधना का नाम ? तत सत मंत्र बताया है। सत्संग में संत रामपाल जी महाराज परमात्मा कबीर साहिब जी हैं।

सत्संग में आए श्रद्धालुओं के लिए की गई नि शुल्क एक दिवसीय नामदीक्षा के साथ-साथ चाय बिस्कुट की व्यवस्था। सत्संग के दौरान दिल्ली (बदरपुर) के रहने वाले कीचम जी ने बताया कि अपने जीवन में उन्होंने सभी देवी देवताओं की बहुत भक्ति की फिर भी उन्हें कोई लाभ नहीं मिला।

उन्हें एक दिन उनके पड़ोसी द्वारा एक ज्ञान गंगा पुस्तक प्राप्त हुई जिसे पढ़ने के पश्चात उन्होंने संत रामपाल जी महाराज जी से नाम दीक्षा प्राप्त की और सत्य भक्ति में लग गए। वे नशे की लत से अत्यधिक व्यथित थे।

संघ भक्ति करने की पश्चात उनके नशे की लत के छुटने के साथ उन्हें नशे से नफरत भी हो गई जब उनसे इसका कारण पूछा गया तो उन्होंने बताया कि संत रामपाल जी महाराज द्वारा जो मंत्र हमें दिए जाते हैं उनमें इतनी शक्ति होती है कि हम सभी बुराई को त्याग देते हैं इसके पश्चात हम एक अच्छा मानव जीवन जीते हैं और मोक्ष प्राप्त करते हैं ।

हितकारिणी विद्या परिषद द्वारा 15 दिवसीय समर कैंप का समापन

जबलपुर, देशबन्धु। हमारे जीवन में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रत्येक खेल बच्चों में अनुशासन, टीमवर्क और आत्मविश्वास के गुण सिखाते हैं, जो जीवन के हर चरण में सफलता के द्वार खोलते हैं, इसलिए प्रत्येक बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ खेलों में भी भाग लेना चाहिए ताकि वे एक स्वस्थ, संतुलित और खुशहाल जीवन जी सकें। उक्त बांतें हितकारिणी सभा विद्या परिषद के तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि रादुविवि के कुलगुरू राजेश वर्मा ने बच्चों से कही। विशिष्ट अतिथि हितकारिणी सभा की उप सभापति सुनयना पटेरिया ने कहा कि खेलों में हार जीत का अनुभव बच्चों को मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। हारने पर बच्चे सीखते हैं कि उन्हें निराश नहीं होना है और इसे चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। खेल बच्चों में आत्म विश्वास पैदा करते हैं। इससे पहले अतिथियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर क्रॉस कंट्री रेस का शुभारंभ किया गया।

जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। शहर श्रीधाम जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक में श्रीमद् भागवत कथा दिव्य धाम कोनी से पधारे आत्मपुरोहित श्री दत्त जी महाराज द्वारा श्रीमद भागवत में कथा में बताया कालिया नाग को कंस ने यमुना में भेज दिया। इसके जहर से यमुना का जल काला पड़ गया। इस जल को पीने से पशु पक्षी और लोग मरने लगे। नंदगांव के लोग सोचने लगे कि अब गांव छोड़कर कहीं और बसना पड़ेगा लेकिन श्री कृष्ण को ऐसा होना मंजूर नहीं था। एक दिन खेल खेल में श्री कृष्ण यमुना नदी में कूद पड़े और पहुंच गए कालिया नाग के सामने। कालिया का वध कृष्ण करने ही वाले थे कि नाग कन्याएं प्राण की रक्षा की प्रार्थना करने लगी। श्री कृष्ण ने कालिया को नंद गांव से दूर जाने के लिए कह कर माफ कर दरिया। कालिया ने श्री कृष्ण के सामने सिर झुका दिया और श्री कृष्ण ने कालिया के फन पर खड़े होकर नटराज के रूप में नृत्य करना शुरू कर दिया। नंद गांव के लोगों ने जब इस दृश्य को देखा तो हैरान रह गए और उन्हें विश्वास होने लगा कि श्री कृष्ण महामानव हैं श्रीधाम जगदीश मंदिर प्रांगण में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे इस अवसर पर डॉ विजयकांत तिवारी कमिश्नर भारत स्काउट एंड गाइड्स सोनल तिवारी समाजसेवी प्रदेश संरक्षक महिला प्रकोष्ठ परसराम उपाध्याय गौ रक्षक गोचर विकास समिति अध्यक्ष ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल विपिन मिश्रा राजकुमार साहू तेज कुमार मोड प्रबंधक मोहित तिवारी नितिन चौबे पंडित मनमोहन दुबे श्याम मनोहर छन्नू राम पटेल देवव्रत सोनी पटेल मनोज गुलाबवानी सुरेश विश्वकर्मा पुजारी देवेंद्र त्रिपाठी अमित दुबे विशाल पंड्या श्रवण दुबे इंद्र कुमार तिवारी आदि उपस्थित रहे।

18 मई को मेहरा समाज सम्मेलन हेतु बैठक सम्पन्न

जबलपुर, देशबन्धु। मेहरा समाज के सभी उपवर्गों का मेहरा सामूहिक आदर्श विवाह सम्मेलन एवं सम्मान समारोह दिनांक 08 जून 2025 को मानस भवन जबलपुर में आयोजित किया जा रहा है। तत्संबंध में विशेष बैठक (संगोष्ठी) का आयोजन 18 मई को इंडियन कॉफी हाउस पुलिस कन्ट्रोल रूम के बाजू में, घंटाघर जबलपुर में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक जमना प्रसाद मेहरा (वरिष्ठ समाज सेवी) की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का संचालन इंजीनियर भूपेन्द्र मेहरा (राष्ट्रीय सचिव एवं कार्यक्रम संयोजक) किया गया।

बैठक में मेहरा समाज के विभिन्न उपवर्ग (झारिया, डेहरिया, मेहर- गढ़वाल, शाहपुरिया, पठारिया, महोबिया, नुन्हारिया के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारीगण, सदस्यगण एवं सामाजिकजन अधिक से अधिक संख्या में विभिन्न जिलों एवं क्षेत्रों से सम्मिलित हुए। बैठक में सर्वसम्मति से अमित मेहरा (अध्यक्ष-अजॉक्स) को अखिल भारतीय मेहरा (झारिया) समाज विकास संघ का राष्ट्रीय अध्यक्ष-युवा प्रकोष्ठ मनोनीत किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से सी.एल. झारिया (अध्यक्ष- जिला जबलपुर), एड. कंचन सिंह मेहरा, तेजीलाल झारिया, आर.डी. मेहरा, रामदीन पठारिया, बेनी प्रसाद झारिया, लालीबाई झारिया, डॉ. बलराम झारिया, विपतराम झारिया, राजकुमार मेहरा, बालकृष्ण झारिया, रामेश्वर मेहरा, राजेश मेहरा, संतोष मेहरा, हरी मेहरा (पत्रकार) आदि की उपस्थिति रहीं।

गंभीर बीमारियों से ग्रस्त और सेवानिवृत्ति के क़रीब शिक्षकों को अतिशेष प्रक्रिया से मुक्त रखा जाए

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन और प्रांतीय सचिव राजेश सहारिया ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया की शिक्षा विभाग में अतिशेष के नाम पर पूरे प्रदेश में शिक्षकों को कम दर्ज संख्या वाले स्कूलों से अलग करके दूसरे स्कूलों में पदस्थ किया जाना है, ऐसे में जो शिक्षक गंभीर बीमारियों से ग्रसित है जैसे कैंसर की बीमारी, हृदय रोग, शुगर की बीमारी, किडनी की बीमारी, डायलेसिस की बीमारी, किसी भी प्रकार की विकलांगता और जिन शिक्षकों को सेवानिवृत्ति के एक से डेढ़ साल बचे है उन्हें अतिशेष प्रक्रिया से दूर रखा जाना चाहिए। वैसे भी ज्यादा शिक्षकों को अतिशेष करने से उन शालाओं की शैक्षणिक व्यवस्था डगमगा जाती है जिससे अध्यापन कार्य प्रभावित होता है और छात्र छात्राओं का नुक़सान होता है, क्योंकि अतिशेष की प्रक्रिया से शिक्षकों को हटाया जाना जितना आसान होता है, उतना ही कठिन विषयवार शिक्षकों का मिलना होता है। अत: जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन मुख्य मंत्री से मांग करता है की गंभीर बीमारियों और सेवानिवृत्ति के क़रीब शिक्षकों को न केवल अतिशेष प्रक्रिया से मुक्त रखा जाना चाहिए।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्रीमती हीराबाई ओझा- रेतनाका गौरीघाट रोड निवासी श्री शिव शंकर ओझा की धर्मपत्नी श्रीमती हीराबाई ओझा (98) का निधन हो गया है अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती मीनाक्षी यादव- उड़िया मोहल्ला छोटी ओमती निवासी श्री प्रवेंद्र यादव की धर्मपत्नी श्रीमती मीनाक्षी यादव का निधन हो गया है। अंतिम संस्कार करिया पाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री आनंद कुमार सालवार- प्रेस्टीज होम साउथ सिविल लाइन निवासी श्री आनंद कुमार सालवार (73) का निधन हो गया है अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मालती लोधी- नई बस्ती सुभाष नगर रांझी निवासी श्री रघुवेंद्र सिंह लोधी की धर्मपत्नी श्रीमती मालती लोधी (65) का निधन हो गया है। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोनाबाई चौधरी- रविदास नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री शंभू चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती सोनाबाई चौधरी (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुधा मिश्रा- घमापुर चौक निवासी श्री सदानंद मिश्रा की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा मिश्रा (66) का देहांत हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती नन्ही बाई बेन- भानतलैया मरही माता मंदिर के पास निवासी श्री छोटेलाल बेन की धर्मपत्नी श्रीमती नन्ही बाई बेन (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विजयलक्ष्मी गुप्ता- सरस्वती कॉलोनी चेरीताल निवासी श्री प्रेम शंकर गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती विजयलक्ष्मी गुप्ता (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरी,घाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती छोटी बाई दहिया- बड़ी संतोषी माता मंदिर के पास सेठ गोविंद दास वार्ड निवासी श्री श्याम लाल दहिया की धर्मपत्नी श्रीमती छोटी बाई दाहिया (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती मुन्नी बाई रैकवार- लटकारी का पड़ाव निवाडगंज निवासी श्री कोमल प्रसाद रैकवार की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई रैकवार (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती शकुन बाई चौहान- सेठ गोविंददास वार्ड वाल्मीक मोहल्ला निवासी श्री रोशन लाल चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती शकुन बाई चौहान का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री विक्रम माहुले- घमापुर चौक के पास निवासी श्री विक्रम माहुले (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ ।

श्री ईश्वर सिंह ठाकुर- नरबद तेली का बड़ा शीतलामाई सरकारी कुआं रोड निवासी श्री ईश्वर सिंह ठाकुर (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती जानकी बाई विनोदिया- साउथ सिविल लाइन साईं मंदिर के पास निवासी श्री रूपचंद विनोदिया की धर्मपत्नी श्रीमती जानकी बाई विनोदिया (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती द्रोपती बाई झरिया- धोबीघाट वॉटर वर्क्स रोड कजरवारा निवासी श्री मटरू लाल झरिया की धर्मपत्नी श्रीमती द्रोपती बाई झरिया (85) का निधन हो गया।अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती बुद्धिमति गुप्ता- मदनमहल निवासी श्री कौशल किशोर गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती बुद्धिमति गुप्ता (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री देवदत्त यादव- चंदन कॉलोनी गंगानगर गढ़ा निवासी श्री देवदत्त यादव (90) का निधन हो गया है। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

दैनिक राशिफल

रविवार 18 मई 2025 का पंचांग विक्रम संवत् 2082, शक संवत 1947 हिजरी 1446। जेष्ठ कृष्ण पक्ष की पष्ठी, नक्षत्र- उ.षा.।

मेष आर्थिक और व्यावसायिक दृष्टि से आज का दिन लाभदायक रहेगा। लंबे समय का आर्थिक आयोजन पूरा कर सकेंगे।

वृषभ परिश्रम की अपेक्षा कम परिणाम मिलने पर भी आप निष्ठापूर्वक काम को आगे बढ़ाएंगे। आपके क्षेत्र की विशालता और वाणी की मधुरता अन्य लोगों को प्रभावित करेगी।

मिथुन महत्वपूर्ण निर्णय लेने में कठिनाई महसूस करेंगे। घर में माता और स्त्री वर्ग के लिए आप अधिक भावनाशील बन जाएंगे। तनाव महसूस कर सकते हैं।

कर्क आज का दिन नए काम की शुरुआत या सफलता के लिए अच्छा रहेगा। मित्रों और स्वजनों से मिलकर आप खुशी अनुभव करेंगे। किसी यात्रा की संभावना है।

सिंह परिवार के सदस्यों के साथ सुख-शांति में दिन व्यतीत होगा। उनका सहयोग मिलेगा। महिला मित्रों की विशेष मदद मिलेगी। अपनी प्रभावकारी वाणी से अन्य लोगों का ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

कन्या अपने समृद्ध विचार और बोली से आज आपको लाभ होगा। किसी के साथ नए संबंध में जुड़ सकते हैं। आज का दिन व्यापार की दृष्टि से लाभदायक रहने की संभावना है।

तुला आज के दिन ज़रा सा भी असंयमित और अनैतिक व्यवहार आपको तकलीफ में डाल सकते हैं। दुर्घटना से बचें।

वृश्चिक घर परिवार के साथ आपको आनंद और संतोष की अनुभूति होगी। पत्नी और पुत्र की तरफ से अच्छे समाचार मिलेंगे। शुभ कार्य में भाग ले सकेंगे।

धनु काम में सफलता का दिन है। नए काम की शुरुआत कर सकेंगे। व्यापारी अपने बिजनेस का आयोजन और विस्तार अच्छी तरह कर सकेंगे। नौकरी में उच्च पदाधिकारी आपकी पदोन्नति के लिए विचार करेंगे।

मकर आप अपने व्यापार के लिए नई शैली से काम करेंगे। लेखन और साहित्य संबंधी काम को आगे बढ़ा सकते हैं। शारीरिक थकावट और भय की अनुभूति होगी।

कुंभ आपके मन में नकारात्मक विचार उत्पन्न हो सकते हैं। आपके मन में क्रोध और दु:ख की भावना हो सकती है।

मीन भाग्य का साथ होने के आज का दिन अच्छी तरह व्यतीत होगा। बिजनेस में भागीदारी करनी हो तो समय अनुकूल है। जीवनसाथी के साथ निकटता का अनभव होगा।

म. 233-229

4,5,7,9-04,25,67,89,43,53,71,95

चलित प्रसादम सेवा के आज 5105 दिन पूरे

जबलपुर, देशबन्धु। 14 साल पहले 4 अप्रैल 2011 हिंदू नव वर्ष पर जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट की योजना से हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट के संस्थापक स्वामी रामचंद्रदास जी महाराज के सानिध्य में 200 से 300 लोगों का प्रतिदिन चलित प्रसादम सेवा के नाम से एक गाड़ी में भोजन वितरण का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था 17 मई को बल्देवबाग चौक एवं मेडिकल कॉलेज के मरीज के परिजन एवं मरीजो को पूरी सब्जी कड़ी चावल हलवा आचार वितरित किया गया। पूज्य ज्ञानेश्वरी दीदी ने कहा भूखे को भोजन करना हजारों वर्ष पुरानी प्राचीन परंपरा है इस मानव सेवा से बड़ी कोई सेवा नही है।

हर सेवा भगवान हर कोई से नहीं करता है इस सेवा के लिए अग्रवाल परिवार को चुना यह पूर्वजों के पुण्य प्रताप का फल है। जो शहर के किसी भी स्थान में 14 साल से गाड़ी में भोजन रखकर ले जाया जाता है वहां स्टील की थालियां में शुद्ध साफ भोजन पीने का शुद्ध पानी भी रहता है थाली भी आश्रम के भक्त ही धोते हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया करोना के समय प्रतिदिन 1000 लोगों को भोजन वितरित किया जाता था अयोध्या धाम में भगवान रामजी की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 10 दिन में 1 लाख 15 हजार लोगों को अयोध्या धाम में भोजन वितरित किया गया उस समय यह सेवा जबलपुर में भी चालू थी। नर्मदा महाआरती के संस्थापक डॉक्टर सुधीर अग्रवाल ने बताया 5105 दिनों से प्रतिदिन लगातार जारी है अभी तक 19 लाख 14 हजार 375 लोगों ने प्रसाद पाया इस अवसर पर बी डी पटेल लखन दुबे मनजीत सिंह टीटू सिंह मेघा प्लास्टिक आदि उपस्थित थे।

आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारी का भव्य स्वागत किया

कर्मचारी जगत

जबलपुर, देशबन्धु। आदिवासी विकास परिषद के जिला कार्यवाहक अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तेकाम ने जारी विज्ञप्ति में बताया है कि प्रांताध्यक्ष उमंग सिंगार निर्देशानुसार आदिवासी विकास परिषद के सभी जिलों सदस्यता अभियान जारी है जिसको लेकर प्रदेश में एक टीम गठित किया यगा है जो हर जिले में जाकर परिषद के जिला अध्यक्ष पदाधिकारियों से बैठक कर सदस्यता संबंधित चर्चा की जा रही है इसी तातर्म में भी जबलपुर में प्रदेश से प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश मरावी, प्रदेश सचिव विनोद इरपाचे प्रदेश संगठन सचिव चमन लाल उइके नगर आगमन पर विकास परिषद पदाधिकारियों एवं प्रदेश आये पदाधिकारियों ने गोंडवाना चौक रेलवे स्टेशन के पास सबसे पहले राजा शंकर शाह कुंवर रघुनाथ शाह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया । जिला कार्यवाहक अध्यक्ष एवं विधि सलाहकार शैलेश धुर्वे एवं सभी पदाधिकारियों ने प्रदेश आय अतिथियों का माला पहनाकर स्वागत किया । फिर सभी पदाधिकारियों की बैठक लिया । मौके पर उपस्थित जिला कार्यवाहक अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तेकाम विधि सलाहकर शैलेष धुर्वे अरविंद मार्को, बालकृष्ण उइके भानसिंह तेकाम, विजय मरावी, शेखलाल आर्मी, तिलेश्वर राव, पवन बावरिया गया धुर्वे बालसिंह मरावी, घनश्याम यादव आदि उपस्थित रहे।

आजक्स संघ की ननिज आयुक्त से मांग

जबलपुर, देशबन्धु। अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी कर्मचारी संघ अजाक्स के संभागीय अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तेकाम एवं संभागीय महसचिव पवन कुमार बावरिया ने जारी विज्ञप्ति में बताया है ।

संभाग क्रमांक 11 नगर निगम में लोकल ओडिट द्वारा 1.64 लाख रुपये के गबन में अधिकारी कर्मचारी द्वारा गबन का मामला उजागर होने पर निगम प्रकाशन द्वारा दोषियों पर कार्यवाही की गई । संघ के राजेन्द्र सिंह तेकाम, योगेश चौधरी पवन बावरिया, बालकृष्ण उईके महेन्द्र चौधरी, मानसिंह नेतराम , अशोक कुमार राजेश ठाकुर, कृष्ण कुमार, रतिराम चौधरी, हरिश महोबिया, कमलेश कोरी, तुलसीराम तेकाम, नरेन्द्र उइके नरेश कुलस्ते, धर्मेन्द्र कुकरेले, कोमल दालचंद पासी, कोरचे, घनश्याम अहिरवार, मुन्ना कोल, अरविंद मार्को द्वारका कोरी , सुरेन्द्र महोबिया, बीदेवराज, उदयराज ठाकुर, किशोरी मरकाम, नारायण राव, हितेश्वर राय, सुभाष कोल आदि उपस्थित रहे।

स्वयं टीआई सुने थाने पहुंचने वालों की शिकायत : एडीजीपी डी सी सागर

जिले के अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) डी.सी. सागर द्वारा पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय की उपस्थिति में जिला जबलपुर के अधिकारियो की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान श्री सागर ने कहा कि थाने आने वाले शिकायतकर्ताओं की थाना प्रभारी स्वयं सुनवाई करते हुये विधिसम्मत कार्रवाई करें। सी.एम. हैल्प लाईन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण हो। उन्होंने कहा कि गम्भीर मामलों में फरार आरोपियों की पतासाजी कर शीघ्र गिरफ्तारी करें।

त्वरित निर्णय लेकर करें कार्रवाई

श्री सागर ने कहा कि थानों मे रिपोर्ट करने पहुंचने वाले शिकायतकर्ताओं के साथ अच्छा व्यवहार करें, थाना प्रभारी स्वयं शिकायतकर्ता को सुने एवं त्वरित निर्णय लेते हुए विधि सम्मत कार्रवाई करें। लंबित सी.एम. हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई की शिकायतों का शीघ्र संतुष्टिपूर्ण निकाल करें।

उन्होंने उपस्थित अधिकारी/ कर्मचारियों को निर्देशित किया कि महिलाओं, बच्चों, वृद्धों एवं समाज के कमजोर वर्गो के प्रति संवेदनशील रहते हुये इनके द्वारा की गयी शिकायतों पर तत्काल विधिसंगत कार्यवाही करते हुये तत्काल राहत पहुंचाएं, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिये। उन्होंने कहा कि गम्भीर अपराध जिनमें आरोपी फरार हैं, फरार आरोपियों पर ईनाम उद्घोषित करायें तथा पतासाजी कर शीघ्र आरोपी की गिरफ्तारी करें।

ये रहे उपस्थित-पुलिस कन्ट्रोल रूम जबलपुर में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी.सी. सागर द्वारा ली गई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के साथ जबलपुर में पदस्थ राजपत्रित अधिकारी एवं शहर थाना प्रभारियों की बैठक ली गयी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात/अपराध) श्रीमति सोनाली दुबे, नगर पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक तथा थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

ताकि अपराधों की हो रोकथाम एसपी ने पुनः कराई कॉम्बिंग गश्त

जबलपुर,देशबन्धु। शहर में लगातार बढ़ते अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा बीती रात फिर कांबिंग गश्त कराई गई। गश्त के दौरान विभिन्न आपराधिक मामलों में विगत कई वर्षों से फरार 375 वारंट तामील कराए गए। एसपी द्वारा अपराधों की रोकथाम हेतु गुंडे, बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध उनके आपराधिक रिकार्ड को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिदिन प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कराई जा रही है वहीं थानों में लंबित वारंटो की तमीली तथा मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए कांबिंग गश्त हेतु आदेशित किए जाने पर बीती रात 10 बजे से रात 2:30 बजे तक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (जोन-2) समर वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) सूर्यकांत शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात/अपराध) सोनाली दुबे, तथा समस्त नगर पुलिस अधीक्षकों/उप पुलिस अधीक्षक/एस.डी.ओ.पी. के मार्ग निर्देशन एवं उपस्थिती में समस्त थाना प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा हमराह स्टाफ के कॉम्बिग गस्त की गयी।

कॉम्बिग गस्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ लगभग 592 अधिकारी एवं कर्मचारियों की 81 टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। टीमों के द्वारा दबिश देते हुए कॉम्बिंग गस्त के दौरान कई वर्षों से फरार 123 गैर म्यादी वारंटियों एवं 158 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए तथा 94 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। इसके साथ ही कांबिंग गस्त के दौरान सक्रिय गुंडे बदमाशों को चेक करते हुए देर रात आने जाने वालों से रोक-टोक पूछताछ एवं रेलवे स्टेशन तथा बस स्टैंड के साथ-साथ मुसाफिरखाना में संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग की गई।

3 किलो गांजे सहित धराया रायपुर से शहर आया तस्कर

क्राईम ब्रांच एवं थाना बेलबाग पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

जबलपुर,देशबन्धु। क्राईम ब्रांच एवं थाना बेलबाग पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बेलबाग थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ गांजा के कारोबार में लिप्त आरोपी को संयुक्त टीम ने धरदबोचा। आरोपी के कब्जे से 3 किलो 144 ग्राम गांजे की खेप बरामद की गई जिसकी कीमत करीब 63 हजार रुपये बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय द्वारा जिले में पदस्थ सभी राजपत्रित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को मादक पदार्थों /अवैध शराब की तस्करी में लिप्त आरोपियों की पतासाजी कर उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु आदेशित किया गया है। आदेश के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक शहर आनंद कलादगी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अपराध/यातायात सोनाली दुबे तथा नगर पुलिस अधीक्षक ओमती सोनू कुर्मी एवं नगर पुलिस अधीक्षक केण्ट/अपराध उदयभान बागरी के मार्गदर्शन में क्राईम ब्रांच एवं थाना बेलबाग की टीम द्वारा 1 आरोपी को 3 किलो 144 ग्राम गांजा के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया।

रायपुर से आया था तस्कर

टीआई बेलबाग राजकुमार खटीक ने बताया कि गत दिवस क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि दंगल मैदान पानी की टंकी के पास एक युवक फुल बांह की सफेद टीशर्ट , गले पर गुलाबी गमछा, नीला जींस पहने है अपने पास रखे पिट्ठू बैग मे अवैध मादक पदार्थ गांजा लिये बेचने की फिराक में ग्राहक का इंतजार कर रहा है। सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये क्राईम ब्रांच एवं थाना बेलबाग की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई। दंगल मैदान की पानी की टंकी के पास में मुखबिर के बताये हुलिये का युवक काले रंग का पिट्ठू बैग लिये खड़ा दिखाई दिया। आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी बेकरी के सामने गनी होटल वाले बैजनाथ पारा रायपुर थाना मोहधापारा जिला रायपुर छत्तीसगढ़ निवासी 22 वर्षीय मोह. मआज गनी की तलाशी लेने पर संदेही मोह. मआज गनी के कब्जे में रखे काले रंग के पिट्ठू बैग को खोलकर देखने पर सेलो टेप से लिपटे 2 पैकेट में अवैध मादक पदार्थ गांजा रखा मिला। तौल करने पर कुल 3 किलो 144 ग्राम गांजा कीमती 63 हजार रूपये होना पाया गया जिसे जप्त करते हुये आरोपी के विरूद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये उक्त गांजा कहां से एवं कैसे प्राप्त किया गया के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

इनकी रही उल्लेखनीय भूमिका-आरोपी को अवैध मादक पदार्थ गांजा के साथ रंगे हाथ पकडने में उप निरीक्षक विजय सिंह धुर्वे प्रधान आरक्षक प्रेमलाल विश्वकर्मा, विनीत श्रीवास, आरक्षक मोहित राजपूत, मनीष बघेल तथा अपराध थाना प्रभारी श्री शैलेष मिश्रा के निर्देशन में सहायक उप निरीक्षक कैलाश मिश्रा, मोहन तिवारी, प्रधान आरक्षक हितेन्द्र रावत, मोहन सिंह, आरक्षक पंकज सिंह, रितेश शुक्ला, रंजीत यादव, प्रमोद सोनी की सराहनीय भूमिका रही।

विकलांग महिला को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

तिलवारा के शास्त्री नगर क्षेत्र में घटना

जबलपुर,देशबन्धु। तिलवारा थाना अंतर्गत शास्त्री नगर चौराहा के समीप शनिवार रविवार की दरमियानी रात एक अज्ञात वाहन के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए विकलांग महिला को कुचल दिया जिस महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी लगने पर मृतिका के परिवारजन मौके पर पहुंच गई थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करने के उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए सौंप दिया था।

पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है। उक्त घटना के संबंध में तिलवारा थाने में पदस्थ सी बंसल ने जानकारी देते हुए बताया कि गुजराती कालोनी शास्त्री नगर की रहने वाली 47 वर्षीय पूनम गुजराती नामक महिला दोनों पैरों से विकलांग थी और शास्त्री नगर चौराहे के आसपास हाथों के सहारे चलकर जैसे तैसे अपना जीवन काटती थी। रात करीब 2:30 बजे जब वह चौराहे से संभव रूट क्रॉस कर रही होगी कभी किसी अज्ञात वाहन के चालक ने ना केवल जोरदार टक्कर मार दी बल्कि रौंदते हुए निकल गया। प्रत्यक्षदर्शियैं के मुताबिक किसी अज्ञात ट्रक ने महिला को टक्कर मारी है। हादसे की खबर लगते ही मृतका का भाई मुकेश गुजराती और दूसरे परिजन मौके पर पहुंच गई थे। महिला को मेडिकल चिकित्सालय ले जाया गया था जहां इस मृत घोषित कर दिया गया। घटना की सूचना तिलवारा पुलिस को वार्ड बॉय रवि शंकर ने सुबह करीब 10:00 बजे दी। जिसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही के उपरांत पीएम के लिए सौंप दिया। तथा परिजनों की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर पतासाजी भी शुरू कर दी है। पुलिस मर्ग कायम कर विवेचना कर रही है।

जबलपुर स्टेशन पर मिली खंडवा से अपहृत बालिका

जीआरपी ने किया परिजनों के सुपुर्द

जबलपुर,देशबन्धु। खंडवा की अपहृत एक मासूम बालिका जबलपुर रेलवे स्टेशन में मिली हैं। जीआरपी ने बालिका को परिजनों को सौंपा। जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार खंडवा की अपहृत बालिका को जबलपुर जीआरपी ने चंद घंटों में खोज निकाला। जीआरपी ने उक्त बालिका को खोज रहे माता -पिता के हवाले कर दिया है। उप पुलिस अधीक्षक रेल लोकेश मार्को के मार्गदर्शन में ट्रेनों में व स्टेशनों में बालक एवं बालिकाओं की पता तलाश हेतु एक माह से विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।

जीआरपी थाना प्रभारी बलराम यादव ने बताया कि 18 मई को खण्डवा के बल्दुआ डोंगरी थाना जावर निवासी एक 38 वर्षीय व्यक्ति ने जीआरपी थाना जबलपुर आकर अपनी नाबालिक 7 वर्षीय बालिका के किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा बहला फुसलाकर ले जानें के संबंध में शिकायत की गई थी। जिसे थाना लाकर बालिका के परिजनो को वैधानिक कार्यवाही पश्चात सुपुर्द किया गया। इस सराहनीय कार्यवाही में निरीक्षक थाना प्रभारी जीआरपी जबलपुर बलराम यादव, उप निरी. संजीवनी राजपूत, सउनि. भागचन्द उद्दे, प्र.आर. 140 दर्शन सिंह कौरव, प्र.आर. 338 दीपक पाठक, प्र.आर. 361 शकील सिद्दीकी, आर. 84 रविकांत रजक, आर. 113 परसुराम यादव, आर. 295 अमित यादव, आर. 345 अनिल कुमार का विशेष योगदान रहा। पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर व्दारा अधिकारी, कर्मचारियों को नगद पुरस्कार से पुरूष्कृत करने की घोषणा की गई है।

महिला डांसरों के बीच दोनाली बंदूक लहराने वाले युवक गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। तिलकोत्सव कार्यक्रम में फिल्मी गाने की धुन पर मंच पर चढ़कर दोनाली बंदूक लहराने वालों पर बेलखेड़ा पुलिस ने एफआईआर दर्ज करते हुए दोनों युवकों को हिरासत में लेते हुए बंदूके जब्त कर ली। पुलिस ने 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम नवीन चरगवां में 4 मई को एक लगुन समारोह आयोजित था। समारोह में बने मंच में हाथ में बंदूक लेकर डांस करते हुए 2 युवकों का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने जांच में पाया कि राजाराम पटेल के कार्यक्रम समारोह में ग्राम पावला निवासी विकास लोधी और नारायण लोधी स्टेज में चढ़ गए। दोनों युवक डांस कर रही युवतियों के साथ हाथ में बंदूक लहराते हुए नाचने लगे थे।

धारदार हथियारों के हमले में घायल सुमित ने तोड़ा दम

परिजनों ने घेरा रांझी थाना

जबलपुर,देशबन्धु।। रांझी थानांतर्गत विगत दिनों धारदार हथियारों के हमले में घायल सुमित नामक युवक ने दम तोड़ दिया। इस घटना से गुस्साए परिजनों एवं क्षेत्रीय जनों ने रविवार को रांझी थाने का घेराव प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सर्रापीपर नई बस्ती रांझी में पिछले दिनों पुरानी रंजिश के चलते बदमाशों के हमले में घायल हुए सुमित चौधरी की रविवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई। युवक की मौत होने की खबर जैसे ही परिजनों को लगी तो सभी रांझी थाना जा पहुंचे। जानकारी के मुताबिक रांझी सर्रापीपर नई बस्ती में 16-17 मई की दरमियानी रात में तलवारबाजी की घटना में खून से लथपथ सुमित सहित 3 घायल युवक रांझी थाने पहुंचे थे। जिन्हें तत्काल रांझी अस्पताल भिजवाया गया।

जहां से तीनों को मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया था।

मामूली विवाद पर कर दिया हमला

मेडिकल कालेज में उपचार करा रहे गुरुचरण महोबिया उम्र 35 निवासी सर्रापीपर नई बस्ती रांझी ने बताया कि वह बेलदारी का काम करता है। 16- 17 दरमियानी रात करीब 3 बजे मोहल्ले मे गालीगौज की आवाज आने पर घर के बाहर आकर देखा तो हेमंत तिवारी, अभिषेक फ्रांसिस, मॉर्टिन अन्ना एव मनोज तिवारी हाथ में तलवार, चाकू लिए खड़े थे। उक्त युवकों ने जैसे ही गुरुचरण को देखा तो उससे गाली-गलौज करते हुए तलवार और चाकू से हमला कर दिया।

आई थीं गंभीर चोटें

इसी दौरान गुरुचरण महोबिया को बचाने के लिए सुमित चौधरी और शुभम चौधरी आए तो हथियारों से लैस चारो बदमाशों ने सुमित व शुभम के साथ भी गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान सुमित के सिर में गंभीर चोट पहुंची और वह बेहोश होकर गिर गया। जिसके बाद चारों हमलावर जान से मारने की धमकी देते मौके से फरार हो गए। घायलों को इलाज के लिए रांझी अस्पताल से तीनों घायलों को मेडिकल अस्पताल रेफर किया गया, घटना में घायल हुए सुमित चौधरी को गंभीर चोट आने की वजह से उसकी इलाज के दौरान मेडिकल अस्पताल में मौत हो गई।

सुअर मार बम सहित आरोपी धराया

जबलपुर,देशबन्धु। अधारताल थाना पुलिस ने सुअरमार बम लिये घूमते एक आरोपी को धरदबोचा। आरोपी के कब्जे से एक जिंदा देशी सुअरमार बम जब्त किया गया। पुलिस के अनुसार बीती रात मुखबिर से सूचना मिली कि अधारताल तालाब के पास एक लड़का हाथ में सुअर मार बम लेकर घूम रहा है। आरोपी हल्का नीले रंग का पेंट मटमेले रंग की शर्ट पहने हैं। कोई गम्भीर घटना करने की फिराक में हैं।

सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई। अधारताल तालाब के पास हनुमान मंदिर के पास मुखबिर के बताये हुलिये का युवक हाथ में सफेद पन्नी लिये खड़ा दिखा। जो पुलिस को देखकर भागने लगा। आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया आरोपी दुर्गा नगर विसर्जन कुण्ड के पास आंगनबाड़ी के पीछे ग्वारीघाट निवासी 26 वर्षीय राहुल कोल उर्फ गोलू पिता छोटेलाल कोल के हाथ में ली हुयी पन्नी की तलाशी लेने पर एक सुअरमार बम रखा मिला। बम को जब्त करते हुये आरोपी राहुल कोल उर्फ गोलू के विरूद्ध धारा 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई। आरोपी को सुअरमार बम के साथ गिरफ्तार करने में प्रधान आरक्षक विनोद शर्मा, तरूण रोहिताश, आरक्षक टेकवन लिल्हारे, मनीष ठाकुर की सराहनीय भूमिका रही।

धान घोटाले में फरार इनामी आरोपी गिरफ्तार

कुंडम थाना पुलिस कर रही पूछताछ

जबलपुर,देशबन्धु। धान घोटाले में फरार इनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से कुंडम थाना पुलिस पूछताछ कर रही हैं। ज्ञात हो कि 30 करोड़ की धान की हेराफेरी मामले में फरार कम्प्यूटर ऑपरेटर को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार करते हुए अग्रिम कार्रवाई के लिए कुंडम पुलिस के सुपुर्द किया है। लंबे से समय से फरार कृष्ण कुमार भगत 28 साल निवासी टोला टेकारी थाना वारासिवनी जिला बालाघाट को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि संगठित होकर सिर्फ दस्तावेजों में धान की खरीदी करने वाले धान माफिया से परिवहन की लीपापोती करने में चूक हो गई और कलेक्टर दीपक सक्सेना और उनकी जांच टीम ने 30 करोड़ रुपए से अधिक कीमत की 13 हजार मीट्रिक टन धान का फर्जीवाड़ा उजागर किया था।

दरअसल करोड़ों के इस घोटाले को सुनियोजित तरीके से सहकारी समितियों, नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी कर्मचारी और राइस मिल संचालकों के द्वारा अंजाम दिया गया था। प्राथमिक जांच के बाद 74 लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अलग-अलग 12 थानों में प्रकरण दर्ज कराया गया था।

राइस मिलर्स के बजाए स्थानीय दलालों को बेची धान

धान घोटाला मामले में कलेक्टर दीपक सक्सेना को सूचना मिली थी कि जिले में सहकारी समितियों के द्वारा खरीदी गई धान को राइस मिलर्स को देने की बजाय स्थानीय स्तर पर दलालों को बेचा जा रहा है। कलेक्टर के निर्देश पर नाथूराम गोंड अपर कलेक्टर, ऋषभ जैन संयुक्त कलेक्टर, शिवाली सिंह संयुक्त कलेक्टर और संजय खरे सहायक आपूर्ति अधिकारी ने धान घोटाला की जांच की है।

साइबर ठगी की वारदातों में नहीं लग पा रहा विराम

न ओटीपी दी न लिंक शेयर की फिर भी खाते से कटे 2 लाख

जबलपुर,देशबन्धु। साइबर ठग हर रोज नए तरीकों से वारदातों को अंजाम दे रहे हैं और शहर में ठगी की वारदातों पर विराम नहीं लगा पा रहा हैं। रविवार को इसी तरह का मामला विजय नगर थाना पुलिस के सामने आया जिसमें एक व्यक्ति ने न किसी से ओटीपी दी न ही लिंक शेयर की फिर भी खाते से 2 लाख रुपए कट गए। एक ऑटो मेटेड कॉल उठाते ही व्यक्ति को पता चला कि किसी साइबर ठग ने उनके खाते से 2 लाख रुपयों पर हाथ साफ कर दिया। खाते से रुपये ट्रांसफर करने वाले साइबर ठग के विरूद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार थाना विजयनगर में न्यू जगदम्बा कालोनी महाराजा अग्रसेन वार्ड विजयनगर निवासी 56 वर्षीय दिलीप जैन ने लिखित शिकायत की।

शिकायत में श्री जैन ने बताया कि उनका आईसीआईसीआई बैंक विजय नगर ब्रांच जबलपुर में चालू खाता एवं बचत खाता है। उन्हें 16 नवंबर 2024 को दोपहर 1 बजकर 16 मिनट पर एक नम्बर से ओटोमेटेट कॉल आया। जिसमे यह जानकारी दी गई कि उनके अकाउन्ट से 99 हजार 500 रुपये एवं 99 हजार 500 रुपये कुल 1 लाख 99 हजार रूपये का ट्रांजेक्शन हुआ हैं। जिसकी उसे कोई जानकारी नहीं है उसका फोन पे एप पर भी अन्य फोन नम्बर से रजिस्ट्रेशन भी हुआ हैं। जिसका मैसेज उनके फोन पर आया है और उसका फोन पे अकाउण्ट भी लॉग आउट हो गया था। उन्होंने ब्रांच में जाकर अकाउंट ब्लॉक करवा दिया है और कस्टमर केयर पर भी शिकायत दर्ज कर दी है। उनके द्वारा किसी को कोई ओटीपी नहीं दिया गया एवं न ही लिंक को शेयर किया गया। शिकायत पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 318(4) का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

खेत पर मिली युवक की रक्तरंजित लाश

इकलौते पुत्र की मौत की खबर से सदमे में परिवार

सिहोरा, देशबन्धु। रात को खेत देखने निकले युवक की लाश को शनिवार की सुबह जब गांव के लोगों ने देखा और जिसके बाद युवक के मृत पड़े होने की सूचना परिवार को मिली तो इकलौते पुत्र की मृत्यु सुनकर उनके ऊपर दु:खों का पहाड़ टूट पड़ा, क्योंकि वही एक परिवार की देखरेख करने वाला एकमात्र सहारा था, जबकि यह भी जानकारी सामने आई की युवक के पिता की कोरोनाकाल के समय मृत्यु हो चुकी है और जिसके बाद पुत्र की हत्या होने के बाद तो परिवार सदमे में चला गया।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार गोसलपुर थाना के ग्राम भदम निवासी कुनाल कटारे 22 वर्षीय करीब की खेत मे रक्तरंजित लाश शनिवार की सुबह पड़ोस के किसानों ने खेत में पड़ी देखी जिसकी सूचना गांव में दी और परिजनों को जानकारी देते हुए

गोसलपुर थाना को भी सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। जबकि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा गया है। वहीं लोगों ने बताया कि युवक ही अपने घर का एक मात्र सहारा था जिसके पिता की मृत्यु भी कोरोनाकाल में हो गई थी लेकिन पुत्र की हत्या के बाद परिवार पर दु:ख का पहाड़ खड़ा हो गया है। जबकि प्रथम दृष्टया युवक की किसी धारदार हथियार से हमला कर हत्या किए जाने की शंका जताई जा रही ।

पुलिस सभी सूक्ष्म बिंदुओं की जांच कर साक्ष्य जुटा रही है और तकनीकी सहायता से भी हत्या की वजह और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। फिलहाल पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस पूरे मामले को गहनता से सुलझा सकेगी। अभी तक इस मामले में आरोपियों का कोई सुराग नही है न ही हत्या कोई वजह सामने आई है।

हर्ष फायरिंग में एक युवक को लगी गोली, घायल

बटियागढ़, देशबन्धु। दमोह जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र के रुसंदो गांव में शनिवार रात एक लग्न उत्सव समारोह (सगाई) के दौरान हर्ष फायरिंग की गई। जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि बुंदेलखंड इलाके में शादियों और समारोहों में हर्ष फायरिंग का चलन आम है। लेकिन कई बार यह फायरिंग लापरवाही से की जाती है, जिससे लोगो की जान पर बन आती है। रुसंदो गांव में भी ऐसा ही हुआ। लोधी समाज के एक परिवार में लग्न उत्सव समारोह चल रहा था और काफी लोग मौजूद थे। इसी दौरान एक व्यक्ति बंदूक लेकर घूम रहा था और उसने लापरवाही से बंदूक नीचे की ओर करके फायर कर दिया। गोली से निकले छर्रे धोराज गांव के रहने वाले विक्रम सिंह ठाकुर को लग गए। और वह घायल हो गए। गोली चलने के बाद समारोह में अफरा-तफरी मच गई। घायल को तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

शिक्षक ने विद्यालय में फांसी लगाकर की आत्महत्या

बटियागढ़, देशबन्धु। बटियागढ़ थाना क्षेत्र के महुअट ग्राम में रविवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब प्राथमिक शाला परिसर में एक शिक्षक का शव फांसी पर लटका मिला। मृतक की पहचान

माधव सिंह लोधी (उम्र 55 वर्ष), पिता रामदयाल सिंह के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिक्षक माधव सिंह लोधी ने अज्ञात कारणों के चलते प्राथमिक शाला महुअट में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजनों को घटना की जानकारी लगी तो उन्होंने तत्काल बटियागढ़ थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। गांव में इस घटना को लेकर शोक की लहर है, वहीं परिजन गहरे सदमे में हैं। शिक्षक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने के पीछे क्या कारण थे, यह अब जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मृतक शिक्षक के पुत्र ने बताया कि मेरे पिता कभी कोई नशा नहीं करते थे, ना ही किसी से कोई बुराई थी। पता नहीं फिर क्यों पिताजी ने ऐसा कदम उठाया ।

पानी के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर चले लट्ठ

रीवा देशबन्धु। पानी को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष ही गया। यहां एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के ऊपर लाठी डंडे से किए गए हमले में पति और पत्नी घायल हो गए। मारपीट की घटना सेमरिया के कुम्हरा गांव में हुई। रमाकांत दहिया और उसके परिवार के लोगों ने मिलकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी की ओर से तकरीबन 20 लोगों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की है। घटना के दौरान बीच बचाव करने पर केशव के साथ-साथ उसकी पत्नी को भी लाठी डंडों से जमकर पीटा गया। उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया है।

सार-समाचार

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन का चौथा रक्तदान शिविर

बरेला, देशबन्धु। रविवार को संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा संत निरंकारी भवन धनपुरी में चौथा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया शिविर का उदघाटन ब्रांच के मुखी रामसेवक केसरवानी ने किया ।इसमें बरेला , बम्हनी, धनपुरी और आसपास के गांव के पुरुष एवं महिला रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रक्त संग्रह के लिए रानी दुर्गावती चिकित्सालय जबलपुर (एल्गिन) के कर्मचारी पहुंचे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेवादल के संचालक कृष्ण कुमार पटेल, शिक्षक धर्मेंद्र कुशवाहा अमित श्रीपाल, सेवादल के सभी सदस्य बम्हनी सरपंच श्रीमती वर्षा नीलकमल झरिया एवं समाजसेवियों का विशेष सहयोग रहा ।शिविर में आए हुए सभी नागरिकों एवं रक्तदाताओं का चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

तालाब, नदी, कुआं और बावड़ियों का खतरे में अस्तित्व

पाटन देशबन्धु। प्रदेश स्तर पर चल रहे जल गंगा संवर्द्धन अभियान के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के द्वारा गाँव-गाँव में आयोजित की जा रही पानी चौपाल आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई है। लेकिन धरातल पर नजारा और हालात कुछ और बया कर रहे हैं। चौपाल में मैदानी अमला किसानों को जल संरक्षण,कम पानी से होने वाली फसलों,कृषि और उद्यानिकी फसलों के साथ साथ अधिक लाभ कमाने की आधुनिक तकनीक और नवीन उद्यानिकी तकनीकों के बारे में किसानों को समझाया जा रहा है। लेकिन आधुनिकीकरण के इस दौर में मानव जीवन शैली इन धरोहरों को नष्ट करने में लगीं हैं। जिससे आज कोई भी अछूता नहीं हैं। बताया जा रहा है कि हिरण नदी के घाटों पर बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा है क्या यहीं हैं जल गंगा मिशन अभियान है! जन अभियान के दौरान फलोद्यान,ड्रिप लाइन,प्लास्टिक मलचिंग,सब्जी क्षेत्र,मसाला क्षेत्र और पुष्प क्षेत्र विस्तार योजनाओं का लाभ लेने के लिये उद्यानिकी विभाग का ऑनलाइन पोर्टल से पंजीकरण भी कराया जा रहा है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पर ड्रॉप-मोर क्रॉप के अंतर्गत उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने 13,500 कृषकों को 76.68 करोड़ रुपए की लागत से स्प्रिंकलर और ड्रिप सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा है। योजना की वजह से बड़ी बड़ी नदियों के उदगम, स्थानीय नदी,तालाब,बावली, कुआं,ताल तलैयों का अस्तित्व आज खतरे में। प्राप्त जानकारी के अनुसार 5,000 हैक्टेयर में फलदार पौधों का रोपण और सूक्ष्म सिंचाई के माध्यम से जल प्रबंधन पर कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जायेगा।

इस अभियान के लिये 25 लाख से अधिक फलदार पौधे उपलब्ध करने का लक्ष्य रखा गया है। इन लक्ष्यों की पूर्ति के लिये पानी चौपाल में ही किसानों को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जा रही है। लेकिन रोजाना कई पेड़ों को काटा जा रहा हैं इस अधाधुंध कटाई पर जिम्मेदारों का कोई नियंत्रण नहीं हैं। यह अभियान 30 मार्च 2025 को क्षिप्रा नदी के तट से आरंभ हुआ और 30 जून 2025 तक चलेगा। इसकी मुख्य उद्देश्य जल स्त्रोतों का संरक्षण करना है। प्रदेश के जल-संरचनाओं (नदी, तालाब,कुए,बावड़ी आदि) का संरक्षण करना और पुनर्जीवन करना है। इसमें गंदे पानी के नालों को स्वच्छ भारत मिशन-2.0 के अंतर्गत शोधित करने की योजना भी शामिल है। जन-भागीदारी को बढ़ावा देना और इस अभियान में नगरीय निकायों द्वारा नागरिकों,विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

इस योजना को वर्ष 2015 में खेती के लिये पानी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने, सिंचाई के तहत खेती योग्य क्षेत्र का विस्तार करने,जल उपयोग दक्षता में सुधार करने तथा सतत् जल संरक्षण प्रथाओं को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है,जिसमें केंद्र-राज्यों के बीच हिस्सेदारी का अनुपात 75:25 है। पूर्वोत्तर क्षेत्र तथा पहाड़ी राज्यों के मामले में यह हिस्सेदारी 90:10 के अनुपात में है। क्या राज्य सरकार इन धरोहरों को बचा पाएगी या फिर जन अभियान के दौर में ये सभी विलुप्त की ओर चली जाएंगी। ये समय आने पर ही पता चलेगा।

विधायक ने किया बच्चों को सम्मानित सम्मान पाकर खिल उठे चेहरे

पाटन, देशबन्धु। भाजपा जिला ग्रामीण की ओर से पाटन नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी छात्र छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन नगर के तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में क्षेत्रीय विधायक की गरिमामय उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र लोकप्रिय विधायक अजय बिश्नोई के द्वारा कक्षा बारहवीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में नौवा स्थान प्राप्त करने वाले कृष्णबहादुर राजपूत जिले में प्रथम वही जिले में वेदान्शी ठाकुर ने कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान एवं साक्षी विश्वकर्मा व मेधावी छात्र प्रोत्साहन सम्मान के पात्र 39 बच्चों को सम्मान पत्र व साल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अतिथियों ने साल,श्रीफल और सम्मान पत्र संस्था के प्राचार्य सी एस ठाकुर को लगातार अच्छा परिणाम देने के लिये सम्मानित किया। विधायक श्री विश्नोई ने अपने उद्बोधन में बच्चों को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की,साथ ही संस्कारों को जीवन की असल पूंजी बताया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह,उदयभान सिंह ठाकुर,राकेश सिंह,एड देवेंद्र यादव,राजकुमार सिंह,देव कुमार यादव,गजेंद्र सिंह ठाकुर (गज्जू कक्का) राघवेंद्र यादव,सत्यम झरिया सहित बीजेपी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य सी.एस. ठाकुर,उपप्राचार्य सुजीत सिंह, शिक्षक जसपाल सिंह,अर्चना बर्मन,शालिनी सहित अन्य शाला परिवार प्रमुख रूप से उपस्थित रहा।

बुआ की त्रियोदशी में आए युवक की डेम में डूबने से मौत

इंडो न्यूक्लियर प्रालि पर लापरवाही का आरोप

मझगवां, देशबन्धु। पटना गांव स्थित चेक डेम में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक अपनी बुआ के शुद्ध और त्रियोदशी कार्यक्रम में शामिल होने आया था। मृतक की पहचान लालपुर चकर निवासी धीरेन्द्र यादव (25) के रूप में की गई है। इस हादसे के बाद इंडो न्यूक्लियर प्राइवेट लिमिटेड पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। बताया जा रहा है, कंपनी ने फैक्ट्री के लिए पानी की जरूरत को पूरा करने चेक डेम को गहरा कराकर पानी खींचने के लिए एक बड़ी मोटर डेम में स्थापित की थी।

परिवार पर दुखों की दोहरी मार: धीरेन्द्र रविवार को चेक डेम के किनारे नहाने गया था। तभी वह पानी में लगी मोटर की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि नहाते समय धीरेन्द्र इस मोटर के खतरनाक हिस्से में फंस गया और उसे बचाने का कोई मौका नहीं मिला। धीरेन्द्र के परिवार पर दुखों की दोहरी मार है। पहले ही बुआ की मौत से सदमे में थे, अब धीरेन्द्र के असमय चले जाने से परिजन टूट चुके हैं। धीरेन्द्र के परिवार के लिए यह हादसा एक बड़ा झटका है, ।

डेम तोड़कर बहाया गया पानी

शव को बरामद करने के लिए जेसीबी की मदद से डेम की दीवार तोड़कर पानी बहाया गया, तब जाकर शव को बाहर निकाला जा सका। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए घटना की जांच कार्रवाही शुरू कर दी है।

मोटर में फंसने के बाद डेम से बाहर नहीं निकल पाया युवक

ग्रामीणों में आक्रोश...

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इंडो न्यूक्लियर प्राइवेट लिमिटेड ने चेक डेम को गहरा कराकर पानी खींचने के लिए मोटर लगाई, लेकिन सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए। न तो डेम के आसपास सुरक्षा दीवार बनाई गई, न ही खतरनाक मोटर के बारे में कोई चेतावनी दी गई। ग्रामीणों में कंपनी के खिलाफ गुस्सा भड़क रहा है और वे इस हादसे पर कार्यवाही की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी की लापरवाही के कारण ही यह हादसा हुआ है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलनी चाहिए।

चोरों ने शिक्षक अधीक्षण अभियंता के घर से उड़ाए लाखों के सामान

शहडोल, देशबन्धु। शहडोल में चोरों ने दो अलग-अलग स्थानों पर वारदात को अंजाम दिया। पहली चोरी कोतवाली के पीछे स्थित एमपीईबी कॉलोनी में हुई। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता जय समीर नंदा के शासकीय आवास से चोर 4 लाख से अधिक के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गए।

अधीक्षण अभियंता और उनका परिवार किसी कार्यक्रम में गए थे। घर खाली होने का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। पड़ोसियों ने अगले दिन समीर नंदा को घटना की जानकारी

दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

चोरों ने घर के अंदर सेंध लगाई-दूसरी चोरी की घटना जैतपुर के रस-मोहनी गांव की है। यहां शासकीय शिक्षक कृष्णा राज सिंह के घर की पिछली दीवार में सेंध लगाकर चोर घर में घुसे। चोर घर से 20 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए।

रविवार सुबह जब परिवार जागा, तब चोरी का पता चला। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर लिया है। चोरों की तलाश जारी है।

गांजा की डिलेवरी देते दो महिलाओं समेत 4 गिरफ्तार

- तीन लाख से ज्यादा कीमत का गांजा जब्त

रीवा देशबन्धु। मऊगंज के चाक बायपास रोड पर गांजा की डिलेवरी देने आई दो महिलाओं सहित तीन लोगों को पुलिस ने पकड़ा है, जबकि गाजा की डिलेवरी लेने आए व्यक्ति को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तस्करों के कब्जे से पुलिस ने तीन लाख कीमती गाजा जप्त किया है, इस पूरी कार्रवाई के संबंध में पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कस्बा मऊगंज निवासी विनोद गुप्ता उर्फ लल्लू दो महिलाओं के साथ मिलकर उड़ीसा से गांजा की खेप लाकर

राजेन्द्र गुप्ता उर्फ पंडित निवासी मऊगंज को डिलेवरी देने वाला है सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर रेड कार्यवाही कर दो महिलाओं सहित 4 आरोपियों को पकड़ा गया जिनके कब्जे से 3 मोवाइल 1 दो पहिया वाहन व 20 किलो 900 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, पकड़े गए चारो आरोपियों के विरुद्ध एन.डी.पी.एस. एक्ट कायम कर मामले को विवेचना में लिया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपीयो में विनोद उर्फ लल्लू गुप्ता उम्र 40 वर्ष निवासी मऊगंज, राजेन्द्र उर्फ पंडित गुप्ता उम्र 41 वर्ष निवासी मऊगंज, नेहा बंसल उम्र 32 वर्ष , दीपू बंसल उम्र 30 वर्ष दोनो निवासी ग्राम बीछी थाना गढ़वा जिला सिंगरौली शामिल हैं।

आंधी और बारिश से उड़े छप्पर, घरों में भरा पानी

कुदरत की इस आफत ने मचाई तबाही, प्रशासन से मदद की गुहार

शहडोल,देशबन्धु। जिले में शनिवार की दोपहर अचानक मौसम बदला तेज आंधी तूफान के साथ हुई बारिश ने कई घरों की छत उड़ा दी। घरों के छप्पर उड़ कर कई मीटर दूर चले गए, एक बुजुर्ग महिला घायल हुई है। कुदरत की इस आफत ने लाखों रुपये का लोगों का नुकसान किया है। अब लोग प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार जैतपुर थाना क्षेत्र के रसमोहनी गांव में शनिवार दोपहर तेज आंधी तूफान के साथ हुई तेज बारिश ने तबाही मचा दी है। रसमोहनी निवासी शादाब इराकी ने बताया की

वह बाजार में खरीदी कर रहे थे, तभी अचानक तेज आंधी तूफान के साथ बारिश हुई जिसमें उनके घर की छत में लगी सीट उड़कर 20 मीटर दूर चली गई, घर में मौजूद उनकी पत्नी के ऊपर सीट के कुछ टुकड़े टूट कर गिरे, जिससे वह घायल हुई हैं। महिला के कमर में गंभीर चोट आई है। और घर में पानी भर जाने से घर में रखा गृहस्ती का सारा सामान भीग गया, वहीं राम सुख बारगाही के घर की भी छत में लगी सीट उड़ गई है, रामसुख बारगाही ने बताया कि हम घर के सभी लोग घर में ही मौजूद थे। तभी तेज आंधी तूफान के साथ बारिश शुरू हो गई,हमने घर के सभी दरवाजों को बंद कर लिया, तेज तूफान की वजह से घर की सीट उड़ गई और वह 10 मीटर दूर जाकर चकनाचूर हो गई। बारिश की वजह से पूरे घर के भीतर पानी भर गया जिसमें उनका काफी नुकसान हुआ।

आसपास के कई घरों में भी काफी नुकसान पहुंचा है। पीड़ित लोगों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाइ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि जैतपुर से रसमोहनी पहुंच मार्ग के कोलान टोला के पास भारी भरकम पेड़ गिर जाने से आवागावन अवरुद्ध हो गया है।

जिन घरों की सीट उड़ गई है उन घरों में बारिश का पानी भर गया है। गृहस्थी का सारा सामान भीग गया है, जिससे लोग घरों से पानी निकालने में जुटे हैं। पीड़ित ग्रामीणों का कहना है कि अब तक मदद के लिए कोई भी प्रशासन का अधिकारी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा है। राम सुख बारगाही ने बताया कि हम सभी लोग अब बेघर हो गए हैं, पड़ोसियों के घर में सारा सामान रखकर उन्हें सुरक्षित किया है।

हाईवे में टकराए ट्रकों में तीन दिन बाद भी सुलग रही आग

दमोह, देशबन्धु। जिले के बटियागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत छतरपुर हाईवे पर स्थित बड़ी चढ़ाई के पास तीन दिन पहले दो ट्रकों की टक्कर के बाद उनमें आग लग गई थी, जो अभी तक नहीं बुझाई गई है। प्रशासनिक अधिकारियों ने ट्रकों की आग बुझाने का दावा किया था, जो अब झूठा साबित हुआ है। रविवार सुबह की स्थिति में दोनों ट्रकों से लपटें निकलती हुई देखी गईं। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त ट्रकों को मौके से हटाने का प्रयास भी नहीं किया गया है, जिससे फिर कोई बड़ा हादसा हो सकता है। बता दें कि बड़ी चढ़ाई पहले से ही एक संवेदनशील मोड़ के रूप में जानी जाती है। यहां महीने में 40 से अधिक हादसे होते रहते हैं, जिनमें कई वाहन चालकों की जान भी जा चुकी है। जानकारी के अनुसार, तीन दिन पहले ट्रक क्रमांक यूपी 86 टी 4266 जिसमें रेलवे की पुरानी मोटर थी।

लोन के लिए आईएमएफ ने पाकिस्तान के सामने 11 और शर्तें रखी, भारत के साथ तनाव को बताया सबसे बड़ा जोखिम

नई दिल्ली, (आईएएनएस)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 7 अरब डॉलर के लोन के लिए पाकिस्तान के सामने 11 और नई शर्तें रख दी हैं। इसके साथ ही भारत के साथ तनाव को एक बड़ा जोखिम बताया है। पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, जो नई शर्तें लगाई गई हैं उनमें 17.6 लाख करोड़ रुपए के नए बजट को मंजूरी देना, बिजली बिलों पर डेट सर्विसिंग सरचार्ज बढ़ाना और तीन साल से अधिक पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध हटाना शामिल है। शनिवार को जारी आईएमएफ की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच में अगर तनाव बढ़ता है कि तो पड़ोसी देश के राजकोष, विदेशी व्यापार और सुधारों पर नकारात्मक असर होगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पिछले दो हफ्तों में पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव काफी बढ़ गया है, लेकिन अभी तक बाजार की प्रतिक्रिया मामूली रही है और शेयर बाजार ने अपने हालिया मुनाफे को बरकरार रखा है। आईएमएफ ने अनुमान लगाया है कि अगले वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान का रक्षा बजट 2.414 लाख करोड़ रुपए हो सकता है, जो 25,200 करोड़ रुपए या 12 प्रतिशत अधिक है।

सेना का खर्च बढ़ाना भी हो जाएगा मुश्किल! आईएमएफ ने कर्ज देने से पहले ही पाक पर ठोक दीं 11 नई शर्तें

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने अपने राहत कार्यक्रम की अगली किस्त जारी करने के लिए पाकिस्तान पर 11 नई शर्तें लगाई हैं। इसके साथ ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत के साथ तनाव से योजना के राजकोषीय, बाह्य और सुधार लक्ष्यों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं। रविवार को मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई है। आईएमएफ ने ऐसी शर्तें लगाई हैं जिसके तहत उसे खर्च और बजट की सारी जानकारी आईएमफ को देनी होंगी। इसके अलावा विकास कार्यों पर 10700 अरब से ज्यादा खर्च करना होगा। ऐसे में जाहिर है कि सेना और आतंकियों पर खर्च करने वाला पाकिस्तान सकते में आ जाएगा। वह खुलकर सेना पर खर्च नहीं बढ़ा पाएगा।

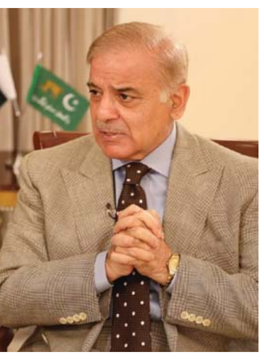

पाकिस्तान पर लगाई गई नई शर्तों में 17,600 अरब रुपये के नए बजट को संसद की मंजूरी, बिजली बिलों पर ऋण भुगतान अधिभार में वृद्धि और तीन साल से अधिक पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध को हटाना शामिल है। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएमएफ द्वारा शनिवार को जारी कर्मचारी स्तर की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव से इस कार्यक्रम के राजकोषीय, बाह्य और सुधार लक्ष्यों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि पिछले दो सप्ताह में पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव काफी बढ़ गया है, लेकिन अबतक, बाजार की प्रतिक्रिया मामूली रही है और शेयर बाजार ने अपने हाल के अधिकांश लाभ को बरकरार रखा है। आईएमएफ की रिपोर्ट में अगले वित्त वर्ष के लिए रक्षा बजट 2,414 अरब रुपये रुपये दिखाया गया है, जो 252 अरब रुपये या 12 प्रतिशत अधिक है।

आईएमएफ के अनुमान की तुलना में सरकार ने इस महीने की शुरुआत में भारत के साथ टकराव बढ़ने के बाद रक्षा क्षेत्र के लिए 2,500 अरब रुपये या 18 प्रतिशत अधिक आवंटित करने का संकेत दिया है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में छह और सात मई की दरमियानी रात को पाकिस्तान में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकी ठिकानों पर हमले किए। इसके बाद पाकिस्तान ने भी आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। 10 मई को दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने पर सहमति बनी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएमएफ ने पाकिस्तान पर अब 11 और शर्तें लगाई हैं। इस तरह पाकिस्तान पर अबतक 50 शर्तें लगाई जा चुकी हैं। नई शर्तों के तहत अगले वित्त वर्ष के बजट के लिए संसद की मंजूरी शामिल है।

आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान का कुल बजट आकार 17,600 अरब रुपये का है। इसमें से 1,0700 अरब रुपये विकास कार्यों के लिए होंगे। प्रांतों पर भी एक नई शर्त लगाई गई है। इसमें चार संघीय इकाइयां एक व्यापक योजना के माध्यम से नए कृषि आयकर कानूनों को लागू करेंगी, जिसमें रिटर्न प्रसंस्करण, करदाता पहचान और पंजीकरण, संचार अभियान और अनुपालन सुधार योजना के लिए एक परिचालन मंच की स्थापना शामिल है। इस शर्त के तहत प्रांतों के लिए समयसीमा जून तक है।

यूक्रेन में बंद करें खूनी खेल, डोनाल्ड ट्रंप बोले- व्लादिमीर पुतिन से करूंगा बात

मास्को। रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता बेनतीजा रहने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि युद्धविराम के लिए वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करेंगे। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रपति पुतिन से यह खूनी खेल बंद करने के लिए बात करेंगे। ट्रंप ने शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि विषय होगा रक्तपात रोकना। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और नाटो के सदस्यों से भी बात करने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, 'उम्मीद है कि यह एक उपयोगी दिन होगा।'

एक दिन पहले रूस ने कहा कि तुर्की में यूक्रेन के साथ हुई वार्ता के सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। रूस ने कहा कि हो सकता है दोनों देशों के बीच कोई समझौते की स्थिति बने। तुर्किए में हुई वार्ता में दोनों देशों के बीच केवल 1000 बंदियों की रिहाई पर ही समझौता हो पाया था। शांति वार्ता के तुरंत बाद ही रूस ने यूक्रने की एक यात्री बस पर ड्रोन अटैक कर दिया जिसमें कम से कम 9लोगों की मौत हो गई।

वहीं पांच से ज्यादा घायल हो गए। इसके बाद भड़के जेलेंस्की ने कहा कि यूरोप के देशों को रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा देने चाहिए जिससे उसे सीजफायर के लिए तैयार होना पड़े।

वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव को फोन कर शुक्रवार को तुर्किये के शहर इस्तांबुल में यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई सीधी वार्ता के नतीजों पर चर्चा की। रूस के विदेश मंत्रालय के वेब पोर्टल पर जारी बयान में कहा गया है, 'मार्को रुबियो ने युद्धबंदियों की अदला-बदली पर हुए समझौतों और युद्धविराम के लिए आवश्यक शर्तों को रेखांकित करते हुए प्रत्येक पक्ष के अपने स्वयं के प्रस्ताव तैयार करने के इरादे का स्वागत किया।' बयान में कहा गया है, 'उन्होंने बातचीत के जरिए समाधान की दिशा में प्रयासों का समर्थन जारी रखने के लिए अमेरिका की तत्परता की पुष्टि की।' विदेश मंत्री लावरोव ने इस्तांबुल में वार्ता फिर से शुरू करने के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रस्ताव को अंततः स्वीकार करने के लिए यूक्रेन को प्रोत्साहित करने में अमेरिका द्वारा निभाई गई रचनात्मक भूमिका को स्वीकार किया।

आज का इतिहास

1499– इंग्लैंड के हेनरी अष्टम की पहली पत्नी, आरागॉन की तेरह वर्षीय कैथरीन की शादी उनके भाई, 12 साल के आर्थर, प्रिंस ऑफ वेल्स, से प्रॉक्सी द्वारा की गई थी।

1542– वर्तमान समय में बर्मा में क्रोम साम्राज्य, टंगू राजवंश को जीत लिया गया था।

1571– मिग्यूल लोपेज डी जगाज्पी ने फिलीपींस की राजधानी मनीला की स्थापना की।

1714–ग्रेट ब्रिटेन की रानी ने अपने जीवनकाल में हनोवर के सदन के सदस्यों को ब्रिटेन में रहने की इजाजत देने से इनकार किया।

1743–फ्रांसीसी भौतिक विज्ञानी जीन-पियरे क्रिस्टिन ने सेंट्रिक्रेड थर्मामीटर के डिजाइन को सेंटीग्रेड स्केल के साथ प्रकाशित किया, जिसमें 0 पानी की चोरी बिंदु और 100 इसके क्वथनांक का प्रतिनिधित्व करता है।

1769–पोप क्लेमेंट पोप क्लेमेंट के स्थान पर 249वें पोप के रूप में चुने गए।

सुडोकू 6917

		1		7	9	5		
	9				8		3	
5	4	8	6					1
	8		3				1	2
	5	4	1		7	3	8	
1	6				4		9	
8					5	1	4	7
	1		7				2	
		2	9	4		8		

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

यूरोपीय बिरादरी की इजरायल से अपील, गाजा में दिखाएं संयम, अपनी वर्तमान नीति को बदले देश

ब्रुसेल्स, (आईएएनएस)। इजरायल जैसे-जैसे गाजा पट्टी पर अपना सैन्य अभियान तेज करता जा रहा है। यूरोपीय नेताओं की चिंता बढ़ती जा रही है। बड़ी संख्या में यूरोपीय नेताओं ने इजरायल से अपनी वर्तमान नीति को बदलने का आग्रह किया है और मानवीय आधार पर हस्तक्षेप की मांग की है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, गाजा में हो रहे घटनाक्रम से स्तब्ध हूं। इजरायल सरकार से हिंसा को समाप्त करने, नाकाबंदी हटाने और मानवीय सहायता तक सुरक्षित, त्वरित और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने का आग्रह किया। कोस्टा ने कहा, गाजा में जो हो रहा है, वह एक मानवीय त्रासदी है। लोगों को कुचला और सैन्य बल के अधीन किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय कानून का व्यवस्थित रूप से उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने युद्धविराम और सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की आवश्यकता पर जोर दिया।

नॉर्वे, आइसलैंड, आयरलैंड, लक्जमबर्ग, माल्टा, स्लोवेनिया और स्पेन ने शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में इसी तरह का रुख अपनाया। बयान में कहा गया, गाजा में हमारी आंखों के सामने हो रही मानव निर्मित तबाही के सामने चुप नहीं रहेंगे। 50,000 से अधिक लोगों की मृत्यु पर प्रकाश डालते हुए, देशों ने चेतावनी दी कि यदि तत्काल हस्तक्षेप नहीं किया गया तो आने वाले दिनों और सप्ताहों में कई और लोग भुखमरी का सामना कर सकते हैं। बयान में इजरायल सरकार से अपनी वर्तमान नीति को तुरंत बदलने, नाकाबंदी को पूरी तरह से हटाने और गाजा में तेजी से, बिना किसी बाधा के मानवीय पहुंच की अनुमति देने का आह्वान किया गया। उन्होंने दो-राज्य समाधान और फिलिस्तीनी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की, और शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के ढांचे के भीतर और क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग करने का वचन दिया। शनिवार को बगदाद में 34वें अरब लीग शिखर सम्मेलन में स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज़ ने गाजा में नरसंहार को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी का आह्वान किया। सांचेज ने कहा कि विश्व नेताओं को गाजा में नरसंहार को रोकने के लिए इजरायल पर दबाव बढ़ाना चाहिए, खास तौर पर अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा हमें दिए गए माध्यमों से।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दो-राज्य समाधान का कार्यान्वयन ही शांति का एकमात्र रास्ता है। इटली की विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने भी इजरायल की कार्रवाई की आलोचना की। शनिवार को, उन्होंने युद्धविराम और दो-राज्य समाधान के लिए इटली की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, अब युद्ध समाप्त करने का समय आ गया है, आबादी थक चुकी है, वे अब लगातार हमलों का विरोध नहीं कर सकते हैं।

हूतियों के जुगाड़ वाले हथियारों से कैसे थर्राए अमेरिकी लड़ाकू विमान, बाल-बाल बचा एफ-35

क्या है हूतियों का जुगाड़ वाला एयर डिफेंस

हूती विद्रोहियों ने पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मोबाइल एयर डिफेंस तैयार किए हैं जो किसी भी वक्त कहीं भी सामने आ सकते हैं। ये सिस्टम इंफ्रारेड सेंसर और जुगाड़ से तैयार मिसाइल सिस्टम जैसे आर-73 और आर-27 एयर-टू-एयर मिसाइलों को ज़मीन से दागने में सक्षम हैं। स्थानीय तौर पर इन्हें 'थाक़िब-1' और 'थाक़िब-2' कहा जाता है। इसके अलावा हूतियों के पास सक्र नामक मिसाइलें भी हैं जो ईरानी तकनीक पर आधारित हैं और दुश्मन को हवा में लंबे समय तक ट्रैक कर सकती हैं।

यमन के हूती विद्रोहियों ने ऐसे खतनाक एयर डिफेंस नेटवर्क को तैयार करने का दावा किया है, जिससे उसने अब दुनिया की सबसे आधुनिक और महंगी लड़ाकू विमान तकनीक भी खतरे में डाल दिया। हाल ही में एक अमेरिकी स्न-35 स्टील्थ फाइटर और कुछ एफ-16 जेट्स हूती मिसाइलों की जद में आ गए और एफ-35 बाल-बाल बचा।

यह घटना तब हुई जब अमेरिका ने यमन में हूती ठिकानों पर ऑपरेशन 'रफ राइडर' के तहत बड़े पैमाने पर हवाई हमले तेज किए। हूतियों ने जवाब में ऐसे एयर डिफेंस सिस्टम का इस्तेमाल किया, जो भले ही पारंपरिक न हो, लेकिन बेहद घातक और अप्रत्याशित साबित हो रहे हैं।

'द वॉर जोन' ने 15 मई को छपि रिपोर्ट में दावा किया है कि घटना हाल ही के दिनों ही बताई जा रही है, जब अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने यमन पर ताबड़तोड़ हमले कर रही थी। अमेरिकी लड़ाकू विमान हवा में थे और हूतियों के एयर डिफेंस की जद में आ गए। हालांकि एफ-35 बाल-बाल बचा। इससे पहले हूतियों ने अमेरिका के 20 प्रीडेटर ड्रोन को मार गिराने का दावा भी किया था।

एफ-35 की फुर्तीली भी नहीं आई काम

एफ-35 को दुनिया का सबसे उन्नत स्टील्थ फाइटर माना जाता है। इसमें एन/एएसक्यू -239 इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, ईसा रडार और टो किए गए डिकॉय सिस्टम लगे हैं। लेकिन हूतियों के जुगाड़ी लेकिन लगातार सतर्क एयर डिफेंस नेटवर्क ने इसे भी चुनौती दे दी।

विशेषज्ञ मानते हैं कि जब एफ-35 अपने बमबारी मिशन के दौरान इंटरनल वेपन बे खोलता है, तब उसकी लो-ऑब्ज़रवेबिलिटी (न दिखने की क्षमता) कुछ पलों के लिए कम हो जाती है और यहीं से खतरा शुरू होता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने शांति स्थापित कराने का झूठा दावा किया : खामेनेई

तेहरान, (आईएएनएस)। ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाल में किए उस दावे को 'झूठा' करार दिया है। ट्रंप ने कहा था कि वह शांति सुनिश्चित करने के लिए अपने 'पावर' का इस्तेमाल करना चाहते हैं। खामेनेई ने तीखा प्रहार करते हुए कहा कि गाजा पट्टी में हो रही हत्याओं को ट्रंप प्रशासन का समर्थन प्राप्त है।

अयातुल्लाह अली खामेनेई ने शनिवार को तेहरान में शिक्षकों के साथ एक बड़ी बैठक की। इस बैठक में उन्होंने पश्चिम एशिया के अपने दौरे के दौरान क्षेत्र में शांति की स्थापना के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया दी।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ईरना के अनुसार, शनिवार को तेहरान में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियां वक्ता और अमेरिकी राष्ट्र दोनों का अपमान हैं।ईरानी नेता ने कहा, ट्रंप ने कहा कि वह शांति के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करना चाहते हैं और यह उन्होंने झूठ बोला। उन्होंने, अन्य अमेरिकी अधिकारियों और अमेरिकी प्रशासन ने गाजा में हत्याओं को पूरा समर्थन दिया, उन्होंने किसी भी स्थान पर युद्ध भड़काने और अपने भाड़े के सैनिकों का समर्थन करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया है। अली खामेनेई ने इजरायल पर दिए अपने पूर्व के बयानों को दोहराया और उसे क्षेत्र का घातक और खतरनाक कैंसर बताते हुए उखाड़ फेंके जाने की आवश्यकता बताई। एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विश्वास जताया कि क्षेत्रीय देशों के दृढ़ संकल्प और प्रयासों के साथ, अमेरिका को इस क्षेत्र को अवश्य छोड़ना चाहिए इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में स्थित तीन खाड़ी अरब देशों - सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया था।

वर्ग पहेली 6917

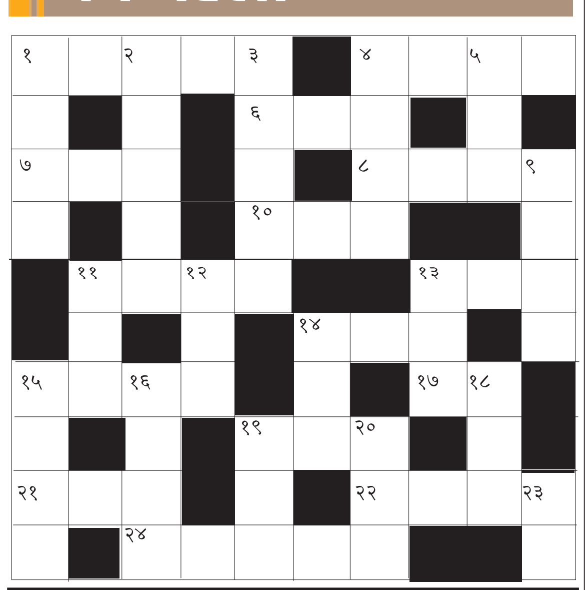

बायें से दायें:

१. दुर्गा, लक्ष्मी
४.मन की ताकत
६. खारा, नमकीन
७. विक्षिप्त (उर्दू)
८. अंगड़ाई, बदला, प्रतिफल, दंड ,कष्ट ,हानि (उर्दू)
१०. अन्यथा (उर्दू)
११. बांस की तिलियोंका बना परदा,(उर्दू)
१३. किसी गीत के मुखड़े के अतिरिक्त अन्य पद
१४. असंगत, अशिष्ट, भद्दा (उर्दू)
१५. मृतप्राय, जो मरने के निकट हो
१७. तनिक, थोड़ा, (उर्दू)
१९. रक्तपान करने वाला
२१. उचित, ठीक जरूरी (उर्दू)
२२. संदेशवाहक (उर्दू)
२४. राजाओं का निवास

ऊपर से नीचे:-

१. साथ पढ़ने वाला
२. शुभ समय
३. पांडवों को जीवित जला देने के लिए बनाया गया लाख का महल
४. मदिरालय (उर्दू)
५. श्रेष्ठ, उत्तम
९. केसर (उर्दू)
११.चमड़े, मांस,चरबी के जलने से निकलने वाली दुर्गंध
१२. शराब
१३. अनुमान हाव-भाव (उर्दू)
१४. असमय (उर्दू)
१५. जिसका निवारण न किया जा सके अटल अत्यावश्यक
१६. कब्र, मज़ार (उर्दू)
१८. राई, सरसों
१९. दया, कृपा (उर्दू)
२०. शुरुआत
२३. रहस्य, भेद, गुप्त बात (उर्दू)

वर्ग पहेली-6916

यूसुफ क़ुरैशी, मो. 8109948408

कवायद *कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद पर्यटन को बढ़ावा देने की कवायद तेज*

अमरनाथ यात्रियों के कांधों पर होगा पर्यटन का दारोमदार

जम्मू, (देशबन्धु)। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने कश्मीर के टूरिज्म को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। ऐसे में प्रशासन और सरकार मानते हैं कि टूरिस्टों को कश्मीर तक पुनः खींच कर लाने में वक्त लगेगा इसलिए वे इस बार की अमरनाथ यात्रा पर ध्यान देने लगे हैं। सरकार का मानना है।

कि अमरनाथ यात्रियों को ही पर्यटकों के तौर पर कश्मीर में घूमने के लिए मनाया जाएगा। दूसरे शब्दों में कहें तो इस बार की अमरनाथ यात्रा बहुत खास होगी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसकी पुष्टि की है कि युद्ध के कारण कश्मीर के पर्यटन पर काफी बुरा असर पड़ा है और सरकार अब अमरनाथ यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर रही है तथा यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वार्षिक तीर्थयात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पर्यटन पर काफी बुरा असर पड़ा है तथा इस गर्मी के मौसम में यहां शायद ही कोई पर्यटक आ रहा है। उन्होंने कहा कि हम अब अमरनाथ यात्रा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं तथा यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रत्येक तीर्थयात्री यहां से सुरक्षित और स्वस्थ होकर जाए। वे कहते थे कि हम दुर्घटना रहित वार्षिक तीर्थयात्रा चाहते हैं तथा बाद में हम पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कर सकते हैं, इस पर विचार करना शुरू करेंगे। इस बीच पशुपालन विभाग तथा श्रम विभाग अनंतनाग द्वारा श्री अमरनाथ जी यात्रा के लिए पहलगाम स्थित नुनवान बेस कैंप में टट्टुओं तथा उनके मालिकों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है जो 7 मई से पहले ही संपन्न हो चुकी है। जानकारी के लिए इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को दोनों मार्गों-अनंतनाग जिले में पहलगाम ट्रैक तथा गंदरबल जिले में बालटाल से एक साथ शुरू होने वाली है। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर होगा। दूसरी ओर आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा 2025 की व्यवस्थाओं का आकलन करने के लिए उपायुक्त राजेश शर्मा की देखरेख में डीसी कार्यालय सांबा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त चंपा देवी ठाकुर ने की, जिसमें एडीसी जगदीश सिंह भी मौजूद थे।

■ तीन जुलाई से अमरनाथ यात्रा का होगा आगाज

इस बैठक में ठहरने के लिए बनाए गए केंद्रों की तैयारी, पेयजल की उपलब्धता, बिजली आपूर्ति, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाएं और यातायात प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया। एडीडीसी चंपा देवी ठाकुर ने विभागों से प्रभावी समन्वय करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि यात्रा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक सुविधाएं अच्छी तरह से उपलब्ध हों।

खेल जगत

बरार ने पत्नी को समर्पित किया 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 22 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पंजाब किंग्स के गेंदबाज हरप्रीत बरार ने अपना 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार पत्नी को समर्पित किया है। आज यहां राजस्थान रॉयल्स को 10 रन से शिकस्त देने के बाद प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंची पंजाब किंग्स के 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने हरप्रीत बरार ने कहा कि मैं बेहद खुश हूं। मैं यह पुरस्कार अपनी पत्नी को समर्पित करना चाहता हूं क्योंकि यह शादी के बाद मेरा पहला पुरस्कार है। हमने बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए बहुत अभ्यास किया है और पोंटिंग सर ने भी हमें कहा था कि एक लेफ्टी, लेफ्टी को आउट कर सकता है। जिस तरह से विकेट खेल रही थी और वह बल्लेबाजी कर रहे थे, हमारी योजना यही थी कि हम उन्हें खराब गेंद ना करें। सुनील जोशी सर के साथ बहुत काम आया है और उन्हें मुझे क्रीज का इस्तेमाल करने और बल्लेबाज को रीड करने में मेरी बेहद मदद की है।

रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को 10 रनों से हराया

- पंजाब किंग्स की यह लगातार तीसरी जीत है
- अंक तालिका में दूसरे स्थान पर और प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंची

जयपुर, 18 मई (एजेंसियां)। नेहाल वढेरा (70) और शशांक सिंह (नाबाद 59) की विस्फोटक अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पंजाब किंग्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 60वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 10 रनों से हरा दिया। पंजाब किंग्स की यह लगातार तीसरी जीत है और वह अंक तालिका में दूसरे स्थान पर और प्लेऑफ की दहलीज पर पहुंच गई है।

और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने विस्फोटक बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए पहले विकेट की साझेदारी में ओवर में 76 रन जोड़ डाले। हरप्रीत बराड़ ने पांचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउटकर पंजाब को पहली सफलता दिलाई। वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंदों में चार चौके और चार छक्के लगाते हुए (40) रनों की पारी खेली। इसके बाद नौवें ओवर में हरप्रीत ने यशस्वी जायसवाल को आउटकर राजस्थान को संकट में डाल दिया। यशस्वी जायसवाल ने 25 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (50) रन बनाये। राजस्थान का तीसरा विकेट संजू सैमसन 16 गेंदों में (20) के रूप में गिरा।उन्हें ओमरजई ने आउट किया। 14वें ओवर में हरप्रीत ने रियान पराग (13) को बोल्ड कर मैच में रोमांच भर दिया। इसके बाद ध्रुव जुरेल और शिमरॉन हेटमायर ने पारी को संभालने का प्रयास किया। ओमरजई ने 18वें ओवर की दूसरी गेंद पर हेटमायर (11) को अपना शिकार बना लिया। 20वें ओवर में मार्को यानसन ने पहले ध्रुव जुरेल 31 गेंदों में (53) और अगली ही गेंद पर वानिंदु हसरंगा (शून्य) को अपना शिकार बनाकर राजस्थान के मुंह से जीत छीन ली। राजस्थान रॉयल्स की टीम निर्धारित 20 ओवरा में सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी और मुकाबला 10 रनों से हार गई। इसी के साथ पंजाब किंग्स प्लेऑफ की दहलीज पर पर पहुंच है, अगर शाम काम मैच गुजरात जीत जाती है तो पंजाब, आरसीबी और गुजरात टाइटंस प्लेऑफ में पहुंच जायेगी। पंजाब किंग्स की ओर से हरप्रीत बराड़ ने तीन विकेट लिये। अजमतउल्लाह ओमरजई और मार्को यानसन को दो-दो विकेट मिले।

श्रेयस भाई और मैं, दोनों ने साथ में अच्छा खेला: वढेरा

जयपुर। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज नेहाल वढेरा ने रविवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल 2025 के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 219/5 रन बनाने के बाद टीम की बल्लेबाजी इकाई को इसका श्रेय दिया। वढेरा पंजाब के विशाल स्कोर के उत्प्रेरक थे क्योंकि उन्होंने 37 गेंदों में पांच छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 70 रनों की पारी खेली और कप्तान श्रेयस अय्यर और शशांक सिंह के साथ दो पचास से अधिक की साझेदारी भी की। यह वढेरा का सीजन का दूसरा अर्धशतक था। अय्यर ने 30 रनों की पारी खेली जबकि शशांक ने 27 गेंदों में अर्धशतक बनाया, जो सीजन का उनका दूसरा अर्धशतक था।शशांक तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 59 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई नौ गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों ने आखिरी चार ओवरों में 60 रन जोड़कर पंजाब को दोपहर के मैच में विशाल स्कोर तक पहुंचाया। वढेरा ने मध्य पारी के ब्रेक के दौरान कहा कि आज वहां बल्लेबाजी करना शानदार रहा। मुझे लगता है कि श्रेयस भाई और मैंने मिलकर अच्छा खेला। मुझे लगता है कि इस विकेट पर 220 रन का स्कोर बहुत अच्छा है।

केकेआर प्लेऑफ से बाहर, फिंच ने कहा अपनी हालत के खुद जिम्मेदार हैं नाइटराइडर्स

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्लेऑफ में पहुंचना अब नामुमकिन हो गया है, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर आरोन फिंच का मानना है कि अपनी इस हालत के लिए खुद केकेआर ही जिम्मेदार है। शनिवार का मैच केकेआर के लिए बहुत जरूरी था। अगर वे अपने दोनों बचे हुए मैच जीतते, तो उनके 15 अंक हो सकते थे। साथ ही, उन्हें बाकी मैचों के नतीजों में भी मदद की जरूरत थी और नेट रन रेट भी बेहतर करना था। लेकिन बारिश की वजह से मैच रद्द होने पर उन्हें सिर्फ 1 अंक मिला। अब उनके 13 मैचों में कुल 12 अंक ही हैं। फिंच ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि केकेआर की शुरुआत ही अच्छी नहीं हुई। आंद्रे रसेल जैसे मैच जिताने वाले खिलाड़ी को ज्यादातर मैचों में नीचे के क्रम में भेजा गया, जिससे उन्हें मैच पर प्रभाव डालने का पूरा मौका नहीं मिला। टीम की हार के लिए केकेआर खुद ही जिम्मेदार है। फिंच ने 7 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार को अहम बताया।

केकेआर ने शिवम को किया शामिल

कोलकाता। गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2025 के शेष मैचों के लिए वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोवमैन पॉवेल की जगह मध्य प्रदेश के मिस्ट्री स्पिनर शिवम शुक्ला को शामिल किया है, जिसकी घोषणा रविवार को फ्रेंचाइजी ने की। यह कदम इस बात की पुष्टि के बाद उठाया गया है कि पॉवेल, इंग्लैंड के मोईन अली के साथ, चिकित्सा समस्याओं के कारण शेष सत्र के लिए वापस नहीं आएंगे। केकेआर ने एक बयान में कहा कि रोवमैन एक प्रक्रिया से गुजर रहे हैं, क्योंकि आईपीएल 2025 का सत्र थोड़े समय के निलंबन के बाद शनिवार को फिर से शुरू हुआ।

केकेआर के खिलाफ मैच रद्द होने के बाद आरसीबी ने टिकट रिफंड की घोषणा की

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने मैच के लिए टिकट रिफंड की घोषणा की है, जिसे शनिवार को लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया था।(फ्रेंचाइजी ने एक बयान में कहा कि चूंकि 17 मई 2025 को आरसीबी और केकेआर के बीच मैच खराब मौसम के कारण रद्द कर दिया गया था, इसलिए सभी वैध टिकट धारक पूर्ण रिफंड के पात्र हैं। डिजिटल टिकट धारकों को टिकट बुक करने के लिए इस्तेमाल किए गए उनके मूल खाते में 10 कार्य दिवसों के भीतर रिफंड जारी किया जाएगा। यदि आपको 31 मई तक रिफंड नहीं मिलता है, तो कृपया मामले को आगे बढ़ाने के लिए बुकिंग विवरण के साथ refund@ticketgenie.in पर एक ईमेल भेजें।

आईपीएल की रात को सफेद कपड़ों में आए प्रशंसकों ने एक खूबसूरत इशारा किया: मांजरेकर

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल मैच के दौरान प्रशंसकों द्वारा की गई दिल को छू लेने वाली श्रद्धांजलि की सराहना की, जहां प्रशंसक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद विराट कोहली को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए थे। शनिवार शाम को बेंगलुरु का एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम सफेद रंग के समुद्र में तब्दील हो गया, क्योंकि प्रशंसकों ने कोहली के शानदार टेस्ट करियर को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रतिष्ठित नंबर 18 वाली सफेद जर्सी पहनी थी। हार्दिक इशारा एक विनम्र प्रशंसक अभियान के रूप में शुरू हुआ - एक साधारण सोशल मीडिया पोस्ट जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के समर्थकों से आरसीबी बनाम केकेआर मुकाबले में विराट कोहली की सफेद जर्सी पहनने का आग्रह किया गया, जो हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास के सम्मान में था। एक छोटे से विचार के रूप में शुरू हुआ यह विचार जल्द ही एक शक्तिशाली आंदोलन में बदल गया, क्योंकि प्रशंसक एक ऐसे खिलाड़ी की विरासत का जश्न मनाने के लिए एकजुट हुए, जिसने लाल गेंद के खेल को अपना सब कुछ दे दिया। मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि विराट कोहली के लिए प्रशंसकों का जो प्यार है, वह कुछ खास है। यह एक आईपीएल नाइट मैच था, और प्रशंसक भारतीय क्रिकेट इतिहास के एक पल को याद करने के लिए सफेद कपड़े पहने हुए आए थे। यह एक सुंदर इशारा है। पांच साल तक, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को देखने लायक और अधिक लोकप्रिय बनाया। हम अक्सर कहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी खेल से बड़ा नहीं है, लेकिन ऐसे समय में जब टेस्ट क्रिकेट प्रशंसकों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा था, विराट ने इसे वह ध्यान दिया जिसकी इसे सख्त जरूरत थी। उन्होंने कहा कि वह अभी भी आईपीएल में खेल रहे हैं, लेकिन उनमें हमेशा टेस्ट क्रिकेट को जीवित रखने की इच्छा थी।

करो या मरो के मुकाबले में हैदराबाद से भिड़ेगी लखनऊ

- एसआरएच के पास ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की आक्रामक सलामी जोड़ी है
- किशन की तरह ऋषभ पंत का भी फॉर्म इस सीजन कुछ खास नहीं रहा है

लखनऊ, 18 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के 61वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) का सामना मेजबान लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा। जहां एसआरएच की टीम प्रतियोगिता से पहले ही बाहर हो चुकी है, वहीं एलएसजी को अब हर मैच जीतने के साथ-साथ दूसरे परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। आइए देखते हैं इस मैच से जुड़ी हुई कुछ अहम बातें और आंकड़ें। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल पांच मुकाबले हुए हैं, जिसमें एलएसजी का पलड़ा 4-1 से भारी है। वहीं इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच अब तक कोई मैच नहीं हुआ। इकाना की पिच की बात की जाए तो यहां पर इस साल दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आने वाली टीम का पलड़ा भारी रहा है और उन्होंने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं। तो कोई भी टीम यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। एसआरएच के पास ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की आक्रामक सलामी जोड़ी है, लेकिन शुरुआती मैचों को छोड़ दिया जाए तो इस जोड़ी ने निराश ही किया है। इस मैच में भी यह निराशा कायम रह सकती है क्योंकि एलएसजी के स्ट्राइक गेंदबाज आवेश खान और शार्दुल ठाकुर इस जोड़ी को परेशान करते हैं। आवेश ने इन दोनो बल्लेबाजों को दो-दो बार आउट किया है, जबकि अभिषेक तो आवेश पर सिर्फ 64 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। ठाकुर ने अभिषेक को आईपीएल मैचों में तीन बार आउट किया है, जबकि इस दौरान अभिषेक का स्ट्राइक रेट उनके खिलाफ 106 का रहा है। ठाकुर एसआरएच के फिनिशर हेनरिक क्लासेन को भी पांच टी20 पारियों में दो बार आउट कर चुके हैं।

इशान किशन ने इस सीजन की शुरुआत विस्फोटक शतक के साथ की थी, लेकिन उसके बाद उनका फॉर्म कुछ खास नहीं रहा है। इसके बाद उनकी नौ पारियों में छह बार उनका स्कोर दहाई के स्कोर तक भी नहीं पहुंचा है, जबकि आठ बार वह 20 के स्कोर को नहीं पार कर सके हैं। किशन का यह निराशाजनक फॉर्म इस मैच में भी जारी रह सकता है, क्योंकि एलएसजी के स्टार लेग स्पिनर रवि बिश्नोई उन्हें सात आईपीएल पारियों में चार बार आउट कर चुके हैं, जबकि किशन का इस दौरान स्ट्राइक रेट सिर्फ 92 का रहा है। किशन को इसके अलावा आकाश दीप भी परेशान करते हैं, जिन्होंने दो आईपीएल पारियों में किशन को दो बार आउट किया है, जबकि किशन इस दौरान आकाश पर 91 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

किशन की तरह ऋषभ पंत का भी फॉर्म इस सीजन कुछ खास नहीं रहा है और वह 10 पारियों में सिर्फ 99.22 के स्ट्राइक रेट और 12.80 की औसत से 128 रन बना पाए हैं, जिसमें एक 63 का भी स्कोर शामिल है।

इस मैच में भी वह निराश कर सकते हैं क्योंकि एसआरएच के मिडिल और डेथ ओवर स्पेशलिस्ट हर्षल पटेल ने उन्हें पांच पारियों में तीन बार आउट किया है।इसके अलावा जयदव उनादकट ने भी पंत को पांच पारियों में दो बार आउट किया है, जबकि कमिंस ने पंत को सिर्फ एक बार आईपीएल में आउट किया है, लेकिन पंत, कमिंस पर सिर्फ 103 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं।

सार संक्षेप

वेगा के दोहरे गोल से टोलुका, मैक्सिको लीगा के फाइनल में

मेक्सिको सिटी। एलेक्सिस वेगा के दो शानदार गोल की बदौलत डेपोर्टिवो टोलुका फुटबॉल क्लब ने रविवार को टाइग्रेस यूएएनएल पर 3-0 से जीत दर्ज मैक्सिको की लीगा एमएक्स क्लॉसुरा फाइनल में जगह बना ली है। नेमेसियो डाइज स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में मेजबान टीम टोलुका के लिए 18वें मिनट में वेगा ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 78वें मिनट में एड्गर लोपेज ने वेगा के पास पर दो डिफेंडरों को कुशलता से चकमा देते हुए टीम के लिए दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। वेगा ने 82वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से एक शक्तिशाली शॉट के जरिए अपना दूसरा गोल किया। इसी के साथ स्कोर 3-0 के साथ मुकाबले में अपनी जीत सुनिश्चित की। पहले चरण में दोनों टीमों के बीच 1-1 से बराबरी के बाद टोलुका को कुल मिलाकर 4-1 से जीत मिली। टोलुका का मुकाबला 22 और 25 मई को होने वाले दो चरणीय फाइनल में क्लब अमेरिका या क्रूज अजुल के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा।

जीएसटी जन जागरुकता को लेकर हुई साइकिल मैराथन

देहरादून। केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) लागू होने की आठवीं वर्षगांठ एक जुलाई से पूर्व रविवार को देहरादून में जन जागरुकता के लिए एक साइकिल मैराथन का आयोजन किया गया। फिटनेस और कार्यबल के बीच एकता की भावना और देश में जीएसटी के कार्यान्वयन के महत्व के प्रति लोगों को जागरुक करने उद्देश्य से आज सुबह 6:30 बजे महाराणा प्रताप चौक से आठवें जीएसटी दिवस की थीम 'जीएसटी के आठ वर्ष : करों का सरलीकरण और नागरिकों का सशक्तिकरण' के संदेश से मैराथन शुरू हुई। जीएसटी के प्रधान आयुक्त शुभ चिंतन ने मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। लगभग पांच किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यह साइकिल मैराथन माल देवता रोड पर संपन्न हुई। मैराथन में अपर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता एवं नितिन वापा, संयुक्त आयुक्त विवेकानंद मौर्य के नेतृत्व में सभी सीजीएसटी आयुक्तालय, देहरादून तथा लेखा परीक्षा कार्यालय, देहरादून के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

पाओलिनी ने गॉफ को हराकर ऐतिहासिक रोम खिताब जीता

इटैलियन इंटरनेशनल

रोम (इटली), 18 मई (एजेंसियां)। घरेलू पसंदीदा जैस्मीन पाओलिनी ने शनिवार को इंटरनैशनली बीएनएल डी इटालिया में इतिहास रच दिया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि चार दशकों में पहली बार, इटैलियन इंटरनेशनल के पास महिला एकल में इतालवी चैंपियन है। पाओलिनी ने रोम में पक्षपातपूर्ण भीड़ को रोमांचित कर दिया, क्योंकि नंबर 6 सीड पाओलिनी ने कैम्पो सेंट्रल में फाइनल में नंबर 4 सीड कोको गॉफ को 6-4, 6-2 से हराकर ऐतिहासिक खिताब जीता। पाओलिनी 40 साल पहले 1985 में राफैला रेगी के बाद अपने देश के सबसे बड़े आयोजन में जीत हासिल करने वाली पहली महिला हैं। इसके अलावा, रेगी ने खिताब तब जीता जब यह आयोजन टोरंटो में आयोजित किया गया था, जिसका अर्थ है कि पाओलिनी ओपन एरा (1968 से) के दौरान अपनी राष्ट्रीय राजधानी रोम में इंटरनैशनली बीएनएल डी इटालिया खिताब जीतने वाली पहली महिला थीं। इस प्रकार वह ओपन एरा में रोम के फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी इतालवी महिला बन गईं, जिन्होंने पहले सेट में 4-1 से पिछड़ने के बाद, दो सेट पॉइंट बचाते हुए, 1 घंटे और 39 मिनट में पीटन स्टर्न्स को 7-5, 6-1 से हराया। दो शीर्ष-5 खिलाड़ियों के बीच शिखर संघर्ष में, पाओलिनी को गॉफ को हराने और 2024 में दुबई में अपनी जीत के बाद अपना दूसरा करियर डब्ल्यूटीए 1000 खिताब हासिल करने के लिए केवल 1 घंटे और 29 मिनट की आवश्यकता थी। यह पाओलिनी का कुल मिलाकर तीसरा डब्ल्यूटीए एकल खिताब है - और क्ले पर उनका पहला। गॉफ ने अपने करियर की पहली दो भिड़ंत जीतीं, लेकिन वे हार्ड कोर्ट पर थीं, और पाओलिनी ने क्ले पर अपनी प्रतिद्वंद्विता पर नियंत्रण कर लिया है। पाओलिनी ने पिछले महीने स्टटगार्ट में इनडोर क्ले पर गॉफ को पहली बार हराया था और अब उन्होंने रोम में मिट्टी पर उस जीत को बरकरार रखा है, जिससे उनका कुल हेड-टू-हेड 2-2 हो गया है। अब पाओलिनी के सोमवार को विश्व नंबर 4 की अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर लौटने का अनुमान है, जो रौलां गैरो सीडिंग में संभावित शीर्ष 4 स्थान के लिए समय है। इस बीच, गॉफ सोमवार को नंबर 2 की अपनी करियर की सर्वोच्च रैंकिंग पर वापस आ जाएंगी।

> पाओलिनी 1985 में राफैला रेगी के बाद अपने देश के सबसे बड़े आयोजन में जीत हासिल करने वाली पहली महिला हैं

मोतिहारी के रवि यादव ने तलवारबाजी में जीता कांस्य पदक

- थोड़ी सी चूक के कारण हम लोग गोल्ड मेडल लाने से चूक गए : रवि यादव

पटना, 18 मई (एजेंसियां)। बिहार में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मोतिहारी के रवि यादव ने तलवारबाजी प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर चंपारण का मान सम्मान बढ़ाया है वहीं बिहार से चयनित 24 खिलाड़ियों में मात्र एक खिलाड़ी ने ही मेडल लाकर बेहतर खेल का प्रदर्शन किया है। राजगीर में आयोजित खेलो इंडिया प्रतियोगिता में मोतिहारी से तलवारबाजी के लिए काफी संख्या में खिलाड़ियों का चयन किया गया था लेकिन रवि कुमार यादव ने कई खिलाड़ियों को हराकर कांस्य पदक जीतने का काम किया। रवि यादव ने कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताई है लेकिन वर्ल्ड चैंपियनशिप में एक बार फिर शामिल होकर देश के लिए गोल्ड मेडल लाने का उम्मीद भी दिखाई है। रवि यादव ने कहा कि थोड़ी सी चूक के कारण हम लोग गोल्ड मेडल लाने से चूक गए लेकिन आने वाले समय में वर्ल्ड चैंपियनशिप में हम बेहतर परफॉर्म करेंगे। पूर्वी चम्पारण तलवारबाजी संघ के सचिव अप्पू कुमार ने कहा कि थोड़ी सी चूक के कारण हमारे खिलाड़ी गोल्ड मेडल नहीं लाये लेकिन आने वाले समय में वर्ल्ड चैंपियन के साथ-साथ कई खेल के आयोजन होने है जिसमें हमारे खिलाड़ी बेहतर परफॉर्म करेंगे, ऐसा हम सभी को उम्मीद है।

छेत्री ने बेंगलुरु में महिला राष्ट्रीय शिविर का दौरा किया

> यह एक अद्भुत अनुभव है पिछली बार जब मैं इस टीम से मिला था, तब से अब इसमें बहुत ज्यादा पुराने चेहरे नहीं बचे हैं, जो बताता है कि मैं कितना उम्रदराज हो गया हूं : सुनील छेत्री

बेंगलुरु, 18 मई (एजेंसियां)। सीनियर पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने यहां महिला राष्ट्रीय शिविर का दौरा किया और टीम ने फारवर्ड को सभी टीम सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित एक भारतीय किट भी भेंट की। छेत्री ने महिला टीम के लिए कुछ उत्साहवर्धक शब्द कहे, क्योंकि वे अगले महीने होने वाले एएफसी महिला एशिया कप 2026 क्वालीफायर की तैयारी कर रही हैं। क्रिस्पिन छेत्री द्वारा प्रशिक्षित सीनियर महिला राष्ट्रीय टीम वर्तमान में बेंगलुरु में पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण ले रही है, और शहर में 29 मई और 3 जून को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो फीफा महिला अंतर्राष्ट्रीय मैत्री मैच भी खेलेगी। हालांकि यह पहली बार नहीं था जब छेत्री ने महिला टीम का दौरा किया, लेकिन उन्होंने शिविर में कई नए चेहरों को देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। छेत्री ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुभव है। पिछली बार जब मैं इस टीम से मिला था, तब से अब इसमें बहुत ज्यादा पुराने चेहरे नहीं बचे हैं, जो बताता है कि मैं कितना उम्रदराज हो गया हूं। यहां सभी युवा खिलाड़ी हैं, और मुझे उनके बारे में मुख्य कोच से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने कहा कि हर कोई खुश और खुश दिख रहा था। उन्हें उज्बेकिस्तान और फिर एशिया कप क्वालीफायर में कुछ अच्छे दोस्ताना मैच खेलने हैं, और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। मैं बस यही चाहता हूं कि वे खुश रहें, एक साथ सहज महसूस करें और अपने प्रशिक्षण का आनंद लें। ग्रुप बी में शामिल भारतीय महिला टीम 23 जून को थाईलैंड के चियांग माई में मंगोलिया के खिलाफ अपने एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत करेगी, जिसके बाद वे तिमोर-लेस्ते (29 जून), इराक (2 जुलाई) और मेजबान थाईलैंड (5 जुलाई) से खेलेगी।

पोजिशन	टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	औसत
1-	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	12	8	3	17	+0.482
2-	पंजाब किंग्स	12	8	3	17	+0.389
3-	गुजरात टाइटंस	11	8	3	16	+0.793
4-	मुंबई इंडियंस	12	7	5	14	+1.156
5-	दिल्ली कैपिटल	11	6	4	13	+0. 362
6-	कोलकाता नाइट राइडर	13	5	6	12	+0.193
7-	लखनऊ सुपर जायंट्स	11	5	6	10	+0.469
8-	सनराइजर्स हैदराबाद	11	3	7	6	-1.192
9-	राजस्थान रॉयल्स	13	3	10	6	-0.701
10-	चेन्नई सुपर किंग्स	12	3	9	4	-0.922

कृषि जगत

अंगूर की खेती कैसे करें?

अंगूर एक महत्वपूर्ण और लाभकारी फसल है, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में इसे उगाया जाता है। इसकी खेती व्यवसायिक दृष्टिकोण से अत्यंत फायदेमंद होती है क्योंकि अंगूर का उपयोग ताजे फल के रूप में, सूखे मेवे (किशमिश), और वाइन (शराब) बनाने के लिए किया जाता है।

अंगूर की खेती में अच्छे उत्पादन के लिए उपयुक्त जलवायु, सही किस्मों का चयन और उचित खेती तकनीक का पालन आवश्यक होता है। अंगूर के पौधे अत्यधिक संवेदनशील होते हैं और उनकी देखभाल में समय और श्रम की आवश्यकता होती है। इसके बावजूद, सही प्रबंधन से इसकी खेती किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

भारत में अंगूर की खेती- भारत में अंगूर की खेती मुख्य रूप से महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, और राजस्थान में की जाती है। महाराष्ट्र अंगूर उत्पादन का सबसे बड़ा केंद्र है, विशेष रूप से नासिक और सांगली क्षेत्र इस फसल के लिए प्रसिद्ध हैं। इन क्षेत्रों में जलवायु और मिट्टी की स्थिति अंगूर की खेती के लिए अनुकूल मानी जाती है।

खेती का समय – अंगूर की खेती के लिए आदर्श समय नवंबर से फरवरी तक होता है। यह अवधि अंगूर के पौधों के विकास और अच्छे फलन के लिए अनुकूल मानी जाती है। अलग-अलग क्षेत्रों में अंगूर की रोपाई के समय में थोड़ा भिन्नता हो सकती है, लेकिन आमतौर पर शीतकालीन महीनों में अंगूर की बुआई की जाती है।

मौसम और जलवायु –अंगूर की खेती के लिए शुष्क और गर्म जलवायु उपयुक्त होती है। इसे उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय जलवायु में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। अंगूर के पौधों को गर्मियों में अधिक तापमान (30-35 °C) और सर्दियों में हल्की ठंड (10-15 °C) की आवश्यकता होती है। अत्यधिक बारिश और जलभराव पौधों के लिए हानिकारक हो सकते हैं, इसलिए अच्छे जल निकासी वाली जगहों पर अंगूर की खेती की जानी चाहिए।

खेत की तैयारी – अंगूर की खेती के लिए खेत की तैयारी में सबसे पहले खेत को गहरी जुताई कर मलबा, पत्थर आदि हटाना चाहिए। खेत में अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद या जैविक खाद का उपयोग करना चाहिए ताकि मिट्टी की उर्वरक क्षमता बढ़े। खेत की सतह समतल होनी चाहिए ताकि पौधों की जड़ों में समान रूप से पोषक तत्व और पानी पहुंच सके। खेत में रोपाई से पहले अंगूर के बागों की पंक्तियों को 2-3 मीटर की दूरी पर तैयार किया जाता है।

अंगूर की खेती के लिए मिट्टी का चयन – अंगूर की खेती के लिए अच्छे जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। हालांकि, इसे काली, लाल, या बलुई मिट्टी में भी उगाया जा सकता है, लेकिन मिट्टी की पीएच मान 6.5 से 7.5 के बीच होनी चाहिए। अत्यधिक अम्लीय या क्षारीय मिट्टी में अंगूर की खेती सफल नहीं होती।

अंगूर की बेस्ट किस्मों की जानकारी –

1. थॉमसन सीडलैस –यह बिना बीज वाले अंगूर की प्रमुख किस्म है, जो ताजे फल और किशमिश दोनों के लिए उपयुक्त है।
2. पेर्लेट –जल्दी पकने वाली किस्म, जिसे ताजे फलों के रूप में उपयोग किया जाता है।
3. शार्दोन – वाइन बनाने के लिए बेहतरीन किस्म, जिसे दुनिया भर में पसंद किया जाता है।
4. रूबीकॉन –यह किस्म बड़े आकार और मीठे स्वाद के लिए मशहूर है।
5. फ्लेम सीडलैस –मीठे और हल्के लाल रंग के अंगूर, ताजे फलों के रूप में लोकप्रिय।
6. कैबर्नेट सौविग्नॉन –वाइन के लिए मशहूर, गहरे लाल रंग और बेहतरीन स्वाद वाली किस्म।
7. डोगरिज़ –रूटस्टॉक के लिए उपयोग की जाने वाली किस्म, जिसमें बीमारियों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है।
8. कृष्णा सीडलैस –यह किस्म मुख्य रूप से ताजे फल और किशमिश के लिए उपयोग की जाती है।
9. सोनााका – लम्बे और बिना बीज वाले अंगूर, जिनका स्वाद मीठा होता है।
10. कार्निवल –यह किस्म बड़ी बेलों पर उगती है और ताजे फलों के लिए उपयुक्त होती है।

प्रति एकड़ पौधों की आवश्यकता – अंगूर की खेती में प्रति एकड़ 500 से 600 पौधे लगाए जा सकते हैं। पौधों की रोपाई के लिए उचित दूरी और पंक्तियों के बीच स्थान का ध्यान रखना आवश्यक है, जिससे पौधों के विकास में कोई बाधा न हो और प्रकाश व हवा का उचित आदान-प्रदान हो सके।

अंगूर के पौधों की रोपाई और दूरी –अंगूर की रोपाई का सही समय सर्दियों के अंत से लेकर वसंत ऋतु तक होता है, यानी नवंबर से मार्च के बीच। पौधों के बीच की दूरी 2.5 से 3 मीटर तक और पंक्तियों के बीच 3 से 4 मीटर की दूरी रखनी चाहिए। यह दूरी पौधों को बढ़ने के लिए पर्याप्त जगह देती है।

खाद और उर्वरक की प्रति एकड़ मात्रा –

अंगूर की फसल में प्रति एकड़ 10-12 टन सड़ी हुई गोबर की खाद का उपयोग करना चाहिए। इसके अलावा, नाइट्रोजन, फॉस्फोरस , और पोटाश की संतुलित मात्रा में उर्वरक देना चाहिए। फसल की आवश्यकता के अनुसार प्रति एकड़ 100-120 किग्रा नाइट्रोजन, 60-70 किग्रा फॉस्फोरस, और 80-100 किग्रा पोटाश डालना चाहिए।

मूंगफली की खेती की सम्पूर्ण जानकारी

मूंगफली एक महत्वपूर्ण तिलहन फसल है जिसका उपयोग तेल निकालने, खाद्य पदार्थों में और पशु आहार के रूप में और सीधे खाने के लिए भी किया जाता है। मूंगफली का पौधा नाइट्रोजन फिक्सेशन में सक्षम होता है, जिससे यह मिट्टी की उर्वरता को भी बढ़ाता है। मूंगफली की खेती का समय, बेस्ट किस्में, बीज दर, उर्वरक, खरपतवार, कीटों और रोगों का नियंत्रण की सम्पूर्ण जानकारी के बारें में ।

मौसम और जलवायु – मूंगफली की खेती के लिए गर्म और नम जलवायु सबसे बेस्ट मानी जाती है। इसे 20 °C से 30 °C तापमान की आवश्यकता और मूंगफली की फसल को अच्छी बारिश (500-1000 मिमी) की आवश्यकता होती है, लेकिन पानी का निकास अच्छा होना चाहिए।

खेत की तैयारी और मिट्टी –

1. मूंगफली की खेती के लिए बलुई दोमट मिट्टी, हल्की दोमट मिट्टी और जल निकास वाली मिट्टी को सबसे अच्छा माना जाता है।
2. मिट्टी का श्च॥ स्तर 6.0 से 7.5 के बीच होना चाहिए।
3. मूंगफली की खेती के लिए खेत की अच्छी तरह जुताई और समतलीकरण आवश्यक होता है।
4. खेत में दो-तीन बार गहरी जुताई करके मिट्टी को भुरभुरी बनाना चाहिए।
5. जुताई के बाद पाटा चलाकर खेत को समतल कर लेना चाहिए।
6. समतल करने के बाद प्रति एकड़ अनुसार 4 से 5 टन सड़ी हुई गोबर की खाद का उपयोग करें।

मूंगफली की खेती के लिए बेस्ट किस्मों की जानकारी –

किस्मों के नाम

किस्मों की विशेषताएं

TG-37- यह किस्म उच्च उपज देने वाली है, इसके पौधों की ऊँचाई मध्यम होती है। बीज का आकार मध्यम और एकसमान होता है, और परिपक्वता अवधि 115-120 दिनों की है।

JL-24 – इस किस्म की उपज अच्छी है, पौधों की ऊँचाई मध्यम है, और बीज का आकार बड़ा है। इसकी परिपक्वता अवधि 100-110 दिन है।

ICGV-91114- यह किस्म उच्च उपज प्रदान करती है और पौधों की ऊँचाई मध्यम है। बीज का आकार मध्यम होता है, और परिपक्वता 120-125 दिन है। इसकी विशेषता यह है कि यह सूखा सहनशील है।

K-134- इस किस्म की उपज अच्छी है, पौधों की ऊँचाई मध्यम है, और बीज का आकार बड़ा है। परिपक्वता अवधि 115-120 दिन है, और यह रोग प्रतिरोधक है।

Girnar 2- यह एक उच्च उपज वाली किस्म है, जिसमें पौधों की ऊँचाई मध्यम और बीज का आकार बड़ा होता है। इसकी परिपक्वता 120-125 दिन है, और यह सूखा सहनशील तथा रोग प्रतिरोधक है।

GG-20- इस किस्म की उपज बहुत अच्छी है, पौधों की ऊँचाई मध्यम है, और बीज का आकार बड़ा है। इसकी परिपक्वता अवधि 110-115 दिन है, और यह सूखा सहनशील है।

फसल में खाद और उर्वरक की मात्रा –

1. नाइट्रोजन (N) – 20-30 किलोग्राम प्रति एक?
2. फॉस्फोरस (P) – 40-50 किलोग्राम प्रति एक?
3. पोटाश (K)-30-40 किलोग्राम प्रति एक?
4. खाद और उर्वरक का प्रयोग बुवाई से पहले और बुवाई के 30-35 दिन बाद करें।
5. जैविक खाद जैसे कम्पोस्ट और गोबर की खाद का भी उपयोग करें।

खरपतवार की समस्या और नियंत्रण –

1. फसल बुवाई के 15 से 20 दिनों बाद समय-समय पर हाथ से निराई करें।
2. फसल बुवाई के पहले या फिर बुवाई के 48 घण्टे के अंदर या फिर तुरंत बाद यूपीएल दोस्त सुपर खरपतवारनाशी (पेंडिमेथालिन) 700 मिली प्रति एक? अनुसार उपयोग करें।
3. फसल बुवाई के 20 से 25 दिनों बाद – बीएएसएफ परस्यूट (इमेजेथापायर 10 प्रतिशत) खरपतवारनाशक का 400 मिली प्रति एक? अनुसार उपयोग करें।

फसल में कीटों की समस्या और नियंत्रण –

कीटों की समस्या

कीटनाशक का नाम

उपयोग मात्रा

सफेद लट

बायर लेसेंटा कीटनाशक

200 ग्राम प्रति एकड़

दीमक

उपयोग मात्रा

लीफ स्पॉट (पत्ती धब्बा रोग)

यूपीएल साफ फफूंदनाशी

300 ग्राम प्रति एक?

रस्ट रोग

इंडोफिल अवतार फफूंदनाशी

300 ग्राम प्रति एक?

सिंजेंटा रिडोमिल गोल्ड

300 ग्राम प्रति एक?

टिक्का रोग

क्रि स्टल बाविस्टिन फफूंदनाशी

250 ग्राम प्रति एकड़

उखटा रोग

आईएफएससी ट्रायको शील्ड

500 ग्राम प्रति एकड़

पाउडरी मिल्ड्यू

धानुका स्पेक्ट्रम फफूंदनाशी

300 मिली प्रति एकड़

फसल की कटाई और समय – मूंगफली की फसल की कटाई तब करें जब पत्तियां पीली हो जाएं और फली कठोर हो जाए। कटाई के लिए खेत को गीला करें और पौधों को उखाड़कर धूप में सुखाएं। मूंगफली की फसल का औसत उत्पादन 12-15 क्विंटल प्रति एकड़ होता है। उन्नत तकनीकों और बेहतर किस्मों के उपयोग से उत्पादन बढ़ सकता है।

चुकंदर की खेती के लाभ और इसके उत्पादन का तरीका

चुकंदर की खेती काफी लाभकारी हो सकती है। चुकंदर के गुणों के कारण ही इसकी बाजार मांग अच्छी बनी रहती है। चुकंदर खून बनाने में सहायक है। खून की कमी, एनीमिया, कैंसर, हृदय रोग, पित्ताशय विकारों, बवासीर, गुर्दे के विकारों जैसी समस्या को दूर करने में इसका उपयोग किया जाता है। इनके लाभों को देखते हुए चुकंदर की बाजार में मांग काफी अच्छी रहती है। उत्तरप्रदेश के हरदोई के किसान इसकी खेती करके काफी अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं। वे बताते हैं कि उनकी चुंकदर की फसल हाथो-हाथ खेत में ही बिक जाती है। इसके बाजार भाव भी अच्छे मिल रहे हैं। ऐसे में किसानों के लिए चुकंदर की खेती अच्छी इनकम दे रही है। आज हम ट्रैक्टर जंक्शन के माध्यम से आपको चुंकदर की खेती से संबंधित उपयोगी जानकारी के साथ ही चुकंदर की खेती कर रहे किसानों के अनुभव से आपको अवगत कराते हैं ताकि अन्य किसान भी इसका लाभ ले सकें।

चुकंदर हमारे स्वास्थ्य के लिए तो लाभदायक है ही, साथ ही इसकी खेती से खेत की मिट्टी की सेहत में भी सुधार होता है। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक ने शोध में पाया है कि इसकी खेती बंजर भूमि पर भी की जा सकती है और ऐसी भूमि की सिंचाई करके धीरे-धीरे उसे उपजाऊ भी बनाया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने शोध में पाया कि इसकी खेती ऊसर और बंजर भूमि पर भी की जा सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऊसर भूमि में चुकंदर का उत्पादन होने से भूमि की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। वैज्ञानिकों का दावा है कि लगातार खेत की सिंचाई होने से भूमि की ऊसर प्रकृति में सुधार होगा। चुकंदर में कुछ ऐसे तत्व निकलते हैं, जिससे ऊसर भूमि धीरे-धीरे ठीक हो जाती है।

चुकंदर का क्या है उपयोग- चुकंदर का प्रयोग लोग स्लाद के रूप में करते हैं। इतना ही नहीं इसका हलवा भी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। चुकंदर का ज्यूस खून बनाने में सहायक माना जाता है। इसे खाने से बहुत तेजी से खून की कमी पूरी होती है। एनिमिया रोगियों को डाक्टर चुकंदर खाने की सलाह देते हैं। वहीं चुकंदर के पत्तों को पशु चारे के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। ये पशुओं के लिए पोष्टिक होता है। इसके अलावा इसके पत्तों से खाद भी तैयार किया जाता है।

हरदोई के किसान कर रहे हैं इसकी खेती- उत्तप्रदेश के हरदाई जिले के किसान चुकंदर की खेती कर रहे हैं। इस समय बाजार में चुकंदर का भाव 60 रुपए प्रति किलो है। हालांकि भावों में थोड़ा बहुत उतार-चढ़ाव होता रहता है। जिले के एक किसान के अनुसार उनके क्षेत्र में मिट्टी भुरभुरी बलुई है, जिसमें वह काफी समय से चुकंदर की खेती कर रहे हैं, उनके द्वारा पैदा किया गया चुकंदर का आकार सुडौल और सही आकार का होता है। वे बताते हैं कि खेत पर ही व्यापारी आकर के चुकंदर की फसल को खरीद कर ले जाता है। उनके द्वारा पैदा किया गया चुकंदर बरेली लखनऊ कानपुर आगरा के अलावा दिल्ली तक जा रहा है। वह वैज्ञानिक विधि से चुकंदर की खेती काफी समय से कर रहे हैं। इससे उन्हें अच्छा उत्पादन मिल रहा हैं।

चुकंदर की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी – चुकंदर की खेती पूरे साल की जा सकती है। लेकिन इसकी बुवाई के लिए ठंडा मौसम अनुकूल रहता है। चुकंदर की खेती के लिए सबसे अच्छी मिट्टी दोमट व बलुई मिट्टी मानी जाती है। हालांकि ऊसर और बंजर जमीन पर भी इसकी खेती करने के प्रयास किए गए जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए।

चुकंदर की खेती के लिए ऐसे करें खेत की तैयारी- सबसे पहले खेत की गहराई से जुताई करनी चाहिए। इसके बाद में उसमें खरपतवार नियंत्रण कर के खेत में गोबर की खाद डालकर खेत को तैयार कर लें। क्यारी बनाकर मेड़ पर चुकंदर की बुवाई करने से फसल काफी अच्छी होती है। चुकंदर के बीजों को 2 सेंटीमीटर की गहराई में बोया जाना चाहिए। साथ ही करीब 10 सेंटीमीटर की दूरी पर बोए गए बीज से चुकंदर का कंद काफी अच्छा और विकसित प्राप्त होता है।

चुकंदर की खेती में ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

इसकी खेती के लिए खेत में हर समय नमी रहना आवश्यक होना जरूरी है। इसी कारण इसकी खेती ठंडे महीनों या नमी वाले क्षेत्र में अधिक की जाती है।

ठंडे तथा नमी वाले क्षेत्रों में उगाई गई चुकंदर की फसल में शक्कर की मात्रा काफी होती है।

ट्रैक्टर जंक्शन हमेशा आपको अपडेट रखता है। इसके लिए ट्रैक्टरों के नये मॉडलों और उनके कृषि उपयोग के बारे में एग्रीकल्चर खबरें प्रकाशित की जाती हैं। प्रमुख ट्रैक्टर कंपनियों जॉन डियर ट्रैक्टर, स्वराज ट्रैक्टर आदि की मासिक सेल्स रिपोर्ट भी हम प्रकाशित करते हैं जिसमें ट्रैक्टरों की थोक व खुदरा बिक्री की विस्तृत जानकारी दी जाती है। अगर आप मासिक सदस्यता प्राप्त करना चाहते हैं तो हमसे संपर्क करें।

अगर आप नए ट्रैक्टर, पुराने ट्रैक्टर, कृषि उपकरण बेचने या खरीदने के इच्छुक हैं और चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा खरीददार और विक्रेता आपसे संपर्क करें और आपको अपनी वस्तु का अधिकतम मूल्य मिले तो अपनी बिकाऊ वस्तु को ट्रैक्टर जंक्शन के साथ शेयर करें

कद्दू की उन्नत खेती, जानिए उन्नत किस्में, बुवाई का उचित समय और पैदावार के बारे में

भारत में कद्दू या काशीफल की खेती पुरातन काल से होती आ रही है। कददूवर्गीय सब्जियों में कददू एवं कुम्हड़ा का विशेष स्थान है। इसके कच्चे व पके हुए फलों से कई प्रकार की सब्जियां बनाई जाती हैं। उत्तर भारत में तो विवाह व त्यौहार आदि अवसरों पर इसकी सब्जी बनाने की प्रथा है। कद्दू कच्चा और पका फल सब्जी के लिए तथा पके फलों का मिठाई (पेठा) बनाने में प्रयोग होता है। कुम्हड़ा या कददू की एक किस्म मिष्ठान पेठा बनाने में प्रयुक्त होता है। इसके पके हुए फलों को साधारण ताप पर भी लम्बे समय तक रखा जा सकता है।

यही कारण है कि जिस समय बाजार में सब्जियों का अभाव रहता है उस समय भी यह उचित मूल्य पर उपलब्ध रहता है। इसकी कोमल पत्तियों तथा फूलों की भी पहाड़ी लोग स्वादिष्ट सब्जी बनाकर उपयोग में लाते हैं। इसके बीज चीनी / शक्कर के साथ मिलाकर फीताकृमि (टेपवर्म) से पीड़ित व्यक्तियों को खिलाते हैं।

इसके फलों का गूदा फुलटिस के रूप में फोडों और घाव पर बाँधा जाता है। इसकी सब्जी में सभी आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। कम लागत केराटीन की अधिक मात्रा तथा अच्छी भंडारण क्षमता के कारण ग्रीष्म कालीन ग्रत्रियों में काटत की पत्नी अधिक पसंद की जाती है।

काशीफल के 100 ग्राम खाने योग्य भाग में 92.5 ग्राम जल, 1.4 ग्राम प्रोटीन, 46 ग्राम कार्बोहाइड्रेटस, 0.1 ग्राम वसा तथा 0.6 ग्राम खनिज लवण पाये जाते हैं। कददू के अन्तर्गत तीन प्रजातियाँ काशीफल या समर स्क्वेश (कुकुरबिटा पीपो), विन्टर स्क्वेश छप्पन कददू (कुकरविटा मोस्चेटा) तथा कुकरबीटा मैक्सीमा आती है। काशीफल या समर स्क्वेश (कुकुरबिटा पीपो) में फलवृन्त गहराई तक उभार लिये होता है एवं फल में 5-8 धारियाँ होती हैं जबकि विन्टर स्क्वेश/शीतकालीन (कुकरविटा मोस्चेटा) में फलवृन्त से फल मजबूती से जुड़ा होता है तथा आमतौर पर फल पर 5 धारियाँ होती हैं तथा कुकरविटा मैक्सिमा में फलवृन्त बेलनाकार होता है तथा उसमें धारियाँ नहीं पायी जाती हैं।

1. ग्रीष्मकालीन (कुकरबिटा पीपो)

किस्में

काशीफल / कददू किस्में – पूसा अलंकार, पंजाब छप्पन कद्दू पूसा हाइब्रिड-1, काशी शुभांगी या वाराणसी छप्पन कद्दू नरेन्द्र उपहार, काशीहरित, नरेन्द्र अग्रिम, नरेन्द्र उपकार, नरेन्द्र आभूषण, नरेन्द्र अमृत, सरस, सुवर्णा, सूरज (के.ए.यू.), पी.ए.यू. मगज कददू-1 पंजाब सम्राट, पी.पी.एच-1, पी.पी.एच. तथा कल्याणपुर कद्दू -1 आदि ।

विदेशी किस्में – अर्सी यलो प्रोलिफिक, पैटीपेन, आस्ट्रेलियन ग्रीन भारत में पेटीपान, ग्रीन हब्बर्ड, गोल्डन हब्बर्ड, गोल्डन कस्टर्ड और यलो स्टेट नेक नामक किस्में भी छोटे स्तर पर उगाई जाती हैं

2. शीतकालीन (कुकरविटा मोस्चेटा) किस्में

अर्का सूर्यमुखी, अर्का चन्दन, पूसा बिश्वास, पूसा विकास, सी. ओ- 1 एवं 2 तथा अम्बिली।

विदेशी किस्में- भारत में बटरनट, ग्रीन हब्बर्ड, गोल्डन हब्बर्ड, गोल्डन कस्टर्ड और यलो स्टेट नेक, येलो कूकनेक, स्माल सुगर तथा केण्टुकीफील्ड नामक किस्में भी छोटे स्तर पर उगाई जाती हैं।

3. भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आई.आई.वी.आर.) से विकसित किस्में- काशी उज्जवल, काशी हरित, काशी सुरभि तथा काशी धवल ।

काशी शुभांगी छप्पन भोग कद्दू की 50-55 दिन में पहली तुड़ाई होती है। इसके अलावा यह लगातार 70 दिन तक फल देती है। छप्पन भोग कद्दू की औसत उपज 325-350 क्वि./ है. है। एक हेक्टेयर में 7000-7500 पौधे लगाए जाते हैं।

भूमि एवं उसकी तैयारी

काशीफल की खेती प्रायः सभी प्रकार की मृदा में की जा सकती है। अच्छी पैदावार लेने के लिए दोमट या बलुई दोमट भूमि जिसमें जीवांश की पर्याप्त मात्रा हो तथा उचित जल निकास वाली भूमि सर्वोत्तम रहती है। गंगा जमुना नदी के दोआब क्षेत्र की कछारी मिट्टी में भी उचित जीवांश मात्रा मिलाकर अच्छी खेती की जाती है। अधिक अम्लीय तथा क्षारीय भूमि इसकी खेती के लिए नुकसानदायक साबित होती है। 6.0 से 7.2 पी.एच. मान वाली भूमि में अच्छी उपज देती है। पहली गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से कर के दो से तीन जुताई देशी हल या हैरो से करते हैं। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरा और समतल करना चाहिए।

बीज के अंकुरण के समय भूमि का तापमान 18-20 डिग्री

सेन्टीग्रेड होना चाहिये तथा पौधे की वृद्धि एवं विकास हेतु 24-27 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान उपयुक्त रहता है।

पूर्वोत्तर प्रदेश में छप्पन कद्दू की बुवाई सितम्बर माह के द्वितीय पखवाड़े से लेकर नवम्बर के प्रथम पखवाड़े तक करें। लो टनल की सुविधा होने पर दिसम्बर माह में भी बुवाई की जा सकती है।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

अब भी जबलपुर, कटनी की आयुध निर्माणियां अलर्ट मोड पर

युद्ध विराम होने के बाद भी पहले की तरह फेक्ट्रियों में अवकाश पर रोक

जबलपुर, देशबन्धु। देश की सीमा में भले ही फिलहाल स्थिति नियंत्रण मे है, और भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हो गया है, लेकिन सेना के लिये गोला बारूद बनाने वाली आयुध निर्माणियों में अब भी कर्मियों की छुट्टी

निरस्त हैं। एक तरह से इन फेक्ट्रियों में अलर्ट की स्थिति है। पहले की तरह पूरी क्षमता के साथ फेक्ट्रियों में असलाह तैयार करने का काम जारी है।

गौरतलब है कि पिछले दिनों जिस तरह पहलगाम सामुहिक नरसंहार के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुये वहां सक्रिय आतंकवादी कैम्पों को नेस्तनाबूत करने के लिये कवायद शुरू की थी। इसके बाद दोनो देशों की सीमाओं पर माहौल तनाव पूर्ण हो गया था, हमारी देश की सेना ने शौर्य दिखाते हुये जमकर गोलाबारी कर दुश्मन देश की सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया था।

इसी को देखते हुये जबलपुर और कटनी स्थित आयुध निर्माणियों में फेक्टरी प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से कर्मियों के अवकाश पर रोक लगा दी थी, और गोला बारूद बनाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिये थे। इस काम को अब भी पहले की तरह किया जा रहा है। अवकाश पर प्रतिबंध जारी है और कर्मी भी पूरी ताकत के साथ देश की सुरक्षा में लगी सेना के हाथ को मजबूत करने में जुटे हुये हैं।

हर तीन साल में नया स्टॉक तैयार होता है

सूत्रों के अनुसार आयुध निर्माणियों में तैयार होने वाला गोला बारूद का स्टॉक हर तीन साल में बदल दिया जाता है। गोला बारूद जब भी बनाया जाता है, उसकी समाप्ति की अवधि तीन सालों के लिये होती है। इसलिये भले ही इसका इस्तेमाल न किया जाये, लेकिन जैसे ही एक्सपायरी तिथि का समय पूरा होता है, वह सुरक्षा एजेंसियों के काम का नहीं रह जाता है। इस बार भी पिछले दिनों भारत पाकिस्तान तनाव पूर्ण वातावरण में जितना भी असलाह इस्तेमाल किया गया होगा, उसके बाद फिर से पूर्व की भांति गोला बारूद के स्टॉक को करने की कवायद की जाती है, सूत्रों के अनुसार आयुध निर्माणियों की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है।

मौसम के मिजाज में बदलाव

जबलपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, मंडला, नरसिंगपुर, कटनी में हवा के साथ बूंदा-बांदी के आसार

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश मे जबलपुर संभाग के साथ दूसरे संभाग के जिलों में मौसम का मिजाज नरम-गरम बना है। जहां दोपहर में उमस भरी गर्मी महसूस की जा रही है, वहीं शाम ढलते ही गर्मी के तेवर नरम हो जाते हैं। अगले चौबीस घंटे में संभाग के जिलों में गरज चमक के साथ वर्षा या बौछार पड़ने की संभावना है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 18 मई को अधिकतम तापमान 39.7 जो सामान्य से 2 डिग्री कम आंका गया। न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बीते साल 40.3 एवं 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अभी उत्तर से पश्चिम की ओर हवाएं पांच से छ किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से चल रही हैं।

इधर इस बार कहा जा रहा है कि बीते साल की अपेक्षा अभी कुछ दिन ही प्रचंड गर्मी जबलपुर और दूसरे जिलों में महसूस की गई थी, और पारा 42 डिग्री तक पहुंच गया था। जिससे सभी तरफ गर्मी से बेचैनी रही। इतने कम दिनों में लोग गर्मी से हाय तौबा करने लगे थे, इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ

के चलते एक बार फिर मौसम का मिजाज बदला और आसमान में बादल और तेज हवाओं के बाद बारिया या बौछार पड़ने लगी। जिससे लोगों को दिन में पड़ने वाली तेज धूप और गर्मी से राहत मिलने लगेगी। वैसे भी इस बार

मानसून पूर्व हलचल केरल प्रांत में बढ़ गई है, इसके चलते कहा जा रहा है कि बूंदा-बांदी का दौर बीच-बीच में चलता रहेगा। मानसून भी जल्द आने की संभावना मौसम के जानकार व्यक्त कर रहे हैं।

कुदरत की आफत ने मचाई तबाही

शहडोल, देशबन्धु। जिले में शनिवार की दोपहर अचानक मौसम बदला तेज आंधी तूफान के साथ हुई बारिश ने कई घरों की छत उड़ा दी। घरों के छप्पर उड़ कर कई मीटर दूर चले गए, एक बुजुर्ग महिला घायल हुई है। कुदरत की इस आफत ने लाखों रुपये का लोगों का नुकसान किया है। अब लोग प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे हैं। जानकारी के अनुसार जैतपुर थाना क्षेत्र के रसमोहनी गांव में शनिवार दोपहर तेज आंधी तूफान के साथ हुई तेज बारिश ने तबाही मचा दी है। रसमोहनी निवासी शादाब इराकी ने बताया की वह बाजार में खरीदी कर रहे थे, तभी अचानक तेज आंधी तूफान के साथ बारिश हुई जिसमें उनके घर की छत में लगी सीट उड़कर 20 मीटर दूर चली गई, घर में मौजूद उनकी पत्नी के ऊपर सीट के कुछ टुकड़े टूट कर गिरे, जिससे वह घायल हुई हैं।

नदी में नहाने गये तीन भाइयों की डूबने से मौत

● एक को बचाने के प्रयास में तीनों डूबे

रीवा देशबन्धु। एक हृदयविदारक घटना में एक परिवार ने अपने तीन मासूम बच्चों को खो दिया, यह पूरा मामला मऊगंज जिले के पैपखार गांव से सामने आया है जहां नदी नहाने गए तीन लोगों की डूबने से मौत हो गई।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार यह पूरा मामला 18 मई की सुबह 10 बजे उस वक्त सामने आया जब पैपखार गांव निवासी दो सगे भाई अमन तिवारी उम्र 18 वर्ष अभय तिवारी उम्र 17 वर्ष पिता अनिल तिवारी, अपने मामा के बेटे

दो सगे भाई सहित एक मामा का लड़का शामिल

अभिषेक मिश्रा उर्फ छोटू पिता मुनेंद्र मिश्रा निवासी दुगौली मझियार उम्र लगभग 24 वर्ष के साथ निहाई नदी नहाने गए थे लेकिन इन्हें नदी की गहराई का अंदाजा नहीं था इस दौरान अभिषेक मिश्रा गहरे पानी में डूबने लगा जिसे बचाने के लिए एक-एक करके अमन तिवारी और अभय तिवारी भी नदी में गए लेकिन तीनों लोग नदी के गहरे पानी में डूब गए, नदी में डूबने की जानकारी लगने के बाद शोरशराबा हुआ और गांव के लोग पहुंचे, बाद में पुलिस को भी सूचित किया गया और कड़ी मशक्कत के बाद तीनों के शव बाहर निकलवाए गए।

जानकारी के अनुसार दुगौली मझियार निवासी अभिषेक मिश्रा गर्मी की छुट्टियों में अपनी बुआ के घर पैपखार आया था, इस दौरान तीनों लोगों ने नदी नहाने का प्लान बनाया और फिर नदी के गहरे पानी में डूबने से इन तीनों लोगों की मौत हो गई। इस घटना में अनिल तिवारी के घर का चिराग बुझ गया, अनिल तिवारी पेशे से रजिस्ट्री लेखक हैं, लेकिन इस घटना ने उनके दोनों पुत्र अमन तिवारी और अभय तिवारी को छीन लिया, इसी के साथ ही मुनेंद्र मिश्रा ने भी अपने 24 साल के बेटे अभिषेक मिश्रा को खो दिया। फिलहाल मौके पर तहसीलदार सौरभ मरावी पहुंचे जिन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है,तीनों के शव पानी से निकलवा कर सिविल अस्पताल मऊगंज पीएम कराया गया है।

कक्षा 9वीं की छात्रा की घर के अंदर हत्या?

● संदेही की भी आम के पेड़ में लटकती मिली लाश

रीवा देशबन्धु। जिले के मंनगवा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेला निवासी कक्षा नवमी की छात्रा की हत्या के बाद संदेही का शव घटना स्थल से कुछ ही दूर पर आम के पेड़ में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया है घटना की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची है और दोनों के सब को पीएम के लिए अस्पताल भिजवा दिया गया है फिलहाल इस पूरे मामले की जांच की जा रही है

दो मौतों के बाद इलाके में खिंचा सन्नाटा

घटना के संबंध में अब तक जो जानकारी निकलकर सामने आई है उसके मुताबिक मृतिका संध्या वर्मा उम्र 14 वर्ष पिता चंदन वर्मा कक्षा नवमी की छात्रा थी बताया गया है कि आज सुबह तकरीबन 7.30 बजे वह घर में अपनी दो बहनों के साथ थी इसी दौरान गांव का ही छोटेलाल कोल उसके घर पहुंचा जहां किशोरी का पहले उसने गला दबाया उसके बाद सर पर लोहे के खलबट्टे से हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई इस बीच मृतिका की बहन सहित उनके बाबा ने बचाने का प्रयास किया लेकिन आरोपी नहीं माना घटना के कुछ ही देर बाद छोटेलाल का शव भी फांसी के आम के पेड़ में लटकता हुआ पाया गया है घटना के पीछे का क्या कारण है फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया

है दो मौतों के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है और पूरे मामले की जांच कर रही है घटना की बाद गांव सहित इलाके में सनाका खिंच गया है वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंच रहे हैं पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है

जबलपुर, कटनी, सतना होकर गयाजी तक जाएगी उधना स्पेशल ट्रेन

जबलपुर, देशबन्धु। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को क्लियर करने और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से 09039/09040 उधना-गया-उधना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर 06-06 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी एवं सामान्य श्रेणी के कोच रहेंगे। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी।

ट्रेन टाइमिंग-09039 उधना-गया साप्ताहिक स्पेशल 23 मई से 27 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को उधना स्टेशन से रात 22.00 बजे प्रस्थान कर, अगले दिन इटारसी सुबह 08.30 बजे, जबलपुर 11.50 बजे, कटनी दोपहर 13.20 बजे, सतना 14.30 बजे पहुंचकर, अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन रविवार 03.15 बजे गया (गयाजी) स्टेशन पहुंचेगी। 09040 गया-उधना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 25 मई से 29 जून तक प्रत्येक रविवार को गया (गयाजी) स्टेशन से सुबह 07.10 बजे प्रस्थान कर, सतना सायं 18.40 बजे, कटनी रात 20.00 बजे, अगले दिन जबलपुर 21.50 बजे, पहुंचकर अगले दिन इटारसी मध्य रात्रि 01.20 बजे, अन्य स्टेशनों से होते हुए सोमवार दोपहर 14.00 बजे उधना स्टेशन पहुंचेगी।

अब स्लीपर से डायरेक्ट सेकेंड एसी तक अपग्रेड हो सकेगा टिकट, रेलवे ने दी सौगात

जबलपुर, देशबन्धु। रेल यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत वाली खबर है। अब यदि आपने स्लीपर क्लास में टिकट बुक कराया है और वह कंफर्म नहीं है तो चार्ट तैयार होने के बाद सीट खाली रहने पर सीधे सेकेंड एसी तक अपग्रेड हो हो सकेगा। यही नहीं, रेलवे ने चेयरकार में भी टिकट अपग्रेडेशन की व्यवस्था लागू कर दी है। इसका मतलब है कि अब द्वितीय श्रेणी कुर्सीयान (सेकेंड सिटिंग) का टिकट भी एसी चेयरकार में अपग्रेड किया जा सकेगा।

रेलवे बोर्ड के निदेशक पैसेंजर मार्केटिंग संजय मनोचा ने इस संबंध में 13 मई को सभी क्षेत्रीय रेलवे को एक पत्र जारी कर इस नए बदलाव की जानकारी दी है, इसके साथ ही, उन्होंने क्रिस को सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव करने के निर्देश भी दिए हैं। इस नई व्यवस्था के तहत, एसी चेयरकार के टिकट भी यदि सीटें उपलब्ध हों तो एग्जीक्यूटिव क्लास में अपग्रेड किए जा सकेंगे।

अभी तक ये था नियम

गौरतलब है कि अभी तक के नियमों के अनुसार, स्लीपर क्लास के यात्रियों के टिकट केवल थर्ड एसी में ही अपग्रेड हो सकते थे, लेकिन, इस नए नियम से सीट खाली रहने पर यह सीधे सेकेंड एसी में भी अपग्रेड हो सकेगा। इसके अतिरिक्त, कुर्सीयान वाली ट्रेनों में भी अपग्रेडेशन की सुविधा शुरू होने से सामान्य कुर्सीयान के टिकट एसी चेयरकार श्रेणी में अपग्रेड हो सकेंगे। इसी तरह, यदि एसी सेकेंड क्लास में टिकट है, तो वह एसी फर्स्ट क्लास में अपग्रेड हो सकेगा।

2006 में शुरू हुई थी अपग्रेडेशन सुविधा

रेलवे ने टिकट अपग्रेडेशन की यह सुविधा वर्ष 2006 में शुरू की थी। भारतीय रेलवे के स्वतः उच्चीकरण (ऑटो अपग्रेडेशन) नियम के तहत, यदि किसी यात्री ने स्लीपर क्लास में टिकट बुक किया है और वह कंफर्म नहीं होता है, तो चार्ट तैयार होने के बाद सीट खाली रहने पर वह स्वत: ही थर्ड एसी में अपग्रेड हो जाता था। खास बात यह है कि इस अपग्रेडेशन के लिए यात्रियों को किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता है। इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए यात्रियों को आईआरसीटीसी की वेबसाइट से टिकट बुक करते समय ऑटो अपग्रेड के विकल्प को चुनना अनिवार्य है। यदि कोई यात्री इस विकल्प का चयन नहीं करता है, तो उसे अपग्रेडेशन की सुविधा नहीं मिलेगी। टिकट अपग्रेड होने के बाद यदि यात्री उसे निरस्त (कैंसिल) कराना चाहता है, तो उसे मूल टिकट की बुकिंग राशि के अनुसार ही रिफंड मिलेगा।

विभागाध्यक्षों को रेलवे ठेकेदार करवा रहे हैं मुफ्त हवाई यात्रा

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे देश का सबसे ज्यादा उपयोगी उपक्रम माना जाता है। रेलवे में संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी की परीक्षा पास करने वाले चयनित को रेलवे में पदस्थ किया जाना एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा माना जाता है।

सूत्रों से प्राप्त खबर के अनुसार पमरे जबलपुर जोन में पदस्थ विभागाध्यक्ष को यदि मुख्यालय दिल्ली जाना रहता है तो यह अपने आरए के माध्यम से भोपाल तक जाते हैं उसके बाद ठेकेदारों

रेलवे में चल रहा है धड़ल्ले से खेल

द्वारा उनकी वायुयान की टिकट व्यवस्था की जाती है। रेलवे में यह खेल रेलवे में यह खेल बीते कई माह से चल रहा है। इससे यह उदाहरण सटीक बैठता है कि हर्रा लगे न फिटकरी रंग चौखा जब ठेकदार द्वारा हवाई यात्री की टिकट की व्यवस्था करायी जाएगी तो यह तो तय माना जा रहा है कि वह विभाग द्वारा दिये गए मापदंड।

जंगल से भटक कर सार में घुस आया भालू

शहडोल, देशबन्धु। रविवार सुबह एक ग्रामीण के घर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब उन्होंने देखा कि उनके घर से सटे हुए मवेशियों के सार में एक भालू घुसा हुआ है और चहल कदमी कर रहा है। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग के एसडीओ को दी। जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और उसने भालू को रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार उत्तर वनमण्डल शहडोल अंतर्गत वन परिक्षेत्र अमझोर के गंधिया गांव में हरप्रसाद गुप्ता के घर से लगी सार में जंगली भालू आ गया। परिवार के लोगों ने जब भालू की आहट सुनी तो शक्ति में आ गए हड़कंप मच गया इसके बाद परिवार के लोगों ने इसकी सूचना तत्काल वन विभाग के अधिकारियों को दी गई जयसिंहनगर के एसडीओ फॉरेस्ट मुकुल सिंह ठाकुर कुछ ऐसे ही इस बात की सूचना मिली वह वन परिक्षेत्र अमझोर की टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। इसके बाद वन विभाग की टीम ने भालू की स्थित का जायजा लिया तो देखा कि उक्त भालू भूसा और कंडे के बीच में फंसा हुआ है। टीम ने सूझ बूझ से रेस्क्यू का काम शुरू किया और कुछ ही देर के प्रयास के बाद भालू को भूसा और कंडे के बीच से बाहर निकाल कर आबादी से दूर जंगल की ओर भेज दिया।

ट्रक से टकराई बाइक सवार की मौत

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के घंघरी नाका पर ट्रक और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में हादसे में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पदस्थ कर्मचारी सुनील निगम की मौके पर मौत हो गई। उनके साथ बाइक पर सवार उनका साला अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना शनिवार रात की है। दरअसल, ट्रक कटनी से ताला की ओर जा रहा था और बाइक उमरिया से ताला जा रही थी। इसी दौरान दोनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने सुनील को मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली पुलिस ने जब्त किया ट्रक

मृतक सुनील निगम के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। रविवार को जब सुनील का शव ताला पहुंचा, तो परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाली पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

FOR PRIVATE SCREENING CALL
+918435552143
FOR ONLINE BOOKING & OFFER
BOOK FROM
BOOKMYSHOW
CALL BOOKING 0761-4069888, 4069889
समदड़िया सिनेमा

Final Destination Hindi 10:00AM 02:00PM 04:00PM 06:00PM English 12:00PM
MISSION IMPOSSIBLE 09:30AM 12:30PM 03:45PM 07:00PM 08:00PM 10:00PM 11:00PM
Raid-2 09:30AM 12:15PM 03:00PM 05:30PM 08:15PM 10:45PM
The Bhootni 10:00AM 03:00PM
PHULE 05:30PM
ROMEO S3 12:00PM
KESARI-2 08:00PM

NH नेशनल हॉस्पिटल
स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612
C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त
सुपर स्पेशिलिटी विभाग
● हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) ● न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) ● यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) ● शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) ● हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेसमेंट) ● छाती रोग ● नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) ● स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) ● नेत्र रोग ● शिशु रोग
28 वर्षों से ज़हर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान

J.B.F.A.
जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 132
मुर्गा मीडियम - रु. 126
मुर्गा बड़ा - रु. 118
मुर्गा जम्बो - रु. 118
मो. 9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 114
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 124
छोटा ब्रॉयलर - रु. 128
मोबाइल नं. 9300692405